खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-58

एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट : मोदी

महाकुंभ के समापन पर पीएम मोदी ने बहाई विनम्रता की गंगा

जनता से कहा, कुछ त्रुटि रह गई हो तो हमें क्षमा कर दीजिएगा

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में महाशिवरात्रि के साथ संपन्न महाकुंभ पर्व की दिव्यता और भव्यता पर अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए इसे युग परिवर्तन की आहट बताया है।

उन्होंने महाकुंभ पर अपने विचार को लेखबद्ध करते हुए गुरुवार को कहा है कि सहस्राब्दियों से चली आ रही महाकुंभ की यह सनातन परंपरा राष्ट्र चेतना जागृत करने वाला पर्व है।

श्री मोदी ने लिखा, महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की

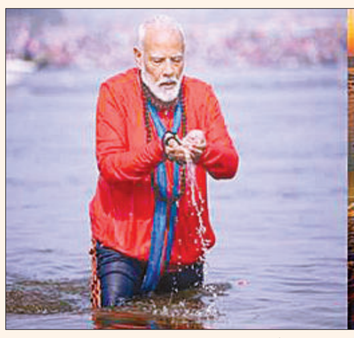

आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थीं।

श्री मोदी ने कहा, तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का ये तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बीते 45 दिनों में प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था, संगम में स्नान! मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के 'मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स' के लिए, 'प्लानिंग' और 'पॉलिसी एक्सपर्ट्स' के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।

श्री मोदी ने कहा, मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता, स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा। उन्होंने कहा, मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है। ▶10पर

महाकुंभ मेला के लिए 16 हजार से अधिक ट्रेनों का किया गया संचालन: वैष्णव

महाकुंभनगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुंभ के अवसर पर प्रयागराज के लिये रेलवे ने 13 हजार ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई थी, लेकिन श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए 16 हजार से अधिक ट्रेनों का सफल संचालन किया गया।

श्री वैष्णव ने गुरूवार को यहां रेलवे अधिकारियों से मुलाकात कर महाकुंभ के दौरान रेलवे की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का यह आयोजन भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह भव्य आयोजन संभव हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने बिहार और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों का भी आभार जताया, जिनके सहयोग से रेलवे ने बेहतर समन्वय स्थापित किया और श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा की सुविधा दी। ▶10पर

शिवराज ने किया

एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए जनांदोलन का आह्वान

नई दिल्ली,27 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए संविधान में संशोधन करने की आवश्यकता पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि इसके लिए पूरे देश में एक जनांदोलन होना चाहिए।

श्री चौहान ने भोपाल के एक निजी शिक्षण संस्थान में छात्रों को संबोधित करते हुए आज कहा कि देश में12 महीने चुनाव की तैयारियां जरूर चलती है। कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। ये बार-बार होने वाले चुनाव देश की प्रगति और विकास में बाधा है। इसलिए संविधान में संशोधन कर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि युवाओं को एक राष्ट्र-एक चुनाव के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, स्टूडेंट फॉर वन नेशन, वन इलेक्शन एक फोरम बनें, और इस फोरम को स्टूडेंट्स खुद बनाएं। एक राष्ट्र, एक चुनाव, एक जन-अभियान बनें, एक आंदोलन बनें और इस अभियान की अगुवाई छात्र करें।

एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि देश में एक इसके समर्थन में एक अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और विकास में बार-बार होने वाले चुनाव को बाधा नहीं बन चाहिए। इसलिए देश में एक बार और एक साथ चुनाव होने चाहिए। अब समय आ गया है कि देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं। श्री चौहान ने कहा कि, वर्ष 1967 में भी देश में एक साथ चुनाव होते थे। तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्यों में दूसरे दलों की सरकार बनने पर अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके विधान सभाएं भंग करना शुरू कर दिया और तब से एक साथ चुनाव बंद हो गए। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग होने लगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश के चुनाव आयोग ने वर्ष 1983 में कहा कि देश में एक बार, एक साथ चुनाव होना चाहिए। फिर वर्ष 1999 में विधि आयोग ने भी देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। उस समिति ने विचार विमर्श किया और रिपोर्ट के आधार पर 87 प्रतिशत लोगों ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव होना चाहिए।

दलालों को जगह नहीं दूंगा, मंत्रियों की लिस्ट पर सीएम ने चलाई कैंची

महायुति में मचा बवाल!

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में अब एक नई लड़ाई छिड़ गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऐलान किया है कि उन्होंने मंत्रियों के लिए विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) और निजी सहायक (पी.ए.) के नामों को मंजूरी दे दी है, जो सरकार के शपथ ग्रहण के तीन महीने बाद हुआ। हालांकि मुख्यमंत्री ने कुछ नामों को खारिज भी किया, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने 16 नामों पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा,मंत्रियों के ज़रिए प्रस्तावित 125 नामों में से 109 को मंजूरी दी गई है, लेकिन 16 नामों को रोका गया है। इन पर जांच चल रही है, इनका रिकॉर्ड खराब है या इन्हें दलाल माना जाता है। उन्होंने आगे कहा,'मैं दागी लोगों को मंजूरी नहीं दूंगा। मैं भ्रष्टाचारियों को नियुक्त करने की अनुमति नहीं दूंगा, चाहे इससे किसी को ठेस पहुंचे।

महाराष्ट्र की राजनीति का एक अहम चेहरा और शिवसेना (यूटीबी) सांसद संजय राउत ने इसको लेकर दावा किया कि 'खारिज किए गए सभी नाम गैर-बीजेपी मंत्रियों के ज़रिए सुझाए गए थे। संजय राउत ने सामना में लिखा,'फडणवीस ने सही किया लेकिन जिन 16 नामों को खारिज किया गया, उनमें 13 नाम शिवसेना के थे और 3 एनसीपी के। इसके अलावा एनसीपी के सीनियर नेता माणिकराव कोकाटे ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब तो मंत्री अपने पी.ए. और ओएसडी भी खुद तय नहीं कर सकते।

किसी भी मंत्री को अधिकतम 35 स्टाफ सदस्य रखने का अधिकार होता है, जिनमें एक निजी सहायक (पी.ए.) और तीन विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) शामिल होते हैं। इनकी नियुक्ति मुख्यमंत्री कार्यालय की मंजूरी के बाद सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से की जाती है। मुख्यमंत्री के ज़रिए 16 नामों को खारिज करने और कड़ा संदेश देने से सरकार के अंदर तनाव बढ़ गया है। खासकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और उनकी शिव-सेना पार्टी के साथ ▶10पर

तमिलनाडु सीएम ने फिर उगला जहर, बोले

हिंदी ने खत्म की 25 भाषाएं

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

यूपी-बिहार कभी हिंदी क्षेत्र नहीं थे, हिंदी मुखौटा और संस्कृत छुपा हुआ चेहरा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि जबरन हिंदी थोपने से 100 सालों में 25 नॉर्थ इंडियन भाषाएं खत्म हो गई।

स्टालिन ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- एक अखंड हिंदी पहचान की कोशिश प्राचीन भाषाओं को खत्म कर रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार कभी भी हिंदी क्षेत्र नहीं थे। अब उनकी असली भाषाएं अतीत की निशानी बन गई है। स्टालिन ने लिखा- दूसरे राज्यों के मेरे प्रिय बहनों और भाइयों, क्या आपने कभी सोचा है कि हिंदी ने कितनी भारतीय भाषाओं को निगल लिया है? भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी, और कई सारी भाषाएं अब अस्तित्व के लिए हांफ रहे हैं। वहीं बीजेपी ने स्टालिन के बयान को मूर्खतापूर्ण बताया। स्टालिन ने कहा- हिंदी थोपने का विरोध किया जाएगा क्योंकि हिंदी मुखौटा और संस्कृत छुपा हुआ चेहरा है। ▶10पर

यूएनएचआरसी में पाकिस्तान ने उठाया कश्मीर का मुद्दा, तो भारत ने किया पलटवार, कहा

'भीख पर जीने वालों को लेक्चर देने का हक नहीं'

संयुक्त राष्ट्र, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान को एक बार फिर भारत से मुँह की खानी पड़ी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की जिनेवा बैठक में पाकिस्तान ने कश्मीर का राग अलापा, लेकिन भारत ने उसे ऐसा जवाब दिया कि उसकी बोलती बंद हो गई। पाकिस्तान के कानून मंत्री अजम नजीर तरार ने कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन और आत्मनिर्णय के अधिकार की बात उठाई, लेकिन भारत के डिप्लोमैट क्षितिज त्यागी ने उसे जमकर लताड़ लगाई। त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान खुद एक असफल देश है, जो अंतरराष्ट्रीय भीख (मदद) पर जीकर आतंकवाद को पालता है। ऐसे में उसे दूसरों को लेक्चर देने का कोई हक नहीं है। यूएनएचआरसी में भारत ने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा उसके अभिन्न हिस्से रहेंगे। त्यागी ने बताया कि पिछले कुछ सालों में इन इलाकों में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक तरक्की हुई है। उन्होंने कहा कि ये बदलाव दिखाते हैं कि वहाँ के लोग सरकार पर भरोसा करते हैं, जो पाकिस्तान के आतंकवाद से जख्मी इस इलाके में शांति लाने की कोशिश कर रही है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान को नसीहत दी गई कि उसे भारत पर कीचड़ उछालने की बजाय अपने लोगों को इंसाफ और बेहतर जिंदगी देने पर ध्यान देना चाहिए।

भारत ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए कहा कि वहाँ मानवाधिकारों का हनन, अल्पसंख्यकों पर जुल्म और लोकतंत्र का गला घोंटना आम बात है। त्यागी ने तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान का बड़बोलापन ढोंग से भरा है और उसकी हरकतें अमानवीय हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत लोकतंत्र और अपने लोगों की गरिमा को मजबूत करने में जुटा है, ▶10पर

गाजा पर ट्रंप के एक एआई वीडियो ने इस्लामी मुल्कों को हिला डाला

अरब देशों ने बुला ली आपात बैठक

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल हमास के मध्य हो रहे बंधक युद्धविराम समझौते के बीच में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा कुछ कर दिया है कि दुनिया के इस्लामी देशों में हड़कंप मच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एआई जेनरेटेड एक वीडियो अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें गाजा को एक लक्जरी रिसॉर्ट के तौर पर दिखाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जिस एआई वीडियो को शेयर किया है, उसमें गाजा एक रिसॉर्ट है, जिसमें हम्मस खाते हुए डोनाल्ड ट्रंप की एक गोल्डन स्टेच्यु है। इसके अलावा एलन मस्क नाचते हुए दिखते हैं इसके साथ ही समुद्र के किनारे अमेरिकी और इजरायली नेता आराम फरमाते दिख रहे हैं। ये एआई वीडियो ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 19^0

मणिपुर में मैतेई ग्रुप ने सरेंडर किया लूटा हुआ सामान, 246 हथियार, जूते-हेलमेट शामिल

इम्फाल,27 फरवरी (एजेंसियां)।

मणिपुर में मैतेई ग्रुप अरामबाई टेंगगोल के सदस्यों ने हथियार सरेंडर करने की समय सीमा खत्म होने से पहले गुरुवार को राज्य सरकार को 246 हथियार सरेंडर कर दिए। इस ग्रुप ने हथियार सरेंडर करने से पहले मंगलवार को राज्य के राज्यपाल अजय भल्ला से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने आश्वासन दिया कि हथियार सरेंडर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी।

मैतेई ग्रुप द्वारा अवैध हथियारों के साथ-साथ सुरक्षाबलों के हेलमेट, जूते, वर्दी और दंगे के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली जैकेट भी सरेंडर की हैं। राज्य के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा सभी समुदायों से मणिपुर में लंबे समय से चल रही जातीय हिंसा को खत्म करने के प्रयासों के तहत सात दिनों के भीतर लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियार और गोला-बारूद अपनी मर्जी से सरेंडर करने के आह्वान किया था, जिसके बाद अब सरेंडर की समय सीमा खत्म होने से पहले मैतेई ग्रुप ने अपने 246 अवैध हथियारों को सरेंडर कर दिया है।

मंगलवार को रिवाइवलिस्ट सांस्कृतिक संगठन अरामबाई टेंगगोल की एक टीम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की, जिसमें इसके कमांडर-इन-चीफ टायसन न्गांगबाम उर्फ कोरोंगनबा खुमान, जनसंपर्क अधिकारी रॉबिन मंगंग खवाईराकाम और दो अन्य शामिल थे। बंद कमरे में करीब एक घंटे चली इस बैठक के बाद रॉबिन ने ▶10पर

ममता बनर्जी भी केजरीवाल की राह पर, चुनाव आयोग पर लगाया आरोप

215 सीटें जीतने के दावे के क्या हैं मायने?

कोलकाता, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इतना ही नहीं, उन्होंने चुनाव आयोग पर भी कई आरोप लगाए। ममता ने कहा कि बीजेपी चुनाव आयोग की मदद से अन्य राज्यों से फर्जी वोटरों को बंगाल की वोटर लिस्ट में शामिल कर रही है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। जरूरत पड़ी तो पार्टी चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना पर भी बैठेगी।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मीटिंग को संबोधित करते हुए, ममता बनर्जी ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, बीजेपी चुनाव आयोग के सपोर्ट से वोट्र लिस्ट में हेरफेर कर रही है। ऐसा ही आरोप दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे। हालांकि, अरविंद केजरीवाल से सबूत मांगते हुए चुनाव आयोग ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो उनकी पार्टी चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना देगी। उन्होंने कहा, अगर मैं 2006 में भूमि अधिग्रहण विरोधी ▶10पर

ट्रंप प्रशासन को शीर्ष अदालत से राहत, दो अरब डॉलर की विदेशी सहायता का भुगतान करने के आदेश पर रोक

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बुधवार को ट्रंप प्रशासन को आधी रात तक दो अरब डॉलर की विदेशी सहायता का भुगतान करने के आदेश पर रोक लगा दी।

ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह निचली अदालत की तय की गई सीमा पर भुगतान करने में असमर्थ है।

देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंचा यह मसला कार्यकारी शाखा के भीतर शक्ति को मजबूत करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक प्रयासों के साथ न्यायाधीशों को टकराव की राह पर ले जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स का आदेश मामले में उठाए गए अंतर्निहित प्रश्नों का समाधान नहीं करता। बल्कि, इसने अदालत को मामले में लिखित दलीलों की समीक्षा करने के लिए कुछ दिन का समय देने के लिए प्रशासनिक रोक लगाई है।

मुख्य न्यायाधीश ने प्रशासन पर मुकदमा करने वाले समूहों से शुक्रवार तक जवाब देने को कहा। ट्रंप प्रशासन आधी रात की समय सीमा से कुछ घंटे पहले बुधवार देररात सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और न्यायाधीशों से तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया।

पिछले महीने पदभार संभालने के बाद ट्रंप दूसरी बार न्यायालय पहुंचे हैं। ट्रंप से संबंधित एक और लंबित मामला राष्ट्रपति द्वारा विशेष वकील के कार्यालय में नेतृत्व को बर्खास्त करने से संबंधित है।

नई अपील में मुद्दा विदेश विभाग और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट से अरबों डॉलर की विदेशी सहायता का है। इसे जनवरी में ट्रंप ने रोक दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा नामित अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमीर अली ने मामले पर विचार करते समय उस धन को जारी करने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया था। अली ने बुधवार रात 11:59 बजे तक भुगतान करने का आदेश दिया था। ट्रंप प्रशासन ने अदालत से कहा है कि न्यायाधीश के अनुरोध को पूरा करने में कई सप्ताह लगेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका को हथियार-बैटरी बनाने वाले खनिज देगा यूक्रेन, ट्रंप ने धमकी के बाद जंग में मिली मदद के बदले डील करेंगे जेलेंस्की

वॉशिंगटन/कीव। यूक्रेन, अमेरिका को रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) देने पर राजी हो गया है। यूक्रेन और अमेरिका दोनों देशों के अधिकारियों ने इसकी घोषणा की। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि जेलेंस्की इस डील पर साइन करने के लिए शुक्रवार को अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। ट्रम्प करीब 1 महीने से यूक्रेन सरकार पर अमेरिका को दुर्लभ खनिज देने को लेकर दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि यदि यूक्रेन को अमेरिकी मदद चाहिए तो उसे 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे। उन्होंने जेलेंस्की को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अमेरिका यूक्रेन को और मदद देना बंद कर देगा। यूक्रेन के साथ नई खनिज डील में अमेरिका ने 500 बिलियन डॉलर के खनिज की मांग छोड़ दी है। हालांकि, उसने यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। अमेरिकी अधिकारी इसका विरोध कर रहे थे। यूक्रेन डील के बदले में अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहा था। अमेरिका दुर्लभ खनिज के बदले यूक्रेन के री-डेवलपमेंट (पुनर्विकास) में मदद करेगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को 300 से 350 बिलियन डॉलर की मदद है। हम वह पैसा वापस चाहते हैं। अमेरिकियों को उनका पैसा वापस मिलने जा रहा है। दुर्लभ खनिजों से अमेरिका को फायदा ट्रम्प यूक्रेन के जिन दुर्लभ खनिजों को लेना चाहते हैं, उनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कार, हथियार और सैन्य उपकरण बनाने में होता है। दुर्लभ खनिजों की ग्लोबल सप्लाई चेन में फिलहाल चीन सबसे बड़ा प्लेयर है।

भारत को इकोनॉमी में पछाड़ने के पीएम शाहबाज शरीफ के बयान के पाकिस्तानियों ने लिए मजे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का हाल ही में एक बयान खूब वायरल हुआ था, इसमें

उन्होंने कहा था कि अगर उन्होंने इकोनॉमी में भारत को पीछे नहीं छोड़ा, तब अपना नाम बदल दूंगा। इसके अलावा उन्होंने चैंपियंस ट्राफी में भारत से मुकाबले के पहले पाकिस्तानी टीम से मुलाकात भी थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि किसी से भी हार जाना लेकिन भारत से नहीं हारना है। खैर, पाकिस्तान टीम मैच हार गई और पाकिस्तान की इकोनॉमी की हालत सभी जानते हैं। लेकिन अब पाकिस्तानी ही शरीफ के दावों पर उनका मजाक बना रहे हैं। शरीफ के बयान को लेकर पाकिस्तानी यूट्यूबर ने पाकिस्तान के लोगों से बात की। इसमें दिलचस्प बातें सुनने में मिली। भारत की इकोनॉमी को पीछे छोड़ने वाले बयान पर एक पाकिस्तानी ने पीएम शरीफ को अभिनेता बता दिया। शख्स ने कहा कि शरीफ भारत को पीछे छोड़ने की बात कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान की हालत ये है कि कर्जे पर देश चल रहा है। मैच को लेकर पाकिस्तानी युवा ने कहा कि असल में शरीफ पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को ये कहने गए थे कि भारत के सामने एकदम खराब परफॉर्मेंस देनी है और बिल्कुल हार जाना है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए नई मुश्किल

ढाका । बांग्लादेश इस समय उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति के बीच देश की अंतरिम

सरकार के सूचना सलाहकार और छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे नाहिद इस्लाम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। खबर है कि वह नई राजनीतिक पार्टी का गठन कर सकते हैं और इसका ऐलान हो सकता है। नाहिद इस्लाम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार से नाराज थे। उन्होंने इस्तीफा देने के बाद यह भी कहा कि इस समय देश में जो माहौल बना हुआ है। ऐसे में वह छात्रों के बीच दोबारा लौटना चाहते हैं। मौजूदा स्थिति ऐसी है कि एक नई राजनीतिक ताकत का आगमन जरूरी है। मैंने जन आंदोलन की धार मजबूत करने के लिए पद से इस्तीफा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन और नेशनल सिटिजन्स कमेटी मिलकर नई राजनीतिक पार्टी का गठन करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस पार्टी का गठन इसलिए हो रहा है ताकि जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन की लड़ाई जारी रखी जा सके। इस नई पार्टी के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है लेकिन कहा जा रहा है कि पार्टी के लिए जुलाई क्रांति से जुड़े कई नाम सुझाए गए हैं। यह भी कहा जा रहा है कि यह नया राजनीतिक दल बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को चुनौती देगा।

ऑस्ट्रेलिया : मेलबर्न में चाकू से हमला करने के आरोप में चार युवक गिरफ्तार

सिडनी , 27 फरवरी (एजेंसियां)। मेलबर्न के उत्तरी इलाके में तीन युवक पर चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस इस मामले में चार किशोरों को गिरफ्तार कर चुकी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को शाम करीब 7:30 बजे ब्रॉडमेडोज़ (जो मध्य मेलबर्न से 15 किमी उत्तर है) के एक इलाके में एक रिटेल स्टोर की पार्किंग में झगड़ा हुआ और चाकू से हमला किया गया।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने 40 और 18 साल के दो लोगों घायल अवस्था में पाया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने घटनास्थल से कुछ किशोरों को भागते हुए देखा।

पुलिस की एयर ब्रांच को उस इलाके में भेजा गया, और उन्होंने समूह को एक घर में प्रवेश करते हुए देखा।

जासूसों और महत्वपूर्ण घटना प्रतिक्रिया टीम के सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर तीन 19 साल के और एक 18 साल के युवक को गिरफ्तार कर लिया, सभी युवक थे।

समूह का पांचवां सदस्य, जो 14 साल का था। वो भी लड़ाई में घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी जान को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने कहा कि वे घटना के बारे में उससे पूछताछ करने की उम्मीद कर रहे हैं।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि झगड़ा तब शुरू हुआ, जब 40 साल और 18 साल के युवक कार पार्किंग में हेडफोन की एक जोड़ी ढूंढने गए, जो शाम को पास के शॉपिंग सेंटर से चोरी हो गई थी।

19 साल के एक हमलावर पर गंभीर हिंसा, मारपीट और डकैती के दौरान जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। इस आरोप के तहत उसे 20 साल तक की सजा हो सकती है।

18 साल के युवक पर जानबूझकर और लापरवाही से चोट पहुंचाने और झगड़ा करने का आर-ोप है। वहीं, अन्य दो 19 साल के युवकों पर झगड़ा करने, लापरवाही से चोट पहुंचाने, लात मारकर हमला करने और डकैती करने का आरोप लगाया गया है।

लेबनान में इजरायली ड्रोन हमला, दो लोगों की मौत

बेरूत, 27 फरवरी (एजेंसियां)। लेबनान की पूर्वी पर्वत श्रृंखला के पास जनता के शारा क्षेत्र में इजरायली ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के हवाले से बताया कि इजरायली बलों ने दक्षिणी लेबनान के अल्मा अल-शाब गांव और नकौरा शहर के बीच रोशनी वाली लाइटें भी गिराईं।

इजरायल और लेबनान के बीच 27 नवंबर, 2024 से युद्धविराम समझौता लागू है। इसने गाजा युद्ध के कारण लगभग 14 महीने से चल रही लड़ाई पर रोक लगा दी है। हालांकि इजरायल के रुक रुक कर सैनिक कार्रवाइयां करता रहता है।

इस समझौते में लेबनानी क्षेत्र से इजरायली सेना की वापसी की बात कही गई थी, लेकिन 18 फरवरी की समय-सीमा के बावजूद इजरायल ने बॉर्डर पर पांच स्थानों पर अपनी उपस्थिति बनाए रखी है।

इससे पहले इजरायल की सेना ने कहा था कि उसने युद्ध विराम समझौते के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले शुरू किए हैं।

एक बयान में, सेना ने कहा कि उसने हथियारों से लैस बुनियादी ढांचे पर हमला किया, जहां हिजबुल्लाह की गतिविधि की पहचान की गई।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने हिजबुल्लाह पर दक्षिणी लेबनान में सैन्य अभियान चलाने का आरोप लगाया है, जो इजरायल और लेबनान के बीच हुए समझौतों का उल्लंघन है।

लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने रिपोर्ट दी है कि इजरायली दुश्मन ने दक्षिणी लेबनान के पश्चिमी क्षेत्र में वादी जिबकिन पर दो ड्रोन हमले किए।

एजेंसी ने कहा कि इजरायली बलों ने दक्षिणी सीमा क्षेत्र के मध्य इलाके में स्थित अल-दार क्षेत्र पर भी फ्लेयर्स गिराए।

इंसाफ के लिए मार्च : बांग्लादेश में क्यों विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं मेडिकल छात्र ?

ढाका, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मेडिकल छात्रों ने मंगलवार को इंसाफ के लिए मार्च कार्यक्रम शुरू किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मेडिकल असिस्टेंट द्वारा डॉक्टर उपाधि का इस्तेमाल करने को लेकर लंबे समय से जारी विवाद के कारण यह विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।

प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि मेडिकल असिस्टेंट अवैध रूप से इस उपाधि का इस्तेमाल कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांगों में से एक यह है कि डॉक्टर उपाधि का इस्तेमाल केवल एमबीबीएस और बीडीएस डिग्री धारकों तक ही सीमित रखा जाए।

बांग्लादेश की एक अदालत सोमवार को मेडिकल असिस्टेंट द्वारा 2013 में इस उपाधि को कानूनी मान्यता देने के लिए दायर की गई रिट याचिका पर आदेश जारी करने वाली है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने पदनाम के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए मामले के जल्द समाधान की मांग की।देश के प्रमुख दैनिक द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, जब स्टूडेंट्स अपनी मांगों को लेकर न्यायालय की ओर मार्च कर रहे थे, तो पुलिस ने उच्च न्यायालय के गेट पर उनके मार्च को रोक दिया।देशभर के मेडिकल छात्रों ने सोमवार से

ही पूर्ण शैक्षणिक बंद का आह्वान किया किया गया और अपनी पांच सूत्री मांगों पर जोर दिया।प्रमुख दैनिक द ढाका ट्रिब्यून से बात करते हुए, डॉक्टर्स मूवमेंट फॉर जस्टिस के अध्यक्ष जाबिर हुसैन ने कहा, सभी मेडिकल कॉलेजों के छात्रों ने आज (सोमवार) सभी कक्षाओं और परीक्षाओं का बहिष्कार किया। इसके अतिरिक्त, इंटर्न डॉक्टरों ने शैक्षणिक बंद के तहत विभिन्न अस्पताल वार्डों में सेवाएं देने से परहेज किया।प्रदर्शनकारी इंटर्न डॉक्टरों और छात्रों ने अपनी प्रमुख मांगों में - बांग्लादेश मेडिकल और डेंटल काउंसिल पंजीकरण केवल एमबीबीएस और बीडीएस डिग्री धारकों को प्रदान करना, मेडिकल सहायकों (एमएटीएस स्नातकों) के लिए पंजीकरण बंद करना, सभी मेडिकल सहायक प्रशिक्षण स्कूलों (एमएटीएस) और घटिया स्तर के सार्वजनिक और निजी मेडिकल कॉलेजों को बंद करना शामिल है।वे एमएटीएस स्नातकों के लिए उप-सहायक सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी के पदनाम को रद्द करने और उन्हें चिकित्सा सहायक के रूप में मान्यता देने की मांग कर रहे हैं।इससे पहले महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी से नाराज छात्रों ने अंतरिम सरकार की नाकामी के विरोध मार्च निकाला। रविवार को ढाका के कई प्रमुख कॉलेजों और विश्वविद्यालयों जैसे जगन्नाथ विश्वविद्यालय, ईडन कॉलेज, गवर्नमेंट टिटुमिर कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ लिबरल आर्ट्स बांग्लादेश (यूएलएबी) और बीआरएसी विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हुए।छात्रों ने नारे लगाए, सरकार जागो!, चुप्पी तोड़ो, बलात्कारियों को सजा दो!, हिंसा बंद करो, महिलाओं की रक्षा करो!

और बलात्कारियों को फांसी दो!।

अपराधों को रोकने में प्रशासन की नाकामी को लेकर छात्रों ने बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार से इस्तीफा देने की मांग की। छात्रों ने पिछले 48 घंटों में हुए बलात्कार की घटनाओं की चिंताजनक संख्या पर सरकार की आलोचना की और इसे अराजकता का उदाहरण बताया।

पाक के मुस्तफा अमीर हत्याकांड पर सिंध के आईजी को नेशनल असेंबली की समिति ने तलब किया

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति ने मुस्तफा अमीर के मामले पर संज्ञान लिया है। मुस्तफा की पिछले महीने कराची में हत्या कर दी गई थी। समिति ने सिंध के आईजी गुलाम नबी मेमन को नोटिस जारी किया है। उन्हें 28 फरवरी को समिति के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

नोटिस में कहा गया है कि आईजी सिंध को अन्य संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ मामले के संबंध में विवरण प्रस्तुत करना चाहिए। इससे पहले सिंध प्रांत के गृह विभाग ने सिंध हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार एक अधिसूचना जारी की। इसमें मुस्तफा अमीर हत्या मामले में आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) 1 में न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्तियों को रद्द कर दिया गया। यह कदम एटीसी 1 द्वारा मुस्तफा अमीर हत्या मामले के मुख्य आरोपित अर्माघन को रिमांड देने से इनकार करने के विवाद के बाद उठाया गया। एटीसी 1 न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्तियां एटीसी 3 के न्यायाधीश को हस्तांतरित कर दी गई हैं।

इससे पहले 26 फरवरी को पुलिस ने मुस्तफा

आमिर हत्याकांड के दो आरोपितों अर्माघन और शीराज को न्यायिक मजिस्ट्रेट साउथ की अदालत में पेश किया।

मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी की लापरवाही पर निराशा व्यक्त की जिसके कारण आरोपितों की पहचान परेड नहीं कराई जा सकी। धारा 164 के तहत गवाहों के बयान भी दर्ज नहीं किए जा सके। अदालत ने आरोपितों के वकीलों को नोटिस जारी किया और संदिग्धों को फिर से पेश करने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 6 जनवरी को कराची के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी में मुस्तफा अमीर का उसके दोस्तों ने अपहरण कर लिया और कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, दोस्तों ने उसके शव को उसकी कार की डिक्की में भरकर बलूचिस्तान के हब इलाके में आग लगा दी थी।

पोप फ्रांसिस की सेहत में हल्का सुधार, ऑक्सीजन थेरेपी जारी

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस की सेहत में बीते 24 घंटों में हल्का सुधार देखा गया है। वेटिकन प्रेस कार्यालय ने बुधवार शाम को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया कि पिछले कुछ दिनों से देखी जा रही हल्की किडनी समस्या अब ठीक हो गई है। पोप फ्रांसिस की फेफड़ों में सूजन का इलाज जारी है और उनकी छाती का सीटी स्कैन सामान्य रिकवरी दर्शा रहा है। ताजा रक्त परीक्षणों ने भी उनकी सेहत में सुधार की पुष्टि की है। हालांकि, उन्हें अब भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी दी जा रही है, लेकिन राहत की बात यह है कि उन्हें किसी भी तरह की सांस लेने में तकलीफ या अस्थमा जैसा कोई लक्षण नहीं दिखा। उनकी फिजियोथेरेपी भी लगातार जारी है। बुधवार सुबह पोप ने पवित्र यूखारिस्त (ईसाई धर्म का धार्मिक अनुष्ठान) ग्रहण किया, और दोपहर में अपने कार्यों को भी फिर से शुरू किया। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि उनकी स्थिति अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं है और सतर्क निगरानी की जरूरत बनी हुई है। विश्वभर के श्रद्धालु पोप फ्रांसिस के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

राष्ट्र प्रथम
बटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

बॉलीवुड में ऐश्वर्या राय ने फिल्म और प्यार हो गया से ली थी एंट्री

मूवी ने बजट से दोगुना की कमाई

पूर्व विश्व सुंदरी ऐश्वर्या राय बच्चन ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के तीन साल बाद ही सिनेमा में कदम रख दिया था। ऐश्वर्या ने अपने अभिनय की शुरुआत तमिल फिल्म 'इरुवर' से की थी। ऐश्वर्या राय बीते ढाई दशक से भी ज्यादा समय से इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। ऐश्वर्या ने अपने फिल्म करियर में तमिल, तेलुगू, बंगाली और इंग्लिश फिल्मों में भी काम किया है। क्या आपको पता है कि ऐश्वर्या राय बच्चन ने बॉलीवुड में किस फिल्म से एंट्री ली थी? हिंदी सिनेमा में उनका पहला हीरो कौन था? ऐश की हिंदी डेब्यू फिल्म ने कितनी कमाई की थी और क्या यह फिल्म हिट हुई थी या फ्लॉप?

वहीं, बॉलीवुड में ऐश्वर्या राय ने साल 1997 में ही फिल्म 'और प्यार हो गया' से एंट्री ली थी। 'और प्यार हो गया' ऐश्वर्या राय की पहली हिंदी डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय ने बॉबी देओल के अपोजिट काम किया था। इस फिल्म को राहुल रवैल ने डायरेक्ट किया था। राहुल रवैल लव स्टोरी (1981), बेताब (1983), अर्जुन (1985), बेखुदी (1992) और जो

बोले सो निहाल (2005) जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। फिल्म 'और प्यार हो गया' 15 अगस्त 1997 को रिलीज हुई थी। फिल्म में बॉबी देओल, ऐश्वर्या राय बच्चन, शम्मी कपूर और अनुपम खेर ने अहम रोल प्ले किया था। 153 मिनट की इस फिल्म का बजट 6.25 करोड़ रुपये था और फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 13.85 करोड़ रुपये यानी अपने बजट से दोगुना कमाई की थी।

इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप का टैग मिला था। इस फिल्म के बाद ऐश्वर्या राय को बॉबी के साथ साल 2002 की हिट फिल्म 23 मार्च 1931: शहीद में देखा गया था। इसके बाद इस जोड़ी को कभी भी बड़े पर्दे पर साथ में नहीं देखा गया था। इस फिल्म की कहानी रूमी जाफरी ने लिखी थी और स्क्रीनप्ले हनी ईरानी ने किया था। फिल्म में दिवंगत दिग्गज पाक सिंगर नुसरत फतेह अली खान ने म्यूजिक कंपोज किया था। फिल्म के गाने आज भी हिट हैं। बता दें, बॉबी देओल ने अपने लंबे फिल्म करियर में हिट कम और फ्लॉप फिल्में ज्यादा दी हैं और वहीं, ऐश की झोली में ज्यादा हिट फिल्में हैं।

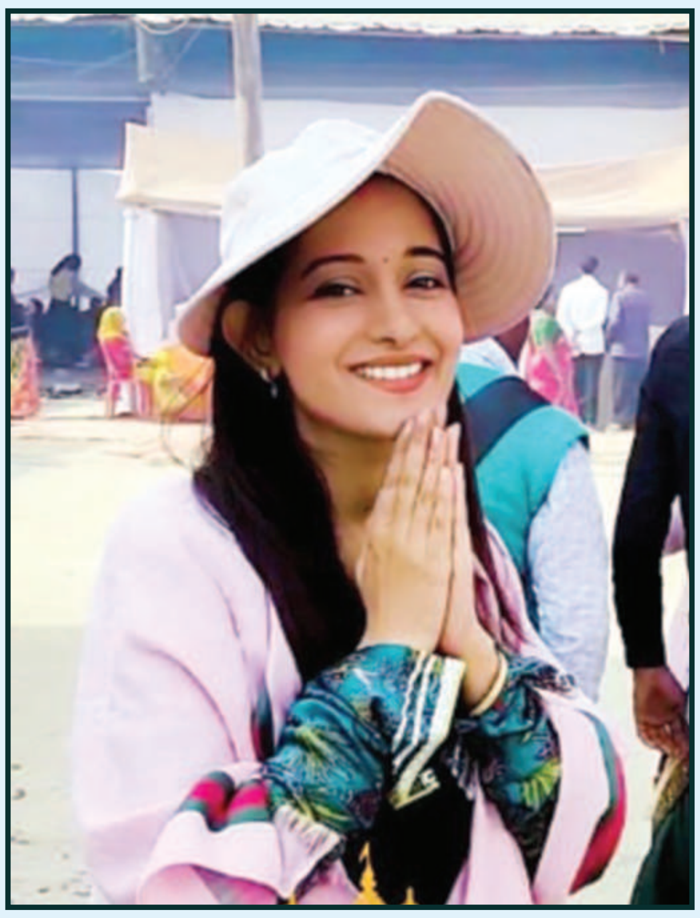

अभिनेत्री अमृता राव की बहन प्रीतिका राव ने साउथ की फिल्मों से लेकर टीवी पर किया काम

लेकीन अब करती हैं पॉडकास्ट का काम

शाहिद कपूर स्टारर विवाह फेम एक्ट्रेस अमृता राव तो आपको याद ही होंगी। अपनी परफॉर्मेंस और क्यूटनेस से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया था। हालांकि कुछ फिल्मों के बाद ही उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया था। लेकिन आज हम बात करेंगे उनकी बहन एक्ट्रेस प्रीतिका राव की। वह भी अपनी बहन अमृता की तरह ही बेहद खूबसूरत हैं। काफी हद तक दोनों बहनें लुक में एक जैसी ही दिखती हैं। प्रीतिका भी बेहद सुंदर हैं। उन्होंने कई टीवी की दुनिया में खास मुकाम हासिल की। उन्होंने तमिल और बाद में एक तेलुगु फिल्म के साथ साउथ इंडस्ट्री में शुरूआत की। बाद में लैंग्वेंज संबंधी दिक्कतों के कारण उन्होंने 2012 में साउथ फिल्में छोड़ने का फैसला किया। साउथ फिल्मों को छोड़ने के बाद प्रीतिका राव मुंबई आ गईं और फिल्मों के बजाए टीवी शो करने का फैसला लिया। उन्होंने बताया था कि, लोग अक्सर हैरान होते हैं कि मैंने बॉलीवुड को टेलीविजन के लिए छोड़ दिया! मेरे पास आशिकी 2, निर्देशक प्रदीप सरकार, निर्माता वाशु भगनानी और कुमार तौरानी की फिल्मों के ऑफर थे। वह कहती हैं कि अपनी बहन अमृता राव की वजह से ही मुझे बॉलीवुड के बारे में कई चीजें पता चली। 2008 तक ज्यादातर ए-लिस्ट प्रोजेक्ट्स में बिकनी पहनना और किस करना अनिवार्य था। मैंने खुद से समझौता नहीं करने का फैसला किया और फिल्मों के बजाय टीवी शो में काम किया। ये न केवल परिवार के अनुकूल हैं।सौभाग्य से मेरा पहला शो बेइंतेहा एक बड़ी हिट थी। इसका डब तुर्की, इंडोनेशिया, तंजानिया, अजरबैजान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिट रहा। उन्होंने कहा था कि मैं ब्रेक लेकर काम करती हूं। वह एक कंटेंट स्पेस में रहना स्वीकार करती है। मैं अपना काम चुन सकती हूं और काम को आसानी से छोड़ भी सकती हूं। मुझे प्रसिद्धि या पैसे का लालच नहीं है। मैं रियलिटी शो से दूर रही, क्योंकि ये आपके निजी जीवन को सार्वजनिक तमाशा बना देता है। डिजिटलीकरण के कारण सब कुछ वेब पर आ जाता है, चाहे वह फिल्में हों, टेलीविजन हो या वेब सीरीज। इसलिए अब यह मायने नहीं रखता कि आप किस प्लेटफॉर्म पर काम करना चाहते हैं, बस कॉन्टेंट दिलचस्प होना चाहिए। हालांकि बता दें कि अब उन्होंने टीवी पर एक्टिंग से भी दूरी बना ली है। अब वह अपनी बहन अमृता के रास्ते पर चल पड़ी हैं। अब वह भी एक्टिंग छोड़ कर पॉडकास्ट करती हैं। हाल ही में वह कुंभ में नजर आईं। उनके पॉडकास्ट में बड़े बड़े संत महात्मा भी नजर आते हैं।

मलाइका अरोड़ा ने लेटेस्ट फोटोज शेयर कर 51 की उम्र में इंटरनेट पर मचाया धमाल

अपनी फिटनेस को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर आते ही अक्सर बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग और हॉट मूव्स देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।बता दें कि मलाइका अरोड़ा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।मलाइका अरोड़ा ने रेड हॉट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी ये कातिल अदाएं देखकर फैंस भी मंत्रमुग्ध हो गए हैं।खुले बाल को स्ट्रेट लुक कर के, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी स्टाइलिश फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो लोग उनके हर एक स्टाइल को काफी अच्छे से फॉलो करते हैं।

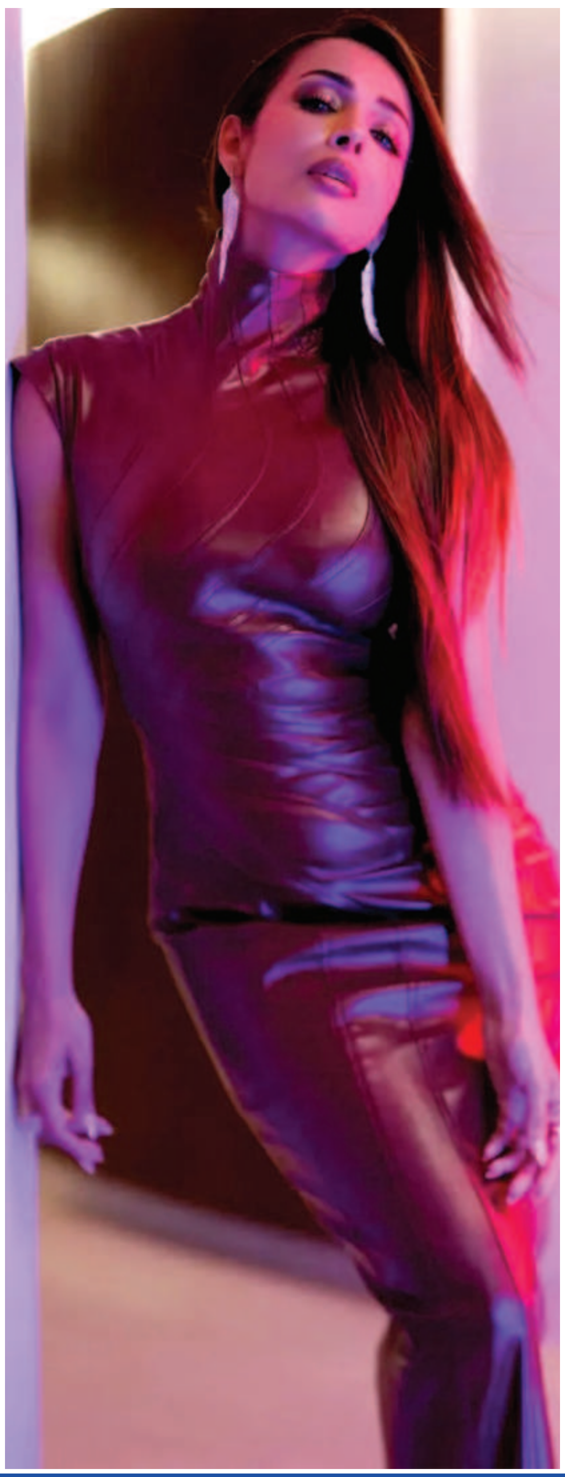

मुझे मेरा धर्म बदलने की जरूरत नहीं, जानें जहीर इकबाल से शादी के 8 महीने बाद सोनाश्री सिन्हा ने क्यों कही ये बात

सोनाक्षी सिन्हा बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में आती हैं, जिन्हें वर्सेटाइल एक्टिंग और अपनी पर्सनैलिटी के लिए जाना जाता है। दबंग, राऊडी राठौर और सन ऑफ सरदार जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 में एक्टर जहीर इकबाल से शादी की, जो कि फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई। लेकिन अब हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर इकबाल से रिलेशनशिप में धर्म को लेकर बातचीत की और बताया कि उन्होंने कभी धर्म को लेकर बातचीत की है।

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, हम धर्म के बारे में नहीं सोच रहे थे। यहां दो लोग जो एक दूसरे से प्यार करते हैं और शादी करना चाहते हैं और शादी कर रहे हैं। वह मुझ पर अपना धर्म नहीं थोप रहा है। मैं उस पर अपना धर्म नहीं थोप रही हूं। हमने कभी धर्म के बारे में कोई बात नहीं की। हम बैठकर बात नहीं करते।

आगे वह कहती हैं, वे अपने घर में कुछ परंपराओं का पालन करते हैं। मैं अपने घर में कुछ परंपराओं का पालन करती हूं। मैं उनका और उनकी संस्कृति का सम्मान करती हूं। वो मेरा और मेरे पूरे परिवार का सम्मान करते हैं। ऐसा ही होना चाहिए। शादी करने का सबसे अच्छा तरीका एक स्पेशल मैरिज एक्ट था, जिसके तहत एक हिंदू महिला के रूप में मुझे अपना धर्म बदलने की जरूरत नहीं है, और वह एक मुस्लिम पुरुष के रूप में एक मुस्लिम ही रह सकता है। और प्यार करने वाले दो लोग शादी के एक खूबसूरत बंधन को शेयर करते हैं।सोनाक्षी सिन्हा ने खुलासा किया कि पहली बार मां पूनम सिन्हा से उन्होंने जहीर के साथ रिलेशनशिप के बात की थी और फिर उनकी मां ने पिता से बात करने के लिए कहा था और तब शत्रुघ्न सिन्हा के रिएक्शन पर बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, 'उन्होंने कहा, 'तुम एक वयस्क महिला हो, वह एक वयस्क पुरुष है, तुम दोनों एक दूसरे के साथ खुश हो, यही सबसे महत्वपूर्ण है। तुमने अपना फैसला ले लिया है, और मैं तुम्हारे साथ हूं। आगे बढ़ो। मैं उस लड़के से मिलना चाहूंगा।

शोभिता धुलिपाला को डायरेक्टर ने कुत्ते से कर दिया था रिप्लेस

आज बन बैठी है 3330 करोड़ की मालकिन

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर के मुकाबले एक्ट्रेस को करियर बनाना ज्यादा भारी पड़ता है। बहुत कम एक्ट्रेस हैं, जो अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर जाती हैं। वहीं, साल दर साल कई एक्ट्रेस आती हैं और फ्लॉप होकर घर बैठ जाती हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी होती हैं, जो सारी मुसीबतों को पार एक सफल करियर की ओर बढ़ती हैं। इनमें से एक हैं, वो एक्ट्रेस, जिसकी हाल ही में शादी हुई है। यह एक्ट्रेस कई बड़ी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ चुकी है। वहीं, इस एक्ट्रेस के करियर में एक ऐसा भी मोड़ आया था, जब एक कुत्ते ने उन्हें रिप्लेस कर दिया था। जानते हैं फोटो में वायरल हो रही ये बच्ची आखिर कौन सी एक्ट्रेस है।

जिस एक्ट्रेस की हम बात कर रहे हैं, वो साउथ सिनेमा में ज्यादा एक्टिव हैं और बॉलीवुड स्टार्स के साथ भी काम कर चुकी हैं। इस एक्ट्रेस को अपने शुरुआती फिल्म करियर में कई बार अपमान सहना पड़ा। बावजूद इसके इस एक्ट्रेस ने हार न मानते हुए संघर्ष को चुना। दरअसल, हम बात कर रहे हैं फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में नजर आईं एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला की, जो आज साउथ सुपरस्टार नागार्जुन के खानदान की बहू हैं। शोभिता आज 3330 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन बन गई हैं। शोभिता ने साउथ हसीना सामंथा रुथ प्रभु के एक्स हसबैंड और साउथ एक्टर नागा चैतन्य से हाल ही में शादी रचाई है।

साल 2016 में शोभिता ने हिंदी फिल्म रमन राघव 2.0 से फिल्मों में कदम रखा था। वहीं, शोभिता ने अदिवी शेष स्टारर फिल्म गुढ़ाचारी (2018) से टॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद से शोभिता को हिंदी और तेलुगू के साथ-साथ तमिल और मलयालम फिल्मों में भी एंट्री मिली। इतना ही नहीं शोभिता ने साल 2024 में अमरेकिन फिल्म मंकी मैन में भी काम किया है। उन्होंने फिल्म कल्कि 2898 एडी में दीपिका पादुकोण के लिए तेलुगू डबिंग की थी।

मॉडलिंग के बाद किया संघर्ष

एक इंटरव्यू में शोभिता ने बताया था कि मॉडलिंग के बाद भी उन्हें फिल्मों में आने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक ऑडिशन के लिए बुलाया गया, लेकिन रंग के कारण और बैकग्राउंड मॉडल के लिए अनफिट बता कर एक विज्ञापन से बाहर कर दिया गया था। उनका यह रोल उनके हाथ से निकल कर एक कुत्ते के पास चला गया। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें दोबारा बुलाया गया। इस बार उन्हें ऐश्वर्या राय के साथ काम करना था। बता दें, आज शोभिता की नेटवर्थ 7 से 10 करोड़ रुपए की है और नागा चैतन्य से शादी करने के बाद बताया जा रहा है कि उनकी संपत्ति अब 3330 करोड़ रुपये हो गई है।

क्रिकेटर से पंजाबी एक्टर बने योगराज सिंह का दावा, पाकिस्तान गया तो एक साल में बदलकर रख दूंगा उनका क्रिकेट

पाकिस्तान की क्रिकेट टीम कई दफा ऐसा परफॉर्म कर जाती है कि उंगलियां उठने लगती हैं। उंगलियां तो उंगलियां इन पर मीम और जोक्स भी बनने लगते हैं। इस टीम के खेल पर सवाल होना और बातें बनना कोई नई बात नहीं है। अब चैम्पियन्स ट्रॉफी की सरगर्मी के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर, युवराज सिंह के पिता और पंजाबी फिल्मों के एक्टर योगराज सिंह ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निराशाजनक परफॉर्मेंस के बाद टीम को कोचिंग देने की बात कर सुर्खियों में हैं।

टूर्नामेंट से पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने के बाद योगराज सिंह ने मौजूदा टीम के बारे में स्ट्रॉन्ग कमेंट्स के लिए वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना की। योगराज सिंह ने दावा किया कि वह एक साल के अंदर पाकिस्तान क्रिकेट को बदल सकते हैं। उन्होंने आलोचना की जगह सही गाइडेंस की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अगर मैं वहां (पाकिस्तान) जाता हूं तो मैं एक साल के अंदर टीम को बेहतर बना दूंगा। आप सभी मुझे याद रखेंगे। उन्होंने अकरम और दूसरे लोगों से रिक्वेस्ट की कि वे किनारे से कमेंट करना बंद करें और इसके बजाय खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग सेशन करवा कर मदद करें। योगराज सिंह ने टीम के लिए सपोर्ट की कमी पर निराशा जाहिर की। इस बात पर जोर दिया कि पूर्व क्रिकेटर आलोचना करने में तेज हैं उन्हें यंग टैलेंट को संवारने की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

आमलकी एकादशी का व्रत 10 मार्च को रखा जाएगा

नियम से करें भगवान विष्णु की पूजा

आमलकी एकादशी का दिन बेहद पावन माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन लोग कठिन व्रत का पालन करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। यह शुभ पर्व हर साल फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन जो भक्त उपवास रखते हैं, उन्हें सभी पूजा नियमों का पालन करना चाहिए और इसके अलावा तामसिक चीजों से परहेज करना चाहिए। वहीं, इस साल यह व्रत कब रखा जाएगा और इसकी सही पूजा विधि क्या है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 09 मार्च को रात 07 बजकर 45 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 10 मार्च को सुबह 07 बजकर 44 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 10 मार्च को आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

पूजा विधि

साधक सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।
साफ व पीले रंग के कपड़े पहनें।
एक वेदी पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें।
देसी घी का दीपक जलाएं।
श्री हरि का अभिषेक करें।
उन्हें पीले फूलों की माला चढ़ाएं और गोपी चंदन का तिलक लगाएं।
पूजा में तुलसी पत्र जरूर शामिल करें।
भगवान विष्णु को पंचामृत, फल और मखाने की खीर या घर पर बनी कोई भी मिठाई का भोग लगाएं।
आमलकी एकादशी कथा का पाठ और विष्णु जी के मंत्रों का जाप करें।
आरती से पूजा को पूरी करें और परिवार के सभी सदस्यों में पंचामृत बांटें।
इस दिन चावल खाने से बचें।
अगले दिन प्रसाद से व्रत का पारण करें।
शाम के समय भी विधिपूर्वक पूजा करें।

आमलकी एकादशी 2025 पूजा मंत्र
ॐ नमो: भगवते वासुदेवाय नमः।।

11 मार्च को प्रदोष व्रत

प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।इस शुभ अवसर पर मंदिरों में भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है।

साथ ही पूजा के समय भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाता है। भगवान शिव जलाभिषेक से जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। इसीलिए साधक त्रयोदशी तिथि पर भक्ति भाव से भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा करते हैं।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 11 मार्च को सुबह 08 बजकर 13 मिनट पर होगी। वहीं, त्रयोदशी तिथि का समापन 12 मार्च को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर होगा। त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। इसके लिए 11 मार्च को प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। 11 मार्च को प्रदोष काल शाम 06 बजकर 27 मिनट से 08 बजकर 53 मिनट तक है। इस दौरान भगवान शिव की पूजा एवं अर्चना कर सकते हैं। साधक अपनी सुविधा अनुसार समय पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा कर सकते हैं।

शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो मार्च माह के पहले प्रदोष व्रत पर दुर्लभ सुकर्मा और शिववास योग का संयोग बन रहा है। साथ ही अश्लेषा नक्षत्र का संयोग है। इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। इसके अलावा, सभी प्रकार के संकटों से भी मुक्ति मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 35 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 27 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 58 मिनट से 05 बजकर 47 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 17 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 25 मिनट से 06 बजकर 49 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक

अपने घर पर इन लोगों को कभी न दें न्यौता, खराब कर देते हैं माहौल

आचार्य चाणक्य भारत के उन विद्वानों में से एक हैं, जिन्हें उनके ज्ञान और नीतियों के लिए आज भी याद किया जाता है। उनके द्वारा लिखे गए नीति शास्त्र का लोग आज भी अनुसरण करते हैं। चाणक्य जी ने अपने नीति शास्त्र में कुछ ऐसे लोगों का भी जिक्र किया है, जिन्हें कभी भी अपने घर पर नहीं बुलाना चाहिए।

न बुलाएं ऐसा इंसान

चाणक्य जी का कहना है कि अपने घर पर कभी भी ऐसे व्यक्ति को नहीं बुलाना चाहिए, जो स्वभाव में स्वार्थी हो। इसका कारण यह है कि ऐसे लोग कभी भी दूसरों की भलाई के बारे में नहीं सोचते और हर चीज में केवल अपना फायदा देखते हैं।

गलतफहमियां पैदा करते हैं ये लोग

आचार्य चाणक्य के अनुसार, अपने घर पर कभी भी ऐसे लोगों को भी बुलावा नहीं देना चाहिए, जो सामने से तो कुछ और दिखाते हैं, लेकिन उनके मन में कुछ और होता है। क्योंकि ऐसे लोग आपके और परिवार के बीच गलतफहमियां भी पैदा कर सकते हैं। इसलिए इन लोगों को अपने घर बुलाने से बचना चाहिए।

इन लोगों से न करें दोस्ती

आचार्य चाणक्य का कहना है कि अपने घर में कभी भी उन लोगों को नहीं बुलाना चाहिए, जो आपको सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही आपको याद करते हैं। क्योंकि ऐसे लोग कभी आपकी मुश्किलों में काम नहीं आते। इसलिए ऐसे लोगों को घर बुलाकर या इनसे दोस्ती रखकर कोई फायदा नहीं है।

खराब होता है घर का माहौल

चाणक्य नीति के मुताबिक, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जिन्हें दूसरों का अहित करके मजा आता है। ऐसे में इन लोगों को कभी भूलकर भी अपने घर नहीं बुलाना चाहिए, वरना इस लोगों के कारण आपके घर का माहौल खराब हो सकता है।

कब और कैसे हुई भगवान गणेश की शादी? नारद जी ने निभाई थी अहम भूमिका

हिंदू धर्म में गौरी पुत्र गणेश जी को प्रथम पूज्य देव माना जाता है, क्योंकि किसी भी शुभ व मांगलिक कार्य से पहले उनका ध्यान और पूजा जरूर किया जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से व्यक्ति के सभी कार्य निर्विघ्न रूप से पूरे होते हैं। गणेश जी के रिद्धि-सिद्धि से विवाह के पीछे एक बहुत ही खास कथा मिलती है। चलिए जानते हैं वह कथा।

तुलसी जी ने क्यों दिया श्राप

पद्मपुराण और गणेश पुराण में वर्णित कथा के अनुसार, तुलसी माता, गणेश जी से विवाह करना चाहती थीं। एक बार जब उन्होंने गणेश जी के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा, तो गणेश जी ने उनसे शादी करने के लिए मना कर दिया। इससे तुलसी जी क्रोधित हो गईं और उन्होंने गणेश जी को दो शादियां होने का श्राप दिया। इस श्राप के फलस्वरूप गणेश जी का विवाह रिद्धि और सिद्धि नामक दो बहनों से हुआ।

इस तरह हुआ विवाह

गणेश पुराण के छठे अध्याय में भगवान गणेश के विवाह की जानकारी मिलती है। कथा के अनुसार, गणेश जी के एक दांत और लम्बोदर रूप के कारण उनके विवाह में कई परेशानियां आ रही थीं। इससे रुष्ट होकर गणेश जी अपनी सवारी मूषक के साथ मिलकर दूसरे देवताओं के विवाह में बाधा उत्पन्न पहुंचने लगे।

सभी देवता इससे परेशान हो गए, तब उन सभी ने अपनी समस्या ब्रह्मा जी से जातक कही। ब्रह्मा जी ने देवताओं की गुहार पर अपनी दो पुत्रियों रिद्धि और सिद्धि को गणेश जी के पास शिक्षा ग्रहण करने भेजा।

विवाह के लिए तैयार हुए श्रीगणेश

जब भी गणेश जी को किसी देवता के विवाह के बारे में पता चलता, तो उसी समय रिद्धि और सिद्धि उनका ध्यान भटका देती थीं। इस प्रकार देवताओं के विवाह निर्विघ्न रूप से सम्पन्न होने लगे। जब गणेश जी को इस बात का पता चला, तो वह उनपर क्रोधित हो गए। इतने में वहां नारद जी प्रकट हुए और गणेश जी को रिद्धि और सिद्धि से विवाह करने का सुझाव दिया। गणेश जी की स्वीकृति से रिद्धि और सिद्धि के साथ उनका विवाह सम्पन्न हुआ। दोनों पत्नियों से उन्हें शुभ और लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हुए।

होली के रंग में भंग डालेगा चंद्र ग्रहण का साया चार राशियों को रहना होगा बेहद सावधान

वैदिक पंचांग के अनुसार, 14 मार्च को होली है। यह पर्व हर साल फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर लोग एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हैं। रंगों का त्योहार होली दुनिया भर में मनाया जाता है। हालांकि, होली के दिन चंद्र ग्रहण का साया रहने वाला है। चंद्र ग्रहण के दिन धरती पर मायावी ग्रह राहु का प्रभाव बढ़ जाता है। इसके लिए ग्रहण के दौरान शुभ काम करने की मनाही होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो चंद्र ग्रहण से राशि चक्र की सभी राशियों पर शुभ और अशुभ प्रभाव पड़ेगा। अत: होली के दिन कई राशियों को बेहद सावधान रहने की जरूरत है। राहु की कुदृष्टि के चलते शारीरिक एवं मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान हो सकता है।

कब है चंद्र ग्रहण

ज्योतिष गणना अनुसार, 14 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। इसके लिए सूतक भी मान्य नहीं होगा। चंद्र ग्रहण का समय सुबह 09 बजकर 29 मिनट से लेकर दोपहर 03 बजकर 29 मिनट तक है। ग्रहण के दौरान शुभ काम न करें। इसके अलावा, खानपान से भी परहेज करें। वहीं, भगवान विष्णु का ध्यान करें।

सिंह राशि

ज्योतिषियों की मानें तो होली के दिन दोपहर 12 बजे तक चंद्र देव सिंह राशि में विराजमान रहेंगे। सूर्य और चंद्र देव के मध्य मित्रवत संबंध है। वहीं, राहु और चंद्र के मध्य शत्रुवत संबंध है। इसके लिए सिंह राशि के जातकों को ग्रहण के दौरान सावधान रहने की जरूरत है। शुभ काम न करें। नकारात्मक जगहों पर जाने से बचें। अपने गुस्से पर कंट्रोल रखें। बड़ों की सेवा और सम्मान करें।

कन्या राशि

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन चंद्र देव दोपहर 12 बजकर 56 मिनट पर चंद्र देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके लिए होली के दिन कन्या राशि के जातकों को सावधान रहने की आवश्यकता है। कारोबार से जुड़े अहम काम न करें और न ही निवेश करें। वाद-विवाद से बचें। वाणी पर कंट्रोल रखें। भगवान विष्णु के नाम का मंत्र जप करें।

तुला राशि

तुला राशि के जातक होली के दिन आवश्यकता होने पर घर से बाहर निकलें। शुभ काम करने और लंबी यात्रा करने से बचें। घर पर बड़ों की सेवा और सम्मान करें। किसी के प्रति बुरा न सोचें। तामसिक चीजों का सेवन बिल्कुल न करें। शेयर मार्केट में निवेश न करें। ग्रहण के बाद स्नान-ध्यान के बाद भक्ति भाव से भगवान शिव की पूजा करें। इसके बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार अनाज का दान करें।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों को होली के दिन सतर्क रहने की जरूरत है। विवाद से दूर रहें और न ही किसी से वाद करें। वाणी पर कंट्रोल रखें। किसी के प्रति गलत विचार न रखें। तामसिक भोजन का सेवन न करें। यात्रा करने से बचें। तेज गति से ड्राइव न करें। किसी को उधार न दें और न ही कारोबार में निवेश करें। मानसिक तनाव की परेशानी हो सकती है। विचार में मतभेद देखने को मिलेगा।

इस बार नहीं जा पाए महाकुंभ, फिर मिलेगा महाकुंभ में स्नान का मौका, जानिए कहां लगेगा अगला महाकुंभ

इन दिनों प्रयागराज महाकुंभ जारी है और हर दिन उसकी खबरें सुर्खियों में हैं। दुनियाभर से लोग बड़ी संख्या में संगमनगरी प्रयाग पहुंच रहे हैं और त्रिवेणी पर स्नान का लाभ ले रहे हैं। हालांकि बहुत अधिक भीड़ या कुछ अन्य कारणों से कुछ लोग इस बार प्रयागराज के महाकुंभ में नहीं जा पाए हैं। ऐसे लोगों को निराश होने की जरूरत नहीं है। कुंभ नहाने का मौका दो साल में फिर मिलने वाला है। वर्ष 2025 का महाकुंभ 26 फरवरी को संपन्न हो जाएगा और इसके बाद अगला कुंभ वर्ष 2027 में नासिक में होगा। इसके पहले यहां 2015 में महाकुंभ का आयोजन किया गया था। महाकुंभ का आयोजन 12 साल में एक बार प्रयागराज में होता है, जबकि सामान्य कुंभ हर 6 साल में हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में होता है। महाकुंभ में स्नान को धार्मिक रूप से बहुत अहम माना जाता है। माना जाता है कि महाकुंभ में स्नान से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं कब होगा नासिक में महाकुंभ और प्रयागराज नहीं जा पाने वालों को क्या करना चाहिए।

कैसे मिलेगा अमृत स्नान का लाभ

अगर किसी कारण से प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में जाना संभव नहीं हो पाया है तो घर में ही कुछ नियमों का पालन कर अमृत स्नान के पुण्य की प्राप्ति की जा सकती है। घर पर अमृत स्नान का पुण्य कमाने के लिए अपने घर के आसपास बहने वाली किसी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा आप घर में अमृत स्नान के दिन नहाने के पानी में पानी में गंगा जल डाल कर स्नान कर सकते हैं। इसके लिए पहले पात्र में गंगाजल डालें फिर उसमें पानी मिलाकर स्नान करें। मन में रखें सच्चे श्रद्धा भाव को रखकर घर में किए गए गंगा स्नान से भी संगम स्नान का लाभ प्राप्त हो सकता है।

करें इन मंत्रों का जाप

घर में अमृत स्नान करते समय कुछ मंत्रों का जाप करना बहुत शुभ साबित हो सकता है। इसके लिए ''गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति। नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन् सन्निधिं कुरु'' मंत्र का जाप करें। ध्यान रखें घर में अमृत स्नान सूर्योदय से पहले किया जाता है, इसलिए सुबह जल्दी उठें घर में गंगाजल में पानी मिलाकर स्नान कर लें। स्नान करते हुए गंगा मैया का सुमिरन करें और ''हर हर गंगे'' का जप करें।

अगला कुंभ नासिक में

महाकुंभ का संबंध समुद्र मंथन से है। पुराणों में मिलने वाले वर्णन के अनुसार समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश का जल छलकर 12 स्थानों पर गिरा था जिनमें से 4 स्थान धरती पर और 8 स्वर्ग में थे। पृथ्वी पर ये चार स्थान प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक हैं। अमृत कलश से छलकी हुई बूंदें प्रयागराज में गंगा यमुना और सरस्वती नदियों के संगम, उज्जैन में शिप्रा नदी, हरिद्वार के गंगा नदी और नासिक के गोदावरी नदीं में गिरी थीं। यही कारण है कि हर 12 साल में इन नदियों के किनारे कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। ज्योतिष गणनाओं के आधार पर कुंभ का आयोजन स्थान तय किया जाता है। ग्रहों की गणना के आधार पर अगला कुंभ नासिक में होगा।

नागा साधु अपने पास क्यों रखते हैं अस्त्र-शस्त्र, क्यों नहीं पहनते कपड़े, जानिए इसके पीछे का रहस्य

महाकुंभ का महापर्व अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। कुछ ही दिनों में संगम तट पर सजा यह भव्य मेला समाप्त हो जाएगा, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति की लौ अब भी जल रही है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए हम महाकुंभ 2025 से जुड़ी हर जरूरी जानकारी आप तक पहुंचा रहे हैं। आपने अक्सर नागा साधुओं को त्रिशूल, तलवार और भाला लिए देखा होगा। यह देखकर आपके मन में भी यह सवाल उठता होगा कि संन्यास का रास्ता अपनाने के बावजूद वे हथियारों को अपने पास क्यों रखते हैं, जबकि आमतौर पर साधुओं का इससे कोई संबंध नहीं माना जाता। तो आइए हम बताते हैं कि नागा साधु ऐसा क्यों करते हैं।

दरअसल, नागा साधुओं के हथियार रखने के पीछे गहरी धार्मिक और ऐतिहासिक मान्यता है। वे भगवान शिव के भक्त होते हैं, और धर्म की रक्षा के उद्देश्य से आदि शंकराचार्य ने नागा साधुओं और अखाड़ों की स्थापना की थी। इसलिए, नागा साधु अपने अस्त्र-शस्त्र को धर्म की रक्षा और आत्मरक्षा का प्रतीक मानते हैं। उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि धर्म और सत्य की रक्षा करना होता है।

क्या है अस्त्र-शस्त्र का महत्व

नागा साधुओं के पास मौजूद अस्त्र, जैसे- त्रिशूल, तलवार और भाला का गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। विशेष रूप से त्रिशूल भगवान शिव का प्रिय अस्त्र माना जाता है, जो शक्ति, सृष्टि और विनाश का प्रतीक है। यह भगवान शिव की दिव्य शक्ति और उनके आध्यात्मिक प्रभाव के बारे में बताता है। तलवार और भाला वीरता और साहस का प्रतीक माने जाते हैं। ये अस्त्र उन नागा साधुओं के शौर्य और बलिदान का प्रतीक हैं, जो धर्म और समाज की रक्षा के लिए आगे रहते हैं। नागा साधु इन्हें केवल आत्मरक्षा के उद्देश्य से धारण करते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर वे अपनी और धर्म की रक्षा कर सकें।

नागा साधु क्यों नहीं पहनते कपड़े?

नागा साधु बनने की प्रक्रिया बहुत कठिन होती है, जिसमें व्यक्ति को कई वर्षों तक कठोर परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। नागा साधु बनने से पहले, साधकों को 17 पिंडदान करने होते हैं, आठ पिछले जन्मों के, आठ इस जन्म के और एक खुद का पिंडदान। आमतौर पर पिंडदान मृत्यु के बाद किया जाता है, लेकिन नागा साधु इसे जीवित रहते ही पूरा करते हैं।

वहीं, वस्त्र धारण न करने के पीछे उनकी गहरी आध्यात्मिक मान्यता है। उनका विश्वास है कि हर प्राणी जिस स्वरूप में जन्म लेता है, उसे उसी स्वरूप में ही इस संसार से विदा होना चाहिए। वे सांसारिक मोह-माया से मुक्त रहने को ही वास्तविक साधना मानते हैं। ऐसी मान्यता है कि नागा साधु सनातन धर्म के रक्षक हैं और आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

नागा साधु क्यों करते हैं 17 श्रृंगार

नई दुल्हन जहां सौभाग्य और समृद्धि के लिए सोलह श्रृंगार करती है, वहीं नागा साधु अपने नश्वर शरीर को शिव की शक्ति से जोड़ने के लिए सत्रह श्रृंगार करते हैं। साधुओं का मानना है कि आम व्यक्ति मृत्यु के बाद शव में बदल जाता है, जबकि वे खुद को जीते-जी शव स्वरूप मानते हैं। इसलिए, सत्रह श्रृंगार के माध्यम से वे अपने शरीर रूपी शव को शिव की शक्ति से जोड़ते हैं।

17 श्रृंगार में क्या होता है शामिल

नागा साधुओं के सत्रह श्रृंगार में भभूत का लेप, चंदन का तिलक, पंचमुखी से लेकर एकमुखी रुद्राक्ष की माला, काजल, फूलों की माला, पैरों में धातु के कड़े, हाथ में चिमटा और डमरू, विभिन्न अस्त्र-शस्त्र, कमंडल और सिर पर जटाओं का सौंदर्य शामिल होता है। इसके अलावा, हर उंगली में ग्रहों और धातुओं से जुड़े नग-नगिने, पंचकेश, कड़ा, रोली और अलग-अलग तरह के लेप एवं कुण्डल धारण कर वे स्वयं को साक्षात पृथ्वी पर शिव के रूप में स्थापित करते हैं।

साधु-संत के बीच कितना ज्यादा है अंतर?

प्रयागराज में होने वाला महाकुंभ इस समय पूरी दुनिया में छाया हुआ है, इसकी विशालता हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। यह अब तक होने वाले सबसे बड़े आयोजनों में से एक माना जा रहा है, जिसे देखने के लिए, आम श्रद्धालुओं के साथ साधु-संतों का भारी सैलाब त्रिवेणी तट पर पहुंचा हुआ है। आज हम अपने इस आर्टिकल में साधु-संत एक दूसरे से कितने अलग हैं? इसके बारे में जानेंगे।

आमतौर पर लोग साधु-संत को एक ही मानते हैं, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। क्योंकि इन दोनों के जीवन जीने के तरीकों और समाज को देखने के नजरिए में जमीन आसमान का फर्क होता है।

साधु कौन होते हैं?

दरअसल, साधु वे होते हैं जो जीवन के भौतिक सुखों से दूर रहकर अपना जीवन यापन करते हैं और अपने मन आत्मा और शरीर को शुद्ध करने के लिए साधना व योग में लीन रहते हैं। हालांकि साधु कभी भी समाज से दूर नहीं होते, लेकिन उनका ध्यान पूरी तरह से अपनी साधना पर ही रहता है।

वहीं, इनका जीवन सादगी और तपस्या से भरा होता है। इसके साथ ही वे अपने भीतर के विकारों जैसे काम, क्रोध, मोह, और लोभ से मुक्ति पाने की कोशिश करते हैं।

संत का मुख्य उद्देश्य

हालांकि संत अपने जीवन में आत्मज्ञान प्राप्त करते हैं और फिर समाज को सही मार्ग दिखाने के लिए काम करते हैं। संत का मुख्य उद्देश्य सत्य का पालन करना होता है।

संत अपने विचारों और कार्यों के जरिए लोगों को अच्छे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके साथ ही संत का जीवन ज्ञान से भरा होता है, वे अपनी बातें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए ही कहते हैं।

संपादकीय

विज्ञान शून्यता के खोटे सिक्के

यहां असलियत के सिक्के खोटे निकले, हमने सिर्फ अपनी हैसियत में उछाले थे। प्रदेश के 66 सीनियर सेकेंडरी स्कूल विज्ञान की प्रयोगशाला में शून्य निकले, क्योंकि हमें साइंस का तमगा दिखाना था। आश्चर्य यह कि हिमाचल में तमगों के लिए विकास और तमगों के इतिहास में बजट का सत्यानाश होता है। ये 66 विज्ञान केंद्र यूं ही बंद नहीं हुए, बल्कि इन्हें हमारी आवश्यकता, हमारे ज्ञान, हमारे सरोकार और हमारे अहंकार ने नकारा है। यही विज्ञान केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में हार रहा है और आइंदा और हारेगा। शिक्षा के यही पहलू बदतमीज व सियासत के खुदगर्ज हैं, जो फुटबाल की तरह इंस्टीच्यूट-इंस्टीच्यूट खेलते हैं। अब तो मेडिकल कालेज हारने लगे और संदेह है तो पूछिए क्यों मेडिकल यूनिवर्सिटी के पंख आहत हैं? क्यों तकनीकी विश्वविद्यालय की आफत में तमाम इंजीनियरिंग कालेज बर्बाद हो चुके हैं, क्यों बीएड कालेज शिक्षा को बेसहारा कर चुके हैं। ये तख्तियां एक दिन ताबूत बनेंगी, कब तक तमन्ना को नकली पोशाक में जिंदा रखोगे। बेशर्मी के मुकाबले में अगले दस साल बाद हो सके तो पूछना कि केंद्रीय विश्वविद्यालय को धर्मशाला से बेदखल करने वालों ने शिक्षा के मकबरे क्यों चिने थे। हम 66 स्कूलों में विज्ञान के मकबरे और योजना के ताबूत ही नहीं देखते, बल्कि वहां ज्ञान और अध्ययन की समाधियां भी चुन सकते हैं। हैरानी यह कि इन्हीं स्कूलों में विज्ञान अध्ययन के कक्ष में 201 लेक्चरर आराम फरमाते पकड़े गए। तारीफ किसकी करें और विभाग की अमानत में किसे चुनें। जैसे-जैसे स्कूल बंद हो रहे हैं, इनके कारणों के बजाय आज भी समाज इन्हें बचाने का तर्क खोज रहा है। सियासत के खंभों से मुनादी यह कि निरर्थक स्कूल भी परिवेश की अमानत हैं। यह युद्ध आसान नहीं और सबसे मुश्किल होता है अपने ही आचरण को अनुशासित रखना। अगर 66 विज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल निकम्मे साबित हो सकते हैं, तो इसका यह अर्थ नहीं कि पढ़ाई का कोई कसूर था। यहां हमारे संकल्प और मॉडल की हार हुई है। यहां अभिभावकों की ख्वाहिश और रोजगार के बाजार की फरमाइश भी हारी है। स्कूलों में एक विषय रोजगार की जानकारी, परिवेश की समझ, ग्रामीण आर्थिकी की संभावना और नई संभावनाओं के स्वरोजगार पर केंद्रित होना चाहिए। हमारे स्कूल इतने पारंगत नहीं कि भाषा ज्ञान को व्यावहारिक जीवन के मूल्यों से जोड़ दें। रिटेल मार्केटिंग में रोजगार की संभावनाओं पर ही बच्चों को जमा दो तक निपुण बनाने का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए तो स्कूलिंग से ही दिशा तय होगी। हमारे बच्चों को पिछले कुछ दशकों से विज्ञान की कक्षा में बैठाया तो जा रहा है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिया तैयार नहीं हुआ। आगे चलकर कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों में भी वैज्ञानिक नजरिए के बजाय विभागीय नौकरी का चस्का तैयार किया गया। यही वजह है कि हिमाचल स्टार्ट अप और नवाचार के युग में एक मूक दर्शक राज्य है। आज भी हमारी समस्याओं या खुशहाली का पैगाम वैज्ञानिक जीवटता के बजाय सरकारी नौकरी से जुड़ता है। अभी हाल ही में बिलासपुर के हरिमन शर्मा को बागबानी क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया, लेकिन यह उनकी निजी सफलता है। न कोई स्कूल, न कोई कालेज और न ही पालमपुर-सोलन विश्वविद्यालय में यह योग्यता रही या आइंदा होगी कि किसी हरिमन शर्मा को पैदा कर दें। दूसरी ओर भारत की सरकारी सेवाओं में नौकरी के अनेक अवसरों का साइंस से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं, इसलिए हमें अव्वल दर्जे के ऐसे सीनियर सेकेंडरी स्कूल चाहिएं जो इतिहास, भूगोल, इक्नोमिक्स, समाजशास्त्र, फाइन आर्ट्स, थियेटर व इससे मिलते जुलते आर्ट्स के विषय पढ़ा सकें। बच्चे अब डाक्टरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई से ऊब चुके हैं, तो उन्हें स्कूली शिक्षा की अनौपचारिक पृष्ठभूमि में खिलने का मौका मिलना चाहिए यानी बच्चों को लाजिमी तौर पर गीत-संगीत, रंगमंच व खेलों में कुछ समय गुजारने की सुविधा प्रदान हो।

प्रदेश के 66 सीनियर सेकेंडरी स्कूल विज्ञान की प्रयोगशाला में शून्य निकले, क्योंकि हमें साइंस का तमगा दिखाना था। आश्चर्य यह कि हिमाचल में तमगों के लिए विकास और तमगों के इतिहास में बजट का सत्यानाश होता है। ये 66 विज्ञान केंद्र यूं ही बंद नहीं हुए, बल्कि इन्हें हमारी आवश्यकता, हमारे ज्ञान, हमारे सरोकार और हमारे अहंकार ने नकारा है। यही विज्ञान केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में हार रहा है और आइंदा और हारेगा। शिक्षा के यही पहलू बदतमीज व सियासत के खुदगर्ज हैं, जो फुटबाल की तरह इंस्टीच्यूट-इंस्टीच्यूट खेलते हैं। अब तो मेडिकल कालेज हारने लगे और संदेह है तो पूछिए क्यों मेडिकल यूनिवर्सिटी के पंख आहत हैं? क्यों तकनीकी विश्वविद्यालय की आफत में तमाम इंजीनियरिंग कालेज बर्बाद हो चुके हैं, क्यों बीएड कालेज शिक्षा को बेसहारा कर चुके हैं। ये तख्तियां एक दिन ताबूत बनेंगी, कब तक तमन्ना को नकली पोशाक में जिंदा रखोगे। बेशर्मी के मुकाबले में अगले दस साल बाद हो सके तो पूछना कि केंद्रीय विश्वविद्यालय को धर्मशाला से बेदखल करने वालों ने शिक्षा के मकबरे क्यों चिने थे।

महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित

विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है। समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का ₹विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं₹ कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की ₹महिला वैज्ञानिक योजना₹ महिला शोधकर्ताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20% से भी कम है। यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं।

उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं।

दृष्टि कोण

पेंशनरों की पुकार सुने प्रदेश सरकार

अपनी जिंदगी का एक लंबा वक्फा राज्य द्वारा निर्धारित कार्यों के निर्वहन में गुजारने और पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करते-करते सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी कर्मचारी अपनी व्यस्तताओं के चलते अधूरे रह गए अरमानों, इच्छाओं और सपनों को पूर्ण होते देखना चाहता है। जाहिर है कि बच्चों को पढ़ाना, घर बनाना, उनकी शादियां करने और सामाजिक कार्यों में भागीदारी के बाद कई पेंशनर्स के पास इतना पर्याप्त फंड नहीं रहता है कि खुलकर खर्च कर सके, घूम फिर सके, ऊपर से यदि नियमित पेंशन और बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता आदि न मिले तो मन मसोस कर रह जाना पड़ता है। यही सब कुछ आजकल हिमाचल प्रदेश के पेंशनर्स के साथ हो रहा है। पिछली जयराम सरकार ने सेवारत कर्मचारियों और पेंशनर्स को वेतन आयोग के एरियर्स और वित्तीय लाभों से वंचित रखा तो अब आर्थिक कमी का सामना कर रही सुक्खू सरकार के समक्ष भी पिछले एरियर्स और महंगाई भत्तों की देनदारियां कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए आर्थिक तंगी का कारण बनी हुई हैं जिसके कारण वे अपनी खुशियां शौक पूरे नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच स्टेट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने 7 मार्च 2025 के बाद ब्लॉक स्तर से लेकर राज्य स्तर तक धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन करने और पेंशनर्स के रुके हुए लाभों को जारी करवाने के लिए प्रदेश में संघर्ष करने की चेतावनी जारी की है। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रवींद्र जरयाल का कहना है कि सरकार के पास पेंशनर्स के एरियर्स पेंडिंग पड़े हैं और कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त पेंशनर्स व्यथित हैं। वहीं जिलाध्यक्ष सुरेश ठाकुर कहते हैं कि जब एक टर्म के विधायक को भी पेंशन सहित सारी सुविधाएं दी जा सकती हैं तो वर्षों प्रदेश की सेवा करने वाले पेंशनर्स के देय लाभों पर सरकार क्यों कुंडली मारकर बैठी है? दूसरी तरफ इस बार भी एचआरटीसी के पेंशनरों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ा है। एचआरटीसी ने पेंशन के लिए 21 करोड़ रुपए का इंतजाम किया है। हर महीने उसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देने के लिए इतनी ही राशि की जरूरत रहती है। परिवहन निगम खस्ता वित्तीय हालात से जूझ रहा है। सरकार से यदि उसे हर महीने ग्रांट न मिले तो कर्मचारियों को न तो वेतन ही दिया जा सकता है और न ही पेंशन का इंतजाम हो पाएगा। रिटायर होने वालों के पेंशनरी बेनिफिट भी नहीं मिल पा रहे हैं। इसके साथ नाइट ओवर टाइम का लाखों रुपया रुका हुआ है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री के धर्मशाला प्रवास के दौरान जिला कांगड़ा राज्य पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को सौंपे अपने ज्ञापन में पेंशनर्स की जेसीसी बैठक बुलाने, एजी कार्यालय शिमला में पेंशनर्स के संशोधित मामलों का तुरंत निपटारा करने, पे मैट्रिक्स के 50 फीसदी और 30 फीसदी के हिसाब से वित्तीय लाभ देना, कम्युटेशन अवधि को 15 साल से घटाकर 10 वर्ष करना, डीए की बकाया किस्तों और एरियर्स और मेडिकल बिलों के भुगतान की त्वरित आवश्यकता पर बल देते हुए पेंशनर्स को दरपेश आ रहीं समस्याओं के समाधान की मांग राज्य सरकार से की है। हिमाचल सरकार के वित्त विभाग के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2030-31 में हिमाचल में पेंशनर्स की संख्या 2 लाख 38 हजार 827 हो जाएगी। उस समय राज्य सरकार को उनकी पेंशन पर सालाना 19628 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। यानी एक महीने में 1635 करोड़ रुपए से अधिक की रकम की जरूरत होगी। इसे आज के हिसाब से देखें तो अभी से दोगुना खर्च पेंशन की मद में होगा। नए वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद संशोधित वेतनमान व ओपीएस के कारण अब राज्य सरकार के खजाने पर सैलरी व पेंशन का बिल 59 प्रतिशत बढ़ा है। हिमाचल सरकार के समक्ष कुछ आर्थिक दुश्वारियां भी मुंहबाए खड़ी हुई हैं, जैसे 14वें वित्त आयोग में राजस्व घाटा अनुदान के तहत 40624 करोड़ रुपए मिले थे जबकि 15वें वित्त आयोग में यह रकम कम होकर 37199 करोड़ रह गई। साल दर साल यह आरडीजी रकम घटती जाती है, लिहाजा अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में सिर्फ 3257 करोड़ मिलेंगे। जून 2022 से प्रदेश की जीएसटी प्रतिपूर्ति राशि बंद हो गई है। पहले जीएसटी प्रतिपूर्ति राशि में 3000 करोड़ मिल रहे थे। एनपीए की 1760 करोड़ की मैचिंग ग्रांट भी बंद हो गई है। केंद्र ने राज्य सरकार द्वारा लोन लेने की सीमा 5500 करोड़ रुपए घटा दी है। जुलाई 2023 में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से राज्य के 12 हजार करोड़ तबाह हुए थे। हिमाचल सरकार अपने तीसरे बजट से पहले उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बनी रिसोर्स मोबिलाइजेशन कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार भी कर रही है ताकि आर्थिक हालात को अनुकूल बनाने की जुगत लगाई जा सके।

कुछ अलग

जनगणना की बेला

देश के गदहे क्षुब्ध हैं, कि पशु गणना विभाग ने उनकी गिनती कम कर दी है। इतना ही क्यों, गदहों की मंडी में अब उनका मोल भी कम मिलने लगा है। हम उनकी चिंता से बहुत चिंतित हैं। आजकल तैयारी तो जनसंख्या गिनने की हो रही है। देश की जनगणना के आंकड़ों को एकत्र करके प्रसारित करने की तिथि तो कब की निकल गई। तैयारी क्या करनी है? बड़ी आसानी से यह काम छोटे-बड़े स्कूलों के अध्यापकों के हवाले कर दिया जाएगा। अब बच्चे सरकारी स्कूलों के बाहर अपने बस्ते लहराते हुए यह गाना गाते हुए नजर नहीं आते कि 'अद्धी छुट्टी सारी, मियां मक्खी मारी।' अब जब स्कूलों में छुट्टियां ही छुट्टियां रहें और अध्यापक महोदय कान पर कलम लगा कर छात्रों की कापियां सुधारते नहीं, बल्कि फार्म उठा कर घरों के द्वार पर दस्तक देते नजर आएं, कि 'कितने जीव हैं परिवार के?' तो बच्चों को भला अपने स्कूलों में मक्खियों से मुलाकात करने के लिए आने की जरूरत क्या है? कक्षाओं में झांक कर देखें, वहां आपसे अध्यापकों की खाली कुर्सियों की आत्मा बतियाने लगती है। वे भाग्यवान स्कूल बहुत कम हैं, जहां बड़ी कक्षा का लडक़ा छोटी कक्षाओं का मानीटर और मास्टर दोनों बन जाता है। वैसे भी अब यह काम कठिन होता जा रहा है, क्योंकि जबसे छात्रों की योग्यता की गुणवत्ता रिपोर्ट सामने आई है, कि देश में आठवीं में पढने वाला लडक़ा अच्छी तरह से दूसरी-तीसरी कक्षा के स्तर का गुणा-भाग भी नहीं कर सकता, तब से उसे भला इन कक्षाओं का स्थानापन्न अध्यापक बनाओगे भी तो कैसे? उधर जनगणना ड्यूटी के लिए तैयार होते अध्यापक देखो तो वे बड़े दुख से कहते हैं, 'अजी साब, इस देश की हर नौकरी ऐसी है जिसमें लगे लोगों को भरपूर बालाई आमदन हो जाती है। एक अपना ही पेशा ऐसा हैए, जिसमें शब्द बालाई का प्रयोग आमदन के साथ नहीं, किसी अतिरिक्त काम से जुड़ा हुआ होता है। कभी वोटर लिस्टें बनवाते हैं। कभी वोटें डलवाने वाले अमले का रूप धरवाते हैं। अब तो सुना है, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, गरीबी कार्ड सही है या गलत भी चेक करवाएंगे।' ये रंग-बिरंगे काम करते हैं। बस कक्षाओं में पढ़ाने का काम ही नहीं कर पाते। लगता है हम तो भूलते ही जा रहे हैं, किस पेशे में लगे थे। हमारे लिए हर दिन नए काम की तजवीज हो जाती है। हम हंसते-रोते हर नया काम संभालते हैं और उसे संभालते हुए जो आक्रोश भरी उलटी-सीधी आवाजें हम निकालते हैं, उसे आप व्यर्थ-राग कह देते हैं। लेकिन जाने क्यों जब इनसानों को गिनने वाला विभाग हमारे इलाके में अवतरित हुआ तो उसने गिनती करते हुए हमें क्यों छोड़ दिया। कहीं ऐसा तो नहीं कि कामों, अनुदानों और भेंट पुरस्कारों का बंटवारा गलत लोगों और गलत विभागों में करने की आदत हो गई है। एक पुराना फिल्मी गाना था, 'जाते थे जापान पहुंच गए चीन', समझ गए। लेकिन बड़ी चिंता यही है कि यहां सचमुच गदहों की संख्या घटती और उनका मूल्य कम होता नजर आ रहा है, क्योंकि सरकार इस तरह की गदहागिरी करने वालों को इनकी प्रजाति में शामिल करके अपने खाते को नहीं बिगाडऩा चाहती। सही भी है, नकाबें उतर जाएंगी तो रात की कालिख से भद्रजन कहलाने वालों के चेहरे पहचान में नहीं आएंगे। सरकारी बाबुओं ने तो चाहा कि केन्द्र का फसल खरीद का पैसा और काम में इस्तेमाल कर लिया है, तो अब केन्द्र सरकार उसे कर्ज कह कर माफ कर दे। बड़ी सरकार नहीं मानी तो छोटी सरकार ही कैसे मान लेती कि गदहा बनते लोगों को भी गदहों की गिनती में शामिल करके वास्तविकता सामने रख दी जाए। ऐसा कर देते तो दूध का दूध और पानी का पानी न हो जाता।

देश दुनिया से

अमेरिकी नीतियों से यूरोपीय बेचैनी की तार्किकता

सवाल है कि यूरोपीय लोग हक्के-बक्के क्यों हुए, तो इसके लिए यूरोप के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यवहार के पिछले सौ सालों का इतिहास को बांचना पड़ेगा, जो बताता है कि अमेरिका ने सदा अपने 'निज हित' में काम किया है, जिसे वह अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहे 'अमेरिकी अपवाद-वाद' के रूप में वर्णित करता है। प्रथम विश्व युद्ध 28 जुलाई, 1914 को शुरू हुआ था, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य के युवराज आर्कड्यूक फ्रांज़ फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या से हुई थी, जो एक बोस्नियाई सर्ब व्यक्ति द्वारा की गई थी। हालांकि, यह एक यूरोपीय युद्ध था, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का ट्रिपल एंटेंटे नामक गठजोड़ ऑसट्रिया-हंगरी, जर्मनी और इटली वाले ट्रिपल एलायंस से लड़ा, और पहले वाले गुट ने अमेरिकियों को अपना साथ देने का अनुरोध किया। जैक सोनियन विचारधारा वाले सीनेटरों द्वारा अड़ंगा लगाने से राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के नेतृत्व वाले संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसे यूरोपीय राजशाहियों के बीच युद्ध मानकर पहले इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। लेकिन इसके केवल ढाई साल बाद, 7 अप्रैल, 1917 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, क्योंकि जर्मनों ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में अपने अप्रतिबंधित पनडुब्बी युद्ध का दायरा बढ़ा दिया, जिससे अमेरिकियों को भारी जानी-माली नुकसान हो रहा था। इसमें एक अतिरिक्त उत्प्रेरक रहा, तत्कालीन जर्मन विदेश मंत्री आर्थर ज़िमरमैन द्वारा प्रेषित एक संदेश, जिसे बाद में कुख्यात 'ज़िमरमैन टेलीग्राम' का नाम मिला। इसमें मैक्सिकन सरकार से वादा किया गया कि जर्मनी मैक्सिको को वह क्षेत्र वापस पाने में मदद करेगा, जो वह 1846-1848 के मैक्सिकन-अमेरिकी युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को हार चुका था। इस सहायता के बदले में, जर्मनी ने युद्ध में मैक्सिको का समर्थन मांगा। यह कहना राष्ट्रपति जेम्स मोनरो और उनके विदेश मंत्री जॉन क्विंसी एडम्स द्वारा परिकल्पित उस 'मोनरो सिद्धांत' से सीधा टकराव था, जिसे 2 दिसंबर, 1823 को अमेरिकी संसद को मोनरो के संबोधन के दौरान व्यक्त किया गया था। इसमें कहा गया कि पश्चिमी गोलार्ध का इलाका, खासकर अमेरिकी महाद्वीप की तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव क्षेत्र है और यूरोपियनों को हमारे इस विशेषाधिकार वाले क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इस प्रकार, जब केवल अपने हितों पर खतरा बनता देखा, तभी संयुक्त राज्य अमेरिका यूरोपीय युद्ध में दाखिल हुआ। लीग ऑफ नेशन्स में 28 जून 1919 को राष्ट्रपति विल्सन की पहलकदमी से बनी 'वर्सायलेस की संधि' टूट गई, जब फरवरी 1933 में जापानियों ने किनारा कर लिया और इसके आठ महीने बाद जर्मनी भी पीछे हट गया, तब संयुक्त राज्य अमेरिका एक बार फिर से अलग-थलग पड़ गया, जबकि एडोल्फ हिटलर और उसके नाज़ियों ने 1938 के बाद से यूरोप के इलाके और देशों को हड़पते गए, जिसकी शुरुआत उसी वर्ष मार्च में ऑस्ट्रिया का एंस्क्लस कब्जाने से हुई। यहां तक कि जब 1940 के मई से नवंबर माह के बीच ग्रेट ब्रिटेन अपने सबसे बुरे वक्त में अकेला खड़ा था, तब भी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने 1939 के तटस्थता अधिनियम और 1934 के जॉनसन अधिनियम का हवाला देते हुए उसकी मदद करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी। हालांकि बाद में कुछ नवीन तरीके खोजे गए, जब द्वितीय विश्व युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका को औपचारिक रूप से प्रवेश 7 दिसंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर हुए जापानी हमले के बाद करना पड़ा। जापान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की घोषणा 8 दिसंबर 1941 को ही की गई थी। तीन दिन बाद जब जर्मनी और इटली ने भी 11 दिसंबर 1941 को अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, तब जाकर इसने भी जवाबी ऐलान किया। निष्कर्ष यह है, बहुत संभव है कि जब यूरोप गेस्टापो और शुट्ज़स्टाफेल के गुंडों के अधीन कराह रहा था, तब भी अमेरिका ने तटस्थता बनाए रखी होती अगर जापानियों ने उसपर हमला न किया होता। आगे कुछ दशकों बाद, एक दशक तक चली लड़ाई के बाद, अमेरिका को 30 अप्रैल, 1975 को वियतनाम से वापसी करनी पड़ी, एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च होने और 58,000 से अधिक का जानी नुकसान करवाने के बाद उसने दक्षिण वियतनाम में अपना सैन्य अभियान समाप्त किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बदला हुए घरेलू माहौल इसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ा। वहां इस लड़ाई में अमेरिका का साथ देने वाले दक्षिण वियतनामी लोगों में अधिकांश को उत्तरी वियतनामी 'साथियों' के रहमो-करम पर छोड़कर वे निकल आए। इसी प्रकार, इस झूठे आधार पर कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं, नौ साल वहां युद्ध चलाने के बाद 18 दिसंबर 2011 को अमेरिका उस देश से बाहर निकला। इसके तुरंत बाद इराक और सीरिया के इलाके में इस्लामिक स्टेट या आईएसआईएस का उदय हुआ। इराक का युद्ध, जिसमें दस लाख अमेरिकी फौजी सैन्य अभियान का हिस्सा थे, इससे अमेरिकी खजाने को 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की चपत लगी और कुल 4,61,000 लोग मारे गए। दो दशक बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि उस हस्तक्षेप की असल वजह क्या थी? इसी तरह अगस्त, 2021 में अफ़गानिस्तान से अमेरिका की वापसी हुई और वह देश उसी तालिबान को सौंप दिया, जिसको उसने 2001 में खदेड़ा था। यह दो दशकों तक वहां किए निवेश की बर्बादी थी जिसके जरिये लोकतांत्रिक मूल्यों व मानवाधिकारों की रक्षा का लक्ष्य था। यह पलायन भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़े घरेलू एजेंडे का नवीनतम उदाहरण था। अफ़गान युद्ध में अमेरिका को 2.313 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ और कुल 2,43,000 लोग मारे गए। अब जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के मामले में अपना रुख पूरी तरह बदल लिया है, तो यूरोपियन क्योंकर अपने छद्म आक्रोश में उद्वेलित हों। सदियों तक खुद साम्राज्यवादी रहने और लड़ाई के आदी होने के कारण उन्हें यह अच्छी तरह पता होना चाहिए था कि किसी और के बंदरगाह में जबरदस्ती डाला आपका लंगर सुरक्षित नहीं रह सकता।

आप का नजरिया

कैग 'वारंट' नहीं

दिल्ली अद्र्धराज्य की नई भाजपा सरकार नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रपटों पर बहुत फुनफुना रही है। ऐसा आभास दिया जा रहा है कि इधर कैग रपटों को विधानसभा में पेश किया जाएगा, उधर प्राथमिक विश्लेषण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। जनता और नौसीखिया मीडिया को इतना भ्रमित न करें। कैग की रपट सदन में पेश करना एक संवैधानिक बाध्यता है। यह सिर्फ सरकारी हिसाब-किताब की व्यवस्था है कि सरकार ने खर्च ठीक किए अथवा आनुपातिक तौर पर गलत किए गए। सरकार के आर्थिक फैसलों और कामकाज में क्या अनियमितताएं हैं, कैग उन पर सवाल उठा सकता है, लेकिन कैग का काम घाटा, नुकसान आदि बताना नहीं है और न ही वह घूस, भ्रष्टाचार आदि का उल्लेख कर सकता है। यह अन्य एजेंसियों का संवैधानिक दायित्व है। कैग की रपट कोई अदालती वारंट भी नहीं है कि पिछली सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल में डाला जा सके। यदि ऐसा होता, तो महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात सरीखे राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री समेत केंद्रीय वित्त मंत्री भी जेल में होने चाहिए थे। कैग ने उन पर भी गड़बडियों या ज्यादा, फिजूलखर्ची के सवाल उठाए हैं। दिल्ली की नई-नवेली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शराब घोटाले से जुड़ी कैग की रपट विधानसभा में पेश की है। अभी 13 और रपटें हैं, जिन्हें पेश किया जाना है। उनमें 6 रपटें ऐसी बताई जाती हैं, जो करीब 500 दिनों से धूल फांक रही हैं, क्योंकि उन्हें सदन में पेश नहीं किया गया। केजरीवाल और आतिशी सरकार ने यह महत्वपूर्ण संवैधानिक गलती की है। कैग केंद्र सरकार सहित सभी राज्यों के खर्च का 'ऑडिट' करता है। यह संवैधानिक जनादेश है, लेकिन यह सिर्फ हिसाब-किताब की समीक्षा भर है। हमने कैग की रपटों को संसद के गलियारों और उनके बाहर रद्दी की तरह पड़े देखा है। संसद में इन रपटों पर बहस देखना-सुनना तो वाकई दुर्लभ रहा है। जरा याद करें, कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान की कैग रपटें और तत्कालीन प्रमुख विनोद रॉय के सनसनीखेज खुलासे! वह जब भी कुछ खुलासे करते, तो 1.78 लाख करोड़ रुपए तक के 2जी स्पेक्ट्रम, कोयला खदान आवंटन, राष्ट्रमंडल खेल, पनडुब्बी खरीद सरीखे घोटालों की बौछार होती थी। अखबारों में 8 कॉलम की बैनर खबरें छपती थीं। वामदलों और भाजपा ने संसद के भीतर और बाहर कोहराम मचा रखा था। बेशक तत्कालीन संचार मंत्री ए. राजा और द्रमुक मुख्यमंत्री करुणानिधि की सांसद-बेटी कनिमोझी आदि कुछ नेताओं की गिरफ्तारियां जरूर हुईं, लेकिन कुछ समय बाद अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया। अंततः वे कैग रपटें 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया, वो भी मरी हुई' साबित हुईं। तत्कालीन कैग प्रमुख विनोद रॉय ने जो गंभीर गलतियां की थीं, उन्हें एक बार फिर दोहराया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की शराब नीति और कथित घोटाले का मुद्दा अदालत के विचाराधीन है। सर्वोच्च अदालत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह आदि को पूर्ण जमानत पर रिहा किया हुआ है। केजरीवाल, सिसोदिया आदि के लिए चोर, लुटेरे, बर्बाद, घोटालेबाज आदि शब्दों का प्रयोग अनैतिक है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या–क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्रे में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव–रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनस–ाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन–पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जी–वनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 28 फरवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 03:18 तक
नक्षत्र : शतभिषा दोपहर 01:13 तक
योग : सिद्ध रात्रि 08:07 तक
करण : किंस्तुघ्न सायं 04:49 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पंचक चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच झड़प,लात-घूंसे चले

जयपुर,27 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर स्थित भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को उस समय हंगामे की स्थिति पैदा हो गई जब अल्पसंख्यक मोर्चा की एक बैठक के दौरान दो कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस मारपीट में बदल गई। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार, बैठक का आयोजन पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा किया गया था, जिसमें विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ता शामिल हुए थे। बैठक की शुरुआत सामान्य तरीके से हुई, लेकिन जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ी, माहौल गरमा गया। सूत्रों के अनुसार, विवाद की जड़ स्वागत समारोह को लेकर हुई असहमति थी। एक कार्यकर्ता ने दूसरे कार्यकर्ता पर कार्यक्रम की तैयारियों में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया, जिससे दोनों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई और फिर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। जब कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ने लगी और लात-घूंसे चलने लगे, तो बैठक में मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव करने की कोशिश की।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी हस्तक्षेप किया और दोनों कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे इतने आक्रोश में थे कि किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। कुछ ही देर में पूरे मुख्यालय में अफरा-तफरी मच गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।इस अप्रिय घटना के दौरान अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने तुरंत पहल की और दोनों पक्षों को अलग करने का प्रयास किया। मुख्यालय में मौजूद सुरक्षा कर्मियों को भी हस्तक्षेप करना पड़ा ताकि स्थिति को काबू में लाया जा सके।

घटना के बाद बैठक को बीच में ही रोकना पड़ा और प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को शांति बनाए रखने की अपील की। इस विवाद के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसे अस्वीकार्य बताया और अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई करने के संकेत दिए। सूत्रों के अनुसार, पार्टी इस पूरे मामले की आंतरिक जांच करा सकती है और दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि पार्टी के भीतर अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है, और इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच इस तरह का विवाद हुआ। भाजपा एक अनुशासित पार्टी है और हम इस तरह की घटनाओं को कतई स्वीकार नहीं करेंगे। पार्टी जल्द ही इस घटना की समीक्षा करेगी और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद भाजपा मुख्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। कार्यकर्ताओं के बीच झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पार्टी की छवि पर असर पड़ सकता है। इसे देखते हुए अब मुख्यालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर विचार किया जा रहा है।

इस घटना ने राजस्थान की राजनीति में हलचल मचा दी है। विपक्षी दलों ने इसे भाजपा के अंदरूनी कलह का संकेत बताया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जब खुद भाजपा कार्यकर्ता ही अपने नेताओं की उपस्थिति में अन-शासनहीनता कर रहे हैं, तो यह पार्टी के अंदर बढ़ते असंतोष को दर्शाता है।

जयपुर स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई यह घटना पार्टी के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह मामला न केवल भाजपा की छवि को प्रभावित कर सकता है, बल्कि इससे कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ते असंतोष की भी झलक मिलती है। अब यह देखना होगा कि भाजपा नेतृत्व इस मामले को कैसे संभालता है और क्या अनुशासनात्मक कदम उठाए जाते हैं।

सुधांश पंत ने राइजिंग राजस्थान में हुए एमओयू के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

जयपुर,27 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्-वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के कार्यान्वयन की गुरूवार को समीक्षा बैठक ली। गत 13 फरवरी को हुई समीक्षा बैठक के बाद एमओयू के कार्यान्वयन में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए श्री पंत ने अधिकारियों को उपलब्ध सरकारी भूमि का लैंड बैंक बनाने और इसे निवेशकों को आसानी से उपलब्ध कराने हेतु ऑनलाइन करने के निर्देश दिए।

रीको द्वारा भूमि बैंक विकसित करने और निवेशकों को तेजी से भूमि आवंटित करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए पंत ने राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास और स्थानीय स्वशासन जैसे अन्य भूमि आवंटन संबंधित विभागों को भी अलग-अलग ऑनलाइन भूमि बैंक बनाने की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने एमओयू की अधिक संख्या वाले जिलों में लैंड बैंक बनाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। रीको के डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पोर्टल के लॉन्च से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों को शेष निवेशकों के लिए भूमि आवंटन से संबंधित टास्क क्रिएट करने के निर्देश दिए।

भाजपा जयपुर देहात केंद्रीय व राजस्थान बजट को लेकर करेगी प्रबुद्धजन सम्मेलन

जयपुर,27 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के जयपुर देहात दक्षिण जिले के द्वारा कल दिनांक 28 फरवरी को भाजपा प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय एवं राजस्थान बजट पर प्रबुद्धजन, व्यापारियां एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकों के साथ व्यापक चर्चा हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।जिला कार्यक्रम संयोजक हृदय सुमन पारीक ने बताया कि केंद्रीय व राजस्थान राज्य बजट पर आयोजित होने वाली कार्यशाला में जिले के प्रबुद्धजन, व्यापरी, उद्योग जगत के वरिष्ठ जन, जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, जयपुर देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात् प्रेसवार्ता का आयोजन भी किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय ने जारी की एडवाइजरी

इंडिया पोस्ट के नाम पर फर्जी एसएमएस और लिंक भेज कर साइबर अपराधी कर रहे हैं ठगी

जयपुर,27 फरवरी (एजेंसियां)। इंडिया पोस्ट (भारतीय डाक) के नाम से फर्जी एसएमएस और लिंक भेज कर साइबर अपराधी ठगी कर रहे हैं। इस बारे में पुलिस मुख्यालय से डीजीपी साइबर क्राइम श्री हेमंत प्रियदर्शी द्वारा एडवाइजरी जारी की है, जिससे आप इन साइबर अपराधों से बच सकते हैं। डीजी प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधी आपको इंडिया पोस्ट के नाम से एक एसएमएस भेजेंगे। इस एसएमएस में, वे कहेंगे कि आपका पार्सल डिलीवर नहीं हो पाया है क्योंकि आपका पता गलत है। वे आपको फर्जी मोबाइल नंबर एवं ईमेल द्वारा एक लिंक देंगे और कहेंगे कि अपने पते को अपडेट करने के लिए इस पर क्लिक करें। जैसे ही आप लिंक पर क्लिक करते हैं, तो आप एक फर्जी वेबसाइट पर पहुंच जाएंगे जो इंडिया पोस्ट की वेबसाइट की तरह दिखती है। इस वेबसाइट पर, वे आपसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे कि आपका नाम, पता, फोन नंबर और बैंक विवरण मांगेंगे। यह आपसे साइबर भुगतान के लिए कहेंगे या फिर आपकी दी गई व्यक्तिगत जानकारी से बैंक खाते में सेंध लगा धोखाधड़ी कर सकते हैं। प्रियदर्शी ने बताया कि भारतीय पोस्ट द्वारा डाक या पार्सल की सूचना के लिये आप भारतीय डाक सेवा के अधिकृत नम्बर 18002666868 पर संपर्क कर सकते हैं। ।

थाना हिरणमगरी ने जेबतराश गिरोह का किया पर्दाफाश

उदयपुर,27 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर जिले की स्पेशल टीम एवं थाना हिरण मगरी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए परशुराम सर्किल के पास एक टेंपो की आड़ में जेबतराशी से चुराए गए रूपयों का बंटवारा करते हुए संगठित जेबतराश गिरोह की तीन महिलाओं सहित पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इनके पास से पुलिस ने जेब काटने में प्रयुक्त धारदार ब्लेंडे व चुराए गए 2.80 लाख रुपए जप्त किए हैं। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि संगठित गिरोह बनाकर अपराध करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए समस्त थाना अधिकारियों सहित जिला स्पेशल टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये थे। इसी क्रम में बुधवार को मुखबीर से सूचना मिली कि परशुराम चौराहे के पास एक सुनसान जगह पर 2 पुरूष एवं 3 महिलाएं टेम्पों की आड़ में कोई बडा अपराध करने की योजना बना रहे है।

बंडारू दत्तात्रेय ने वर्चुअली श्री विश्वनाथ शतकम् नामक पुस्तक का विमोचन किया

चंडीगढ, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरवार को राजभवन से डॉ. हरिनी द्वारा लिखित श्री विश्वनाथ शतकम् नामक पुस्तक का वर्चुअली विमोचन किया। भव्य वर्चुअल पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के थाटावर्ती गुरुकुलम द्वारा किया गया था।

डॉ. हरिनी दुदयाला की एक उल्लेखनीय साहित्यिक कृति श्री विश्वनाथ शतकम्, श्री काशी विश्वनाथ को एक काव्यात्मक श्रद्धांजलि है और इसमें आतावेलादि छंदसु में लिखे गए 114 छंद शामिल हैं।

यह उत्कृष्ट साहित्यिक रचना देवता के प्रति भक्ति और श्रद्धा के दिव्य सार को दर्शाती है और शास्त्रीय कविता की समृद्धि का प्रमाण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने पारंपरिक साहित्यिक रूपों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए डॉ. हरिनी दुदयाला के समर्पण की सराहना की। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को समृद्ध करने में ऐसे योगदानों के महत्व पर जोर दिया।वर्चुअल लॉन्च में साहित्य प्रेमियों, विद्वानों और सांस्कृतिक पारखी लोगों की व्यापक भागीदारी देखी गई। चर्चाओं और पाठों ने श्री विश्वनाथ सतकम की गहराई और काव्यात्मक सुंदरता को उजागर किया, जिससे यह साहित्यिक उत्सव की एक यादगार शाम बन गई।थाटावर्ती गुरुकुलम, ऑस्ट्रेलिया ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और भारत की कालातीत परंपराओं को बनाए रखने वाले कार्यों का समर्थन करके साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई

पूर्व विधायक समेत पांच नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए किया निष्कासित

चंडीगढ़,,27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण पूर्व विधायक रामबीर सिंह समेत पांच नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के चलते छह साल के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी किया है।

कांग्रेस की ओर से जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, नगर निगम चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुछ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिली थीं। इन रिपोर्टों की समीक्षा के बाद, पार्टी ने यह फैसला लिया। निष्कासित नेताओं में पटौदी से पूर्व विधायक रामबीर सिंह, फरीदाबाद से विजय कौशिक, फरीदाबाद के वार्ड 36 से राहुल चौधरी, फरीदाबाद के वार्ड 39 से पूजा रानी और रानी के पति रूपेश मलिक शामिल हैं। हरियाणा कांग्रेस की ओर से गई यह दूसरी ऐसी कार्रवाई है। इससे पहले पार्टी ने 20 फरवरी को अगले महीने होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में अपने सात नेताओं क्रमशः तरलोचन सिंह, अशोक खुराना, प्रदीप चौधरी, मधु चौधरी, राम निवास रारा, हरविंदर और राम किशन सेन को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

मार्च के बाद पहले फेज में एक लाख परिवारों को 100–100 गज के प्लॉट देंगे : नायब सिंह

सीवन/कलायत,27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को सीवन नगर पालिका के भाजपा प्रत्याशी शैली मुंजाल और कलायत नगर पालिका से भाजपा उम्मीदवार मैनपाल राणा के समर्थन दोनों जगह जनसभाएं की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दोनों जगह की जनता को विश्वास दिलवाया कि सीवन और कलायत में कमल खिलाकर भेज दें, विकास की गारंटी मैं लेता हूं। सीवन और कलायत को और ज्यादा चमकाने में कसर नहीं रहने दी जाएगी। ये मेरी ही नहीं प्रधानमंत्री की भी गारंटी है कि किसी भी क्षेत्र में विकास की कमी नहीं रहने देंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को ट्वीट के अलावा कुछ नहीं आता, अब तो उनके ट्वीट में भी भ्रष्टाचार की बदबू आने लगी है। कांग्रेस के नेता जनता को बरगला रहे हैं कि भाजपा ने कुछ काम नहीं किया। लेकिन उन्हें धरातल की कोई जानकारी नहीं। भाजपा ने सरकार बनने के 100 दिनों के अंदर 18 महत्वपूर्ण वादे पूरे किए हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान संकल्प पत्र में वादा किया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्लॉट देंगे और हमने 14 शहरों के 15 हजार 340 परिवारों को शहरी आवास योजना के तहत 30–30 गजे से प्लॉट दे भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि गांवों के रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मकान बनाकर देंगे। इस प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाते हुए भाजपा 12 मार्च के बाद पहले फेज में 1 लाख परिवारों को 100–100 गज के प्लॉट देगी। सैनी ने जनता से भाजपा को जिताने की अपील की। जनसभाओं में सांसद नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, जिलाध्यक्ष मनीष कठवाड़, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, डीएससी समाज के नेता स्वदेश कबीर, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, कैलाश भगत, नगर परिषद चेयरमैन सुरभि गर्ग,चुनाव प्रभारी डॉ. पवन सैनी, ओमप्रकाश पहल, जसवंत पठानियां, अजय प्रताप राणा आदि मौजूद रहे।

जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची एएसआई की टीम

पुताई और सजावट मामले में हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

संभल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर एएसआई की तीन सदस्यीय टीम ने जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई और मरम्मत की जांच की। कोर्ट ने निर्देश दिया कि निरीक्षण रिपोर्ट शुक्रवार सुबह 10 बजे पेश की जाए। एएसआई और मस्जिद कमेटी के बीच विवाद पर अदालत 28 फरवरी को फिर सुनवाई करेगी। उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम संभल जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए पहुंची। जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट व अन्य पदाधिकारी भी साथ रहे। एहतियाती तौर पर मस्जिद के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एएसआई की टीम ने करीब सवा घंटे तक मस्जिद की स्थिति का जायजा लिया।

इस रिपोर्ट के आधार पर ही जामा मस्जिद की पुताई और सजावट के लिए अनुमति का निर्णय तय हो सकेगा। संभल जामा मस्जिद कमेटी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। जिसमें रमजान से पहले सफाई, पुताई और सजावट किए जाने का आग्रह किया गया था। बृहस्पतिवार की सुबह उच्च न्यायालय में इस याचिका पर सुनवाई की गई। इसी सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने एएसआई की तीन सदस्यीय टीम को मस्जिद की वास्तविकता का आकलन कर शुक्रवार की सुबह 10 बजे तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मस्जिद की स्थिति का आकलन करने के लिए एएसआई की टीम पहुंची। शाम 4.35 बजे एएसआई की टीम ने जामा मस्जिद में प्रवेश किया।

एएसआई की टीम में ज्वाइंट डायरेक्टर मदन सिंह चौहान, डायरेक्टर जुल्फिकार अली, मेरठ सर्किल के सुपरिटेंडेंटआर्कियोलॉजिस्ट विनोद सिंह रावत शामिल रहे। इस तीन सदस्यीय टीम ने 5.47 बजे तक मस्जिद की स्थिति का आकलन किया। एएसआई की टीम ने मस्जिद के हर हिस्से की बारीकी से जांच की। अब इसकी रिपोर्ट उच्च न्यायालय में पेश की जाएगी। उसके आधार पर निर्णय होगा कि अनुमति दी जानी है या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि संभल जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई और मरम्मत की जरूरत है या नहीं, इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) के तीन अधिकारी मुतवल्ली के साथ निरीक्षण करें। साथ ही इसकी रिपोर्ट शुक्रवार को न्यायालय में 10 बजे प्रस्तुत की जाए। इसके बाद ही न्यायालय रमजान शुरू होने से पहले मस्जिद की रंगाई-पुताई का निर्देश देने पर विचार करेगा। न्यायालय ने यह भी कहा कि रमजान से पूर्व जो भी गतिविधि की जाए, एएसआई उसकी वीडियोग्राफी कराए। न्यायालय ने 28 फरवरी को फिर से मामले की सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने जामा मस्जिद संभल की प्रबंधन कमेटी की ओर से सिविल पुनरीक्षण में दाखिल त्वरित सुनवाई की अर्जी पर उक्त आदेश दिया।

मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता एसएफ नकवी ने दलील दी कि कई दशकों से मस्जिद की रंगाई-पुताई का काम कमेटी करती चली आ रही है। कभी एएसआई ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया। रमजान का महीना एक मार्च से शुरू हो रहा है, इसलिए रंगाई पुताई किया जाना है। इस दौरान संरक्षित स्थल को न कोई नुकसान पहुंचाया जाएगा और न ही किसी भी तरह का परिवर्तन किया जाएगा। वहीं, एएसआई के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने दलील दी कि संरक्षित इमारत की मरम्मत, रंगाई-पुताई की जिम्मेदारी एएसआई की है। इसके बावजूद मस्जिद कमेटी के लोग एएसआई के अधिकारियों को परिसर में घुसने नहीं देते हैं। मस्जिद में रंगाई-पुताई की आवश्यकता है या नहीं, अदालत के आदेश पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं।

अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने रंगाई-पुताई की अर्जी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि रंगाई-पुताई की आड़ में मस्जिद कमेटी हिंदू मंदिर की कलाकृतियों, चिह्नों और प्रतीकों को नष्ट कर देगी। मस्जिद एएसआई संरक्षित है, इसलिए मस्जिद कमेटी को रंगाई-पुताई की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने पक्षकारों को सुनने के बाद कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि मस्जिद एएसआई संरक्षित है। मरम्मत व रंगाई-पुताई का फैसला भी एएसआई के विवेकाधिकार पर है। न्यायालय के निर्देश पर एएसआई ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की। इसमें मदन सिंह चौहान संयुक्त निदेशक, जुल्फिकार अली निदेशक स्मारक, अधीक्षण पुरातत्वविद विनोद सिंह रावत शामिल हैं, जो मस्जिद के मुतवल्ली के साथ जांच कर शुक्रवार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

सीएम योगी ने नाविकों का किया सम्मान

रजिस्ट्रेशन करके मिलेगा नाव का पैसा और बीमा कवर

महाकुंभ नगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में नाविकों के योगदान को लेकर उनके साथ संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नाविकों के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी की। सीएम योगी ने कहा कि नाव चालकों को सरकार विशेष सुविधाएं देगी, जिसके तहत पहले नाविकों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके बाद नाव के लिए पैसा और 5 लाख रुपए तक बीमा कवर की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। त्रिवेणी संकुल में नाविकों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के भव्य, दिव्य व सफल आयोजन में नाविकों के योगदान की सराहना की और सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने नाविकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान भारत माता की जय, गंगा मैया की जय और हर गंगा के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से निषादराज ने त्रेता युग में भगवान श्रीराम को गंगा पार कराई थी, उसी परंपरा को आज भी हमारे नाविक निभा रहे हैं। करोड़ों लोगों ने संगम में पहली बार स्नान किया। जिसमें नाव चालकों की विशेष भूमिका रही है। इसीलिए आज हम सभी आपके स्वागत के लिए यहां उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि श्रृंगवेरपुर में भगवान श्रीराम और निषादराज की इतनी बड़ी प्रतिमा यहां स्थापित की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाविकों और निषाद समाज के कल्याण के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में मत्स्य पालन से जुड़े हुए सभी लोगों के कल्याण के लिए डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री कोष से एक योजना के तहत नाव उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए हर नाविक का पंजीकरण होगा और उसे सुरक्षा बीमा भी मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि किसान आपदा योजना के तहत मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की तरह ही आपदा पर 5 लाख की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे ही नौका संचालन से जुड़े लोगों को भी यह सुविधा मिले, इसके लिए उनका रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। नाव के लिए पैसे उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, जिनका स्वास्थ्य बीमा कवर नहीं है, उन्हें आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर 5 लाख का बीमा कवर भी करवाएंगे। नाव संचालन से जुड़े लोगों को विशेष सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। जिसमें नाविकों ने अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, इन 45 दिनों में प्रत्येक नाविक ने अपनी मेहनत से लाखों रुपए कमाए होंगे। इतना बड़ा व्यवसाय पहले कभी देखने को नहीं मिला। यह सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि पूर्वजों की परंपरा का पालन भी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिंचाई विभाग की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर संगम में इतना जल स्तर वर्षों बाद देखा गया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके बाद नाविक संघ के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग की वजह से नाविकों को बहुत बड़ा रोजगार का अवसर मिला है। इसके बाद उन्होंने मांगों को लेकर एक पत्र भी मुख्यमंत्री को सौंपा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाविकों के बाद यूपी रोडवेज के चालकों से भी संवाद किया और महाकुंभ के दौरान उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने महाकुंभ में रोडवेज की बसों के संचालन से जुड़े चालकों के लिए 10 हजार रुपए अतिरिक्त बोनस का ऐलान किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की बसों के माध्यम से महाकुंभ में 3.75 करोड़ यात्री को उनके गंतव्यों तक पहुंचाया गया।

सीएम योगी ने महाकुंभ को वैश्विक इवेंट बनाने के लिए मीडिया को सराहा

महाकुंभ नगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर गुरुवार को डिजिटल मीडिया सेंटर में मीडियाकर्मियों के साथ संवाद किया और महाकुंभ को वैश्विक इवेंट बनाने में मीडिया की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि वास्तव में महाकुंभ प्रयागराज एक वैश्विक इवेंट बन गया। प्रधानमंत्री मोदी जी के विनज के अनुरूप यह कार्य करने में हमें जो सफलता प्राप्त हुई है उसे देश और दुनिया तक आपने पहुंचाया है, इसके लिए आपको हृदय से धन्यवाद करता हूं। सीएम योगी बोले कि मैं देख रहा था कि दिन हो या रात्रि, सुबह हो या शाम, शीत लहरी हो या भीषण धूप, लेकिन अनवरत रूप से कोई चल रहा था तो वह मीडिया था। या तो मां गंगा की धारा चल रही थी या फिर मीडिया चलता था और सकारात्मक रूप से आपकी जो भूमिका थी उसके चलते महाकुंभ प्रयागराज नए रिकॉर्ड बनाने के लिए अग्रसर हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसके बोल थे महाकुंभ एक याद बन गया। इस फिल्म में महाकुंभ की स्मृतियों को संजोया गया।

संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था और आर्थिकी का जो विजन प्रधानमंत्री जी ने दिया है वह यहां साकार होता दिखाई दिया। उत्तर प्रदेश में स्पिरिचुअल टूरिज्म का भी पोटेंशियल है और यह प्रदेश ने साबित किया। गत वर्ष ही उत्तर प्रदेश में 65 करोड़ श्रद्धालु और पर्यटक विभिन्न तीर्थस्थलों पर आए थे।

वे अयोध्या धाम आए थे, काशी आए थे, मथुरा-वृंदावन आए थे, प्रयागराज आए थे, चित्रकूट आए थे, मां विंध्यवासिनी के धाम आए थे, गोरखपुर आए, शुकतीर्थ आए, नैमिषारण्य आए। अकेले प्रयागराज में 45 दिन में 66 करोड़ 30 लाख पर्यटक और श्रद्धालु आ चुके हैं, यानी नए-नए रिकॉर्ड बनते दिखाई दे रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ ने उत्तर प्रदेश के अंदर पांच स्पिरिचुअल टूरिज्म के डेस्टिनेशन उपलब्ध करवा दिए हैं। प्रयागराज से मिर्जापुर और काशी का एक, प्रयागराज से अयोध्या और गोरखपुर का दो, प्रयागराज से लालपुर, राजापुर, चित्रकूट का तीन, प्रयागराज से लखनऊ और नैमिषारण्य का चार और प्रयागराज से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे व आगरा होते हुए मथुरा-वृंदावन का पांच। इन पांचों तीर्थ में पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद हैं। इन 45 दिनों में 100 देशों का प्रतिनिधित्व प्रयागराज में हुआ है, जिसमें 74 देशों के एंबेसडर और हाई कमिश्नर यहां आए थे, 12 देश के मंत्री या राष्ट्राध्यक्ष की उपस्थिति भी रही थी और अन्य देशों से श्रद्धालुजन भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। यह सभी आपको कवर करने का अवसर प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के पूरे आयोजन में सभी निर्माण कार्यों के लिए डबल इंजन की सरकार ने मिलकर लगभग 7.30 हजार करोड़ रुपया खर्च किया, जिसमें 200 से अधिक सड़कों का निर्माण, 14 फ्लाईओवर, 9 अंडरपास, 12 कॉरिडोर बनाए गए। पहली बार प्रयागराज में कुछ ऐसा देखने को मिला जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता था। अक्षय वट कॉरिडोर, मां सरस्वती कूप कॉरिडोर, पातालपुरी कॉरिडोर, बड़े हनुमान जी कॉरिडोर, महर्षि भारद्वाज कॉरिडोर, नागवासुकि कॉरिडोर, श्रंग्वेरपुर कॉरिडोर, द्वादश माधव कॉरिडोर समेत यह अलग-अलग प्रकार के 12 कॉरिडोर प्रयागराज में विकसित हुए हैं जो टूरिज्म के दृष्टि से हर एक श्रद्धालु को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस दौरान श्रद्धालुजनों की सुविधा के लिए प्रयागराज सिटी के अंदर हम लोगों ने लगभग एक लाख कार्मिकों को पूरी व्यवस्था से जोड़ा, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया।

महाकुंभ ड्यूटी के लिए पुलिसकर्मियों को मिलेगा महाकुंभ सेवा मेडल

साथ में मिलेगा 10 हजार रुपए का स्पेशल बोनस

महाकुंभ नगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 की पूर्णाहुति के अवसर पर गुरुवार को गंगा मंडपम में आयोजित एक विशेष संवाद कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक आयोजन करार देते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व और पुलिस बल के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। सीएम योगी ने कहा कि इस आयोजन ने आस्था और अर्थव्यवस्था के समन्वय का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है, जिसे दुनिया ने देखा और सराहा। सीएम ने पुलिसकर्मियों के धैर्य और शालीनता की प्रशंसा की। उन्होंने घोषणा की कि महाकुंभ में ड्यूटी देने वाले 75 हजार जवानों को महाकुंभ सेवा मेडल और प्रशस्तिपत्र दिया जाएगा। साथ ही, अराजपत्रित पुलिसकर्मियों को 10 हजार रुपए का स्पेशल बोनस और सभी को फेज वाइज एक सप्ताह का अवकाश प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों से अपने संबोधन में कहा कि महाकुंभ जैसा विशाल आयोजन एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन हमने इसे एक ऊंची चोटी तक पहुंचाया।

यह आप सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। अगर हम समस्या के बारे में सोचते तो बहाने मिलते, लेकिन समाधान के बारे में सोचा तो रास्ते मिले। हमने समाधान का रास्ता चुना और इसे दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बनाया। उन्होंने पीएम मोदी के दिव्य-भव्य और डिजिटल कुंभ के थीम की चर्चा करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और आर्थिक प्रगति का प्रतीक बन गया है। उन्होंने महाकुंभ की आलोचना करने वालों को भी खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि जो महाकुंभ का भागिदार बना होगा वहीं इसके स्किल और स्केल के बारे में समझ पाएगा।

किसी कोने में बैठकर विद्वेष भाव से टिप्पणी कर देना आसान बात है। उन्होंने महाकुंभ के दौरान पुलिसकर्मियों के धैर्य और शालीनता की प्रशंसा की और कहा कि कई बार कुछ लोग जवानों को धक्का भी दे देते थे, तब भी हमारे जवानों ने सहनशीलता का परिचय दिया।

सीएम योगी ने बताया कि प्रयागराज के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और महाकुंभ में राज्य सरकार ने करीब साढ़े 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था में साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए की अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी आस्था को अर्थव्यवस्था के साथ इस तरह नहीं जोड़ा गया। भारत के ऋषियों ने कहा था कि यदि हम सही मार्ग पर चलें और आस्था का सम्मान करें, तो अर्थ और कामनाओं की सिद्धि स्वतः प्राप्त होगी। महाकुंभ ने इसे साकार करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने पुलिस बल की क्षमता और समर्पण की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की स्थाई आबादी 25 लाख है, लेकिन महाकुंभ में प्रतिदिन औसतन डेढ़ से दो करोड़ लोग आए। अब तक 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालु इस आयोजन का हिस्सा बने। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सभी राज्यों के राज्यपाल, ज्यादातर मुख्यमंत्री, 100 देशों के राजनयिक, 12 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और उनके नागरिकों ने इस आयोजन में भाग लिया। सीएम ने कहा कि उन्हें पहले दिन से भरोसा था कि हम इसे सफल बनाएंगे, क्योंकि पिछले साढ़े आठ वर्षों में उन्होंने पुलिस की क्षमता को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि पुलिस, अर्धसैनिक बल, होमगार्ड, पीआरडी, जल पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के व्यवहार की तारीफ हर व्यक्ति कर रहा था।

सीएम योगी ने पुलिस सुधारों पर जोर देते हुए कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों की स्थिति को बेहतर करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, लखनऊ पुलिस लाइन में टूटी छत और चारपाई पर सोते जवानों को देखकर मैंने तुरंत सुधार का फैसला लिया। आज यूपी पुलिस का बजट 40 हजार करोड़ रुपए है। हर जनपद में पुलिस बैरक की सबसे बड़ी इमारतें बन रही हैं। उन्होंने बताया कि 54 पीएसी कंपनियों, जिन्हें समाप्त कर दिया गया था, उन्हें बहाल किया गया, 3 महिला बटालियन शुरू की गईं और 1 लाख 56 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी की गई, जबकि 60 हजार की प्रक्रिया चल रही है। आगे 30 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश दंगों, माफिया राज और असुरक्षा से जूझ रहा था, लेकिन आज यह निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन बन चुका है। पहले जो माफिया वीआईपी बनकर घूमते थे, उनका सामना हमारी पुलिस से हुआ तो उसकी पैंट गीली हो गई। सीएम ने कहा कि महाकुंभ में पुलिस ने क्राउड मैनेजमेंट, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मौनी अमावस्या पर एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हुई, लेकिन 15-20 मिनट में ग्रीन कॉरीडोर बनाकर घायलों को इलाज मुहैया कराया गया। आग की घटनाओं को 10 मिनट में नियंत्रित किया गया, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ ने भारत की वैश्विक छवि को मजबूत किया और उत्तर प्रदेश को देश में नई पहचान दी। सीएम ने पुलिस बल को बधाई देते हुए कहा 28 से 30 जनवरी के बीच मात्र तीन दिन में 15 करोड़ लोग महाकुंभ में आए। जो भी आया, संगम में डुबकी लगाकर, अभिभूत होकर गया और आपको धन्यवाद देकर गया।

यह आपकी व्यवहारिक दक्षता और संवेदनशीलता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जो भी पुलिसकर्मी अभी तक स्नान नहीं कर पाए हैं, वे ड्यूटी के साथ स्नान करें और संगम का जल अपने साथ जरूर लेकर जाएं। इस संवाद के साथ ही सीएम ने पुलिसकर्मियों के साथ भोजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और उनके योगदान को यादगार बताते हुए उसकी सराहना की। इस अवसर पर दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, अरविंद कुमार शर्मा, दयाशंकर सिंह, अनिल राजभर, प्रयागराज के विधायकगण हर्षवर्धन वाजपेयी, गुरुप्रसाद, पूजा पाल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, एडीजी जोन भानु भास्कर, पुलिस आयुक्त तरुण गाबा, आईजी रेंज, डीआईजी कुंभ, एसएसपी मेला, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और मेलाधिकारी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे।

संभल में अब तक हुए सभी दंगों की रिपोर्ट हो रही तैयार

1978, 1986 और 1992 के दंगों पर विशेष फोकस

संभल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। संभल पुलिस शहर में 1978, 1986 और 1992 में हुए दंगों की जांच पड़ताल करने में जुटी है। जल्द ही रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। एसपी का कहना है कि शासन स्तर से जो भी निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ेगी। उसके आधार पर ही उन तीनों दंगों की रिपोर्ट तैयार हो रही है।

एसपी ने बताया कि मुकदमों की स्थिति को भी देखा जाएगा। 23 जनवरी को न्यायिक जांच आयोग के सामने कुछ लोग पहुंचे थे। उन्होंने 1978, 1986 और 1992 के दंगों से पीड़ित होने की बात कही थी। साथ ही बताया था कि उन्हें इन तीनों दंगों में जान और माल का नुकसान हुआ था लेकिन न्याय नहीं मिला। इन परिवारों ने जांच कराने के लिए मांग उठाई थी। इसी मांग को मानते हुए रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। एसपी का कहना है कि दंगों में कितने लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी और उन मुकदमों में क्या स्थिति है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद शासन को भेजी जाएगी। रिकॉर्ड मुरादाबाद में है। इसलिए समय लग रहा है। 1978 के दंगे में हिंदुओं की हत्याएं की गई थीं। कई ऐसे परिवार पुलिस-प्रशासन के सामने आए जिन्होंने बताया कि उनके परिवार में किसकी जान गई। उस समय की कुछ तस्वीरें भी दिखाई गईं। उन्होंने यह भी बताया था कि हिंदू बड़ी संख्या में मारे गए थे और पलायन के लिए मजबूर हुए थे। खग्गू सराय में प्राचीन शिव मंदिर भी उसी दंगे के बाद से बंद हो गया था। इस इलाके में जो हिंदू परिवार थे वह पलायन कर गए थे। 1978 के दंगे में 16 मुकदमे दर्ज हुए थे। जिसमें हत्या, लूट, आगजनी, बलवा और अन्य कई गंभीर आरोप शामिल थे। 1993 में दर्ज मुकदमों में से आठ मुकदमे वापस हो गए थे। बाकी आठ मुकदमों की स्थिति की जानकारी पुलिस प्रशासन को ही स्पष्ट नहीं हो सकी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया, सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की

एकता नगर (गुजरात) ,27 फरवरी (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर (पूर्व में केवड़िया) में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुजरात के चार दिवसीय दौरे पर आईं मुर्मू राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के अलावा वह कच्छ और धोलावीरा भी जाएंगी। राष्ट्रपति बुधवार रात एकता नगर पहुंचीं। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल ने पोस्ट किया गया, राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू ने केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुजरात सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने सरदार सरोवर बांध और एकता नगर में जंगल सफारी पार्क का भी दौरा किया। विज्ञप्ति में कहा गया है, राष्ट्रपति को बांध निर्माण के दौरान आई कठिनाइयों, इसमें संग्रहित पानी की बड़ी मात्रा, दिन भर में बिजली उत्पादन, इसके नहर नेटवर्क और गुजरात एवं अन्य राज्यों के लोगों को इससे कैसे लाभ मिल रहा है, इस बारे में जानकारी दी गई।

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की एक विज्ञप्ति के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम को राष्ट्रपति अहमदाबाद में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के 44वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति 28 फरवरी को गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। बाद में वह कच्छ जिले के भुज में स्मृतिवन भूकंप स्मारक का दौरा करेंगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक मार्च को मुर्मू कच्छ में हड़प्पा युग के पुरातात्विक स्थल धोलावीरा का दौरा करेंगी जिसे यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन) ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

आसमान छूते हवाई किराए से पर्यटकों को हो रही मुश्किलें

जम्मू, 27 फरवरी (ब्यूरो)।
हवाई किराए में जबरदस्त उछाल के कारण पर्यटक धरती के स्वर्ग तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से यात्रा करने को मजबूर हो रहे हैं।

अधिकांश पर्यटक हवाई यात्रा छोड़कर कश्मीर के लिए सड़क मार्ग अपना रहे हैं। वर्तमान हवाई किराए का विस्तृत विश्लेषण प्रमुख मार्गों पर असाधारण रूप से उच्च कीमतों को दर्शाता है। दिल्ली से श्रीनगर जाने वाले यात्रियों से 12,000 से 14,000 रुपए के बीच किराया लिया जा रहा है।

मुंबई के यात्रियों को और भी अधिक किराया देना पड़ रहा है, जहां टिकट की कीमत लगभग 27,000 रुपए है, और कोलकाता के यात्री 24 फरवरी को उड़ान के लिए लगभग 18,000 रुपए का भुगतान कर रहे हैं।

हवाई किराए में बढ़ोतरी के बीच, कश्मीर में ट्रैवल एजेंट और होटल व्यवसायी सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों की संख्या में

उल्लेखनीय वृद्धि की बात बताते हैं। श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग की स्थिति में सुधार ने जम्मू से जम्मू तक सड़क यात्रा को और आसान बना दिया है। जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में अब पांच घंटे से भी कम समय लगता है। इसलिए, अब सड़क यात्रा पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो रही है।

पर्यटकों ने कहा कि एक परिवार या समूह के लिए सड़क यात्रा उनके लिए 60 प्रतिशत से भी कम खर्चीली हो गई है। दिल्ली के एक पर्यटक रोहन शर्मा ने कहा, हवाई किराया बहुत महंगा हो गया है।

दो हवाई जहाज़ टिकटों के बराबर कीमत में, हमने एक आरामदायक एसयूवी किराए पर ली और पहाड़ों के बीच एक शानदार सड़क यात्रा का आनंद लिया। यह एक बहुत ही यादगार अनुभव था।

मुख्य रूप से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से कश्मीर की सतही यात्रा, यात्रियों को जम्मू के मैदानों से लेकर हिमालय की बर्फ़ से ढकी चोटियों तक, भारत के बदलते परिदृश्यों को देखने का मौका देती है। हालांकि सड़क यात्रा लंबी है, लेकिन पर्यटकों का कहना है कि इससे लचीलापन मिलता है, सुंदर जगहों पर रुकना पड़ता है और क्षेत्र की संस्कृति और लोगों के साथ गहरा जुड़ाव होता है। एक टूर ऑपरेटर उमर अहमद ने कहा, हमने सड़क यात्रा पैकेजों के लिए पूछताछ में निश्चित रूप से वृद्धि देखी है। पर्यटक अब कश्मीर जाने के लिए गाड़ी चलाने या कैब लेने के विचार के प्रति अधिक खुले हैं। हम उनकी यात्रा को सुविध-ाजनक बनाने और उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने में प्रसन्न हैं।

नेत्रकुंभ पहुंचे सीएम योगी, सेवा कार्यों के लिए की सराहना

महाकुंभनगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर गुरुवार को महाकुंभ में चल रहे नेत्रकुंभ का निरीक्षण कर यहां किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने सबसे पहले गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद आयोजन में लगे प्रमुख लोगों से मुलाकात की।

फिर उन्होंने ओपीडी का निरीक्षण कर डॉक्टरों और आयोजन समिति के सदस्यों से बातचीत भी की। मुख्यमंत्री ने नेत्रकुंभ की भव्यता और प्रबंधन की प्रशंसा की। डॉक्टरों ने उन्हें पूरी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री को बताया गया कि महाकुंभ के दौरान नेत्रकुंभ में 2.37 लाख मरीजों की यहां जांच की गई है।

सीएम योगी को बताया गया कि नेत्रकुंभ में 1.63 लाख चश्मे वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए नेत्रकुंभ की सेवा को एक दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है।

पहले 26 फरवरी को इसका समापन होना था, लेकिन बाद में इसकी तिथि 27 फरवरी तक बढ़ा दी गई। निरीक्षण के दौरान सीएम योगी ने विशेषज्ञों से पूछा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों को किस तरह व्यवस्थित इलाज दिया जा सका।

जिस पर डॉक्टरों ने बताया कि यह कठिन कार्य था, लेकिन सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते सफलता मिली। मुख्यमंत्री ने इस सेवाभाव के लिए सभी डॉक्टरों और आयोजकों को बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की जरूरत बताई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ की सफलता के लिए आभार प्रकट करने प्रयागराज स्थित बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने महाबली हनुमान जी के चरणों में शीश नवाया और मंदिर के सभी पुजारियों को प्रणाम किया। मुख्यमंत्री का पूजन मंदिर के महंत एवं श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर पूज्य बलवीर गिरि जी महाराज ने संपन्न कराया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान की आरती की।

जिसके बाद मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं बड़े हनुमान जी की तस्वीर भेंट की गई। बलवीर गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री को महाकुंभ के ऐतिहासिक और भव्य आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी। मंदिर के पुजारी सूरज पाण्डेय महाराज ने बताया कि महाकुंभ की सफलता के लिए संत समाज ने सीएम योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान जी का आशीर्वाद लेते हुए संतों और पुजारियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही महाकुंभ के आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

उच्चतम न्यायालय ने जीएसटी और सीमा शुल्क कानूनों के अंतर्गत गिरफ्तारी की शक्तियों को किया स्पष्ट

नई दिल्ली,27 फरवरी (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि कर अधिकारियों द्वारा मनमानी गिरफ्तारी और जबरदस्ती संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, और निर्देश दिया कि अधिकारियों की प्रवर्तन कार्रवाई कानून की सीमा के भीतर रहनी चाहिए।वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम के अंतर्गत गिरफ्तारी की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए और एक ऐतिहासिक फैसले में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि इन कर कानूनों के अंतर्गत अधिकारी पुलिस अधिकारियों का दर्जा नहीं रखते हैं और इस तर्क को खारिज कर दिया कि उन्हें ऐसा माना जाना चाहिए।पीठ ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता)

के अंतर्गत प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय इन कानूनों के अंतर्गत की गई गिरफ्तारियों पर समान रूप से लागू होंगे।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें अग्रिम जमानत प्रावधान लागू होते हैं, जो लोगों को एफआईआर दर्ज होने से पहले ही न्यायपालिका से राहत मांगने की अनुमति प्रदान करते हैं।पीठ ने कहा कि जीएसटी और सीमा शुल्क कानूनों के अंतर्गत गिरफ्तारी सत्यापित सामग्री पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल संदेह के आधार पर।

उसने कहा कि इन कानूनों के अंतर्गत अधिकारी पुलिस अधिकारी नहीं होते हैं और समान शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। गिरफ्तारी पर जीएसटी विभाग द्वारा जारी किए गए परिपत्रों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि कर भुगतान में दबाव के आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए; प्रभावित व्यक्ति न्याय के लिए अदालत जा सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी प्रावधानों में अस्पष्टता के कारण नागरिकों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। और इस बात पर बल दिया कि जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत कोई निजी शिकायत नहीं हो सकती।

शीर्ष अदालत ने अरविंद केजरीवाल मामले से इस सिद्धांत को लागू किया, जहां धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के अंतर्गत गिरफ्तारी के लिए विश्वास करने का कारण होना आवश्यक है। उसने यह निर्णय दिया कि जीएसटी और सीमा शुल्क की गिरफ्तारी पर भी यही सिद्धांत लागू होता है क्योंकि संबंधित कानूनी प्रावधान लगभग समान हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, हमने माना है कि दीपल महाजन का मामला अलग था और हमने अरविंद केजरीवाल मामले का हवाला दिया है।सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 132 और 104, जब अपराधों को संज्ञेय और जमानती के रूप में निर्दिष्ट करती है, तो इसके बजाय इसे गैर-संज्ञेय और गैर-जमानती माना जाना चाहिए। हमने देखा है कि कर भुगतान में जबरदस्ती के आरोपों में कुछ दम है और ऐसी प्रथाओं की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने अपने सहमति वाले फैसले में, अनुच्छेद 226 के अंतर्गत न्यायिक समीक्षा की शक्तियों को संबोधित किया, कर-संबंधी गिरफ्तारियों में संवैधानिक सुरक्षा उपायों को बनाए रखने पर अदालत के रुख की पुष्टि की।

यह निर्णय जीएसटी और सीमा शुल्क अधिनियमों के दंडात्मक प्रावधानों को चुनौती देने वाली 279 याचिकाओं के जवाब में दिया गया।

अदालत का फैसला आरोपी व्यक्तियों के लिए कानूनी सुरक्षा को बहुत मजबूत करता है।

शीर्ष अदालत ने इस बात पर बल दिया कि कर अधिकारियों द्वारा मनमानी गिरफ्तारी और जबरदस्ती संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है, यह सुनिश्चित किया कि प्रवर्तन कार्रवाई कानून की सीमा के अंदर होनी चाहिए।

आगे की कार्यवाही के लिए मामले को 17 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

दिल्ली में शराब नीति का काला खेल : सीएजी ने खोली आपा की पोल

विधानसभा में बताया गया कितना बड़ा है घोटाला?

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)।
दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में बताया कि 'दिल्ली में शराब के विनियमन और आपूर्ति' से संबंधित सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट ने आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा दिल्ली में आबकारी नीति के क्रियान्वयन में की गई गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया है। रिपोर्ट में यह विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार सरकारी खजाने को

भारी नुकसान पहुंचाया गया ताकि निजी कंपनियां सरकारी खर्च पर अवैध रूप से लाभ कमा सकें।

ऑडिट 2017-2021 की अवधि के लिए किया गया था। सीएजी ने नई आबकारी नीति के लागू होने से पहले की अवधि में भी गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा किया है। इसमें लाइसेंस देने में अनियमितता, आईएमएफएल मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता की कमी, अपर्याप्त गुणवत्ता नियंत्रण, कमजोर नियामक कार्यप्रणाली और प्रवर्तन गतिविधियों का खराब क्रियान्वयन आदि का विवरण है।

सीएजी ने गणना की है कि नई नीति में 2002 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा हुआ है। इसमें सरेंडर किए गए लाइसेंसों का फिर से टेंडर करने में विफलता के कारण 890 करोड़ रुपये, छूट के कारण 941 करोड़ रुपये, लाइसेंस शुल्क की माफी के कारण 144 करोड़ रुपये और सिक्योरिटी राशि के गलत संग्रह के कारण 27 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा हुआ है।

अध्यक्ष ने बताया कि सदस्यों ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा के दौरान विस्तृत विचार व्यक्त किए हैं और अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। सदन इस बात पर सहमत है कि इस मामले की जल्द से जल्द जांच की जानी चाहिए और मामले के निष्कर्ष पर पहुंचा जाना चाहिए ताकि दोषियों को दंडित किया जा सके। स्थापित संसदीय प्रक्रिया के अनुसार दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति द्वारा इस रिपोर्ट की गहन जांच की जाएगी।

यह समिति तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट सदन को प्रस्तुत करेगी। पहली कार्यवाही के रूप में, मैंने विधानसभा सचिवालय को यह निर्देश दिया है कि रिपोर्ट को तुरंत संबंधित विभागों को टिप्पणी प्राप्त करने के लिए भेजा जाए और आबकारी विभाग की पैरावार टिप्पणियां और कार्रवाई नोट अनिवार्य रूप से एक महीने के भीतर प्रस्तुत किए जाएं।

नानाजी देशमुख जैसे व्यक्तित्व युगों तक अपना असर छोड़ते हैं : अमित शाह

भोपाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर सतना जिले के चित्रकूट पहुंचे। वे यहां राष्ट्रऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर दीन दयाल शोध संस्थान के उद्यमिता विद्या-पीठ परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी अगुवानी की। कार्यक्रम में कथावाचक मोरारी बापू समेत कई नेता और मंत्री मौजूद हैं।

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मोरारी बापू ने नवीन राम दर्शन और पंडित दीन दयाल की प्रतिमा का रिमोट दबाकर अनावरण किया। इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नान-ाजी जैसे महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना कितना उचित है, मालूम नहीं।

कुछ लोगों के जीवन ऐसे होते हैं, वो युगों तक अपना असर छोड़ते हैं और युग को परिवर्तनकारी बनाने का काम

करते हैं। नानाजी उनमें से एक हैं।

शाह ने कहा कि राजनीति में अजातशत्रु जीवन जीकर दुनिया छोड़कर जाना बड़ी बात है। मैंने किसी को नानाजी के बारे में कभी गलत बात करते नहीं सुना। चाहे वो पक्ष का हो चाहे विपक्ष को हो। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए सर्व स्वीकृति लाना भी कठिन है। इतने लंबे जीवन में नानाजी का विरोध करने का साहस किसी ने नहीं किया।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में जनता कई नेताओं को राजनीति छुड़वाती है। नानाजी ने 60 की उम्र में जब जनता पार्टी अधिकार में थी तब निर्णय किया कि 60 के हो गए बाकी का जीवन एकात्मवाद को जमीन पर उतारने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नानाजी ने कोई बुराई अपने को छूने नहीं दी और पूरा जीवन बुराइयों को दूर करने में प्रयत्नशील रहे।

बारिश से कश्मीर को मिला कुछ सुकून

जम्मू, 27 फरवरी (ब्यूरो)।
बारिश के ताजा दौर ने बारिश की कमी को 14 प्रतिशत तक कम कर दिया है क्योंकि पिछले सप्ताह की 83 प्रतिशत की कमी से बुधवार तक 69 प्रतिशत तक कम हो गई है। पिछले एक सप्ताह में लद्दाख के करगिल के साथ-साथ जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई है। इस साल के पहले 50 दिनों में शून्य वर्षा के बाद, करगिल में 2025 के अंतिम 57 दिनों में 25 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 16.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ जिलों में वर्षा की कमी 70 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत हो गई है। पूरे जम्मू और कश्मीर में पिछले सप्ताह 83 प्रतिशत की तुलना में कम बारिश 69 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, 215.5 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले, इस क्षेत्र में 01 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 225 तक 65.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। हालांकि, जम्मू और कश्मीर के अन्य जिलों में वर्षा की कमी में कमी देखने को मिलने के बावजूद उन्हें बड़ी कमी वाली सूची में रखा गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर सहित जम्मू और कश्मीर के अन्य जिलों में 60 से 84 प्रतिशत की कमी है, जहाँ इस अवधि के दौरान 74 प्रतिशत की कमी रही। अगले दो दिनों तक और अधिक बर्फबारी और बारिश का अनुमान है, जिससे इस मौसम में बारिश की कमी कम होने की संभावना है। मौसम विभाग ने जम्मू और कश्मीर के लिए पीले और नारंगी अलर्ट जारी किए हैं, जिसमें 28 फरवरी तक हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। याद रहे पिछले तीन वर्षों से लगातार वर्षा में गिरावट के रुझान के बीच, कश्मीर घाटी में पिछले आठ वर्षों में 2025 में सबसे खराब वर्षा की कमी दर्ज की गई है। जबकि आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 तक 70 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

देश की जीडीपी ग्रोथ दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी संभव, आज आएंगे आंकड़े

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े आज जारी होंगे। भारत की जीडीपी की ग्रोथ रेट अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकारात्मक बनी रहने की उम्मीद है।

जानकारों का मामना है कि तीसरी तिमाही में यह लगभग 6.3-6.4 फीसदी के दायरे में रह सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में लिए देश की जीडीपी के आंकड़े 28 फरवरी को शाम 4 बजे जारी किए जाने की संभावना है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने उच्च सरकारी खर्च के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है।

वहीं, अधिकांश रेटिंग एजेंसियों ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.3-6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। अइंडिया रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए 6.5 फीसदी का उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान दिया है, जबकि नोमुरा का सबसे कम 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके अलावा अन्य अनुमानों में बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीसरी तिमाही में क्रमश: 6.4 फीसदी और 6.2-6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने 6.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का पूर्वानुमान दिया है।

उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.7 फीसदी रही थी, लेकिन आम चुनावों की वजह से सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी तथा कमजोर उपभोग मांग के कारण जुलाई-सितंबर दूसरी तिमाही में यह धीमी होकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई थी।

न्यूज ब्रीफ

आईफोन 17 सीरीज को सितंबर 2025 में लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। फ्लैगशिप स्मार्टफोन आईफोन 17 सीरीज को एप्पल कंपनी सितंबर 2025 में लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बार कंपनी चार नए मॉडल पेश करेगी – आईफोन 17,आईफोन 17 एयर , आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स। हालांकि, आईफोन 17 एयर प्लस को बंद किया जा सकता है, क्योंकि इसकी बिक्री उम्मीद से कम रही थी। आईफोन 17 सीरीज़ में कई बड़े अपग्रेड देखने को मिलेंगे। इनमें नया डिजाइन, बेहतर डिस्प्ले और हाई-रिजॉल्यूशन सेल्फी कैमरा शामिल होंगे। इस बार कंपनी आईफोन 17 एयर नामक एक नया मॉडल लॉन्च करेगी, जो अपनी पतली डिजाइन के कारण चर्चा में है। यह अब तक का सबसे पतला आईफोन हो सकता है, जिसकी मोटाई सिर्फ 6.25 मिमी होगी। वहीं, आईफोन 17 का डिस्प्ले 6.3 इंच का होगा, जो आईफोन 16 प्रो के बराबर होगा। सभी मॉडलों में 120 एचझेड प्रोमोशन और ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। नए आईफोन 17 प्रो मॉडल में कैमरा डिज़ाइन बदला जाएगा। आईफोन 17 सीरीज़ में ए 19 बायोनिक चिपसेट और 8जीबी रैम दी जाएगी, जिससे परफॉर्मेंस में काफी सुधार होगा। कनेक्टिविटी के लिए नए वाई-फाई 7 और ब्लूटूथ चिप्स भी शामिल होंगे। भारत में आईफोन 17 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये हो सकती है, जबकि आईफोन 17 एयर की कीमत 89,900 रुपये तक हो सकती है। इसमें अब चौकोर कैमरा मॉड्यूल की जगह आयताकार बार डिज़ाइन होगा, जिसमें तीन सेंसर त्रिकोणीय रूप से व्यवस्थित होंगे। इसके अलावा, आईफोन 17 में 48 मेगापिक्सल का फ्यूजन कैमरा, 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस और 24 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया जाएगा।

जल्द ही मेकबुक एयर की नई लाइनअप होगी लॉन्च

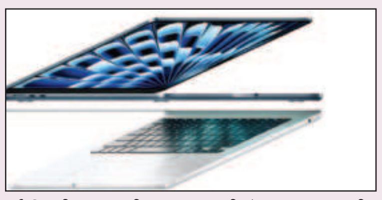

नई दिल्ली। जल्द ही एप्पल कंपनी मेकबुक एयर की नई लाइनअप लॉन्च करने वाली है, जिसमें एप्पल का लेटेस्ट एम4 चिपसेट मिलेगा। इस अपग्रेड के साथ मेकबुक एयर पहले से ज्यादा पावरफुल और एडवांस होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एप्पल अपने नए मेकबुक एयर को मार्च में लॉन्च कर सकता है। कंपनी की रिटेल, मार्केटिंग और सेल्स टीम को लॉन्च की तैयारियों में लगा दिया गया है। साथ ही, पुराने मेकबुक एयर मॉडल्स की इन्वेंटरी तेजी से कम की जा रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि नया मेकबुक एयर जल्द बाजार में आने वाला है। एप्पल

35 वर्ष से कम के 45 प्रतिशत युवा शेयर बाजार को दे रहे प्राथमिकता

बेंगलुरु। निवेश के लिए 35 वर्ष के कम के 45 प्रतिशत युवा भारतीय शेयरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसकी

जानकारी सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, शेयरों की ओर से लोगों का झुकाव बढ़ने से वित्तीय जागरूकता और तकनीक के कारण अच्छे निवेश विकल्प उपलब्ध होना एवं लंबी अवधि में वैल्थ क्रिएशन का लक्ष्य है। रिपोर्ट के अनुसार, 81 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे शेयर बाजार में निवेश कर चुके हैं। यह बदलाव दिखाता है कि अधिक युवा पारंपरिक बचत साधनों से दूर प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश को अपना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि बढ़े हुए उत्साह के बावजूद वित्तीय शिक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में सामने आया हैं कि 42 प्रतिशत गैर-निवेशकों को लगता है कि उनके पास निवेश शुरू करने के लिए आवश्यक ज्ञान की कमी है, जबकि 44 प्रतिशत इच्छुक निवेशक स्टेप-बाय-स्टेप मार्गदर्शन चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, 38 प्रतिशत उत्तरदाता ऑनलाइन वीडियो कोर्स के माध्यम से सीखना पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 68 प्रतिशत उत्तरदाता निवेश सीखने और ट्रेडिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। वहीं, रिपोर्ट के यह बात निकल कर आई हैं कि रियल-टाइम जानकारी, एआई द्वारा दिए जा रहे सुझावों और वर्चुअल ट्रेडिंग अनुभव जैसी सुविधाओं ने निवेश को अधिक आसान बनाया है। करीब 50 प्रतिशत नए निवेशक रियल निवेश शुरू करने से पहले वर्चुअल मनी के साथ प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं। बाजार में अस्थिरता निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, 51 प्रतिशत ने संभावित बाजार गिरावट के बारे में आशंका व्यक्त की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एकता का...

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई, लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव-विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग त्रिवेणी तीर्थ अपने साथ लेकर गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव-गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है! उन्होंने कहा कि ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।

श्री मोदी ने कहा, आध्यात्मिक क्षेत्र में शोध करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों-मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नए दिशा-निर्देश मिलते थे। इसके बाद, हर छह वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा होती थी। 12 पूर्णकुंभ होते-होते, यानि 144 साल के अंतराल पर जो दिशा-निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नए सिरे से नई परंपराओं को गढ़ा जाता था। 144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है 'विकसित भारत का'!प्रधानमंत्री ने कहा, जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए! एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर-स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है।

श्री मोदी ने कहा, आज मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किए हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगाई थी। विवेकानंद हों या श्री अरबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था। इसकी अनुभूति गांधी जी ने भी आजादी के आंदोलन के समय की थी। आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती! लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, वेद से विवेकानंद तक और उपनिषद से उपग्रह तक, भारत की महान परंपराओं ने इस राष्ट्र को गढ़ा है। मेरी कामना है, एक नागरिक के नाते, अनन्य भक्ति भाव से, अपने पूर्वजों का, हमारे ऋषियों-मुनियों का पुण्य स्मरण करते हुए, एकता के महाकुंभ से हम नई प्रेरणा लेते हुए, नए संकल्पों को साथ लेकर चलें! हम एकता के महामंत्र को जीवन मंत्र बनाएं, देश सेवा में ही देव सेवा, जीव सेवा में ही शिव सेवा के भाव से स्वयं को समर्पित करें! उन्होंने कहा, जब मैं काशी चुनाव के लिए गया था, तो मेरे अंतरमन के भाव शब्दों में प्रकट हुए थे, और मैंने कहा था, मां गंगा ने मुझे बुलाया है। इसमें एक दायित्व बोध भी था, हमारी मां स्वरूपा नदियों की पवित्रता को लेकर, स्वच्छता को लेकर! प्रयागराज में भी गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम पर मेरा ये संकल्प और दृढ़ हुआ है। गंगा जी, यमुना जी, हमारी नदियों की स्वच्छता हमारी जीवन यात्रा से जुड़ी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि नदी चाहे छोटी हो या बड़ी, हर नदी को जीवनदायिनी मां का प्रतिरूप मानते हुए, हम अपने यहां सुविधा के अनुसार, नदी उत्सव जरूर मनाएं! ये एकता का महाकुंभ हमें इस बात की प्रेरणा देकर गया है कि हम अपनी नदियों को निरंतर स्वच्छ रखें, इस अभियान को निरंतर मजबूत करते रहें।

श्री मोदी ने कहा है, मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से, मां यमुना से, मां सरस्वती से, हे मां हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा! जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं!

प्रधानमंत्री ने कहा, श्रद्धा से भरे जो करोड़ों लोग प्रयाग पहुँचकर इस एकता के महाकुंभ का हिस्सा बने, उनकी सेवा का दायित्व भी श्रद्धा के सामर्थ्य से ही पूरा हुआ है। उत्तर प्रदेश का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुंभ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था। हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुंभ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, उत्तर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं! उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दृश्यों को देखकर, बहुत प्रारंभ से ही मेरे मन में जो भाव जगे, जो पिछले 45 दिनों में और अधिक पुष्ट हुए हैं, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मेरी आस्था, अनेक गुना मजबूत हुई है। 140 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह प्रयागराज में एकता के महाकुंभ को आज के विश्व की एक महान पहचान बना दिया, वो अद्भुत है!

श्री मोदी ने कहा है, देशवासियों के इस परिश्रम से, उनके प्रयास से, उनके संकल्प से अभीभूत मैं जल्द ही द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ के दर्शन करने जाऊंगा और श्रद्धा रूपी संकल्प पुष्प को समर्पित करते हुए हर भारतीय के लिए प्रार्थना करूंगा! उन्होंने कहा, महाकुंभ का स्थूल स्वरूप महाशिवरात्रि को पूर्णता प्राप्त कर गया है। लेकिन मुझे विश्वास है, मां गंगा की अविरल धारा की तरह, महाकुंभ की आध्यात्मिक चेतना की धारा और एकता की धारा निरंतर बहती रहेगी।

महाकुंभ मेला...

रेल मंत्री ने बताया कि प्रारंभ में रेलवे ने 13 हजार ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई थी, लेकिन श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए 16 हजार से अधिक ट्रेनों का सफल संचालन किया गया। इस दौरान लगभग 4.5 से 5 करोड़ श्रद्धालु सुरक्षित रूप से महाकुंभ पहुंचे और संगम स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। रेलवे ने राज्य पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी और रेपिड़ एक्शन फोर्स के साथ मिलकर अभूतपूर्व समन्वय स्थापित किया, जिससे यातायात और भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सका।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार, श्रद्धालुओं को केवल भीड़ न समझकर उनकी श्रद्धा और भक्ति को प्राथमिकता दी गई। इसी दृष्टिकोण से रेलवे ने कई नवाचार किए, जिनमें खुशरोबाग, झूंसी, नैनी, छिवकी, प्रयाग जंक्शन और प्रयागराज जंक्शन में बड़े होर्डिंग एरिया विकसित किए गए। इससे यात्रियों को सुगमता मिली और भीड़ नियंत्रण प्रभावी ढंग से किया गया। महाकुंभ के 45 दिनों के इस महा आयोजन में रेलवे के विभिन्न विभागों ने अत्यंत समन्वित रूप से कार्य किया, जिससे संपूर्ण व्यवस्थाएं सुचारु बनी रही और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई।

रेल मंत्री ने कहा कि इस महाकुंभ से मिली सीख को रेलवे मैनुअल में स्थायी रूप से शामिल किया जाएगा, ताकि भविष्य में अन्य बड़े आयोजनों में इसका लाभ उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि रेलवे इस ऐतिहासिक अनुभव के आधार पर अपने भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं में नए सुधार लाएगा, जिससे देशभर में यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

महायुति...

टकराव के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि फडणवीस ने यह साफ कर दिया कि पी.ए. और ओएसडी की नियुक्ति के लिए सख्त नियम पहले से ही बने हुए हैं, और मैं उन्हीं का पालन कर रहा हूं।

एक अधिकारी ने बताया कि जिन मंत्रियों के नाम खारिज हुए वे ज्यादा विरोध नहीं कर सकते। पी.ए. और ओएसडी इतने ताकतवर हो जाते हैं कि वे परियोजनाओं और नीतियों को प्रभावित करने लगते हैं। 2021 में गृहमंत्री अनिल देशमुख के पी.ए. संजीव पलांडे को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एनसीपी विधायक अमोल मिटकरी ने बताया कि एक पी.ए. ने उनसे 5 लाख रुपये मांगे थे।

शिवसेना के एक मंत्री ने नाम न बताने की शर्त पर कहा,हम भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करते, लेकिन गठबंधन सरकार में अगर सहयोगी पार्टियों की ताकत को कम किया जाता है, तो यह गलत है। हालांकि फडणवीस के एक करीबी मंत्री ने समर्थन करते हुए कहा,'भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए कड़े फैसले लेने जरूरी हैं और मुख्यमंत्री ने यही किया है। यह नियम सभी पार्टियों पर लागू होता है, बीजेपी पर भी।

हिंदी ने ...

द्रविड़ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई ने दशकों पहले दो भाषा नीति लागू की थी। इसका मकसद यह था कि तमिल लोगों पर हिंदी-संस्कृत की आर्य संस्कृति को न थोपा जाए।

भीख पर जीने...

जो पाकिस्तान को सीखना चाहिए। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि भारत मानवाधिकारों की रक्षा और आतंकवाद से लड़ाई में हमेशा आगे रहा है।

पाकिस्तान की इस हरकत से साफ है कि वह अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए कश्मीर का मुद्दा उठाता रहता है। लेकिन भारत हर बार उसे आईना दिखाने में कामयाब रहा है। त्यागी ने ये भी कहा कि पाकिस्तान ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन का गलत इस्तेमाल कर रहा है और उसका मजाक बना रहा है। भारत का कहना है कि उसे इस तरह की बकवास पर वक्त बर्बाद करने की बजाय अपने देश की बदहाली सुधारने की ओर ध्यान देना चाहिए।

अरब देशों ने...

वीडियो में गाजा के 2।1 मिलियन गाजावासियों को निष्कासित कर उसे अमेरिकी स्वामित्व वाले 'रिवेरा' में ढालने के उनके इरादों को दिखाया गया है।

वीडियो में कहा जा रहा है कि 'कोई सुरंग नहीं, कोई डर नहीं' सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जो प्रस्ताव दिया है, वो अमेरिकी स्वामित्व का होगा। हालांकि, वेस्ट बैंक स्थित फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इसकी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया है।

फिलिस्तीन के विदेश मंत्री वर्सेन अगाबेकियन शाहीन ने 1948 के अरब इजरायल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पहले भी विस्थापन की कोशिशें की हैं, लेकिन अब बस अब ये और नहीं होगा।

वीडियो में एलन मस्क के नाचने और डोनाल्ड ट्रंप की मूर्ति के अलावा अगर वीडियो की शुरुआत को देखा जाए, तो इसकी शुरुआत नंगे पांव फिलिस्तीनी बच्चों को मलबे के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है, फिर एक शीर्षक में पूछा जाता है कि आगे क्या है? फिर धीरे-धीरे ये बच्चे गाजा के तट पर भविष्य का नजारा देखते हैं। वीडियो में दिखाया जाता है कि ट्रंप आपको आजाद कर रहे हैं। एक आवाज आती है ट्रंप गाजा शाइन कर रहा है। एक नई रोशनी, स्वर्णिम भविष्य और बिकनी पहने हुए बेली डांसर। एक बच्चे को ट्रंप के सिर के आकार के गुब्बारे को पकड़े हुए दिखाया जाता है। वहीं पर अमेरिकी डॉलर की बारिश हो रही है।

ट्रंप की योजना पर किस तरह से प्रतिक्रिया की जाए, इसको लेकर चर्चा करने के लिए अरब के नेताओं ने रियाद में मुलाकात की। अब 4 मार्च को एक बार फिर से ये काहिरा में मिलेंगे।

215 सीटें जीतने ...

आंदोलन के दौरान 26 दिन की भूख हड़ताल कर सकती हूं, तो हम चुनाव आयोग के खिलाफ भी आंदोलन कर सकते हैं।

वहीं, ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनावों में भी बीजेपी ने हरियाणा और गुजरात से फर्जी वोटर बुलाकर जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'बीजेपी अब बंगाल में भी यही करने की कोशिश करेगी, क्योंकि वह जानती है कि अगर निष्पक्ष चुनाव हुए, तो वह कभी जीत नहीं सकती।

टीएमसी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे फर्जी वोटरों की पहचान करेगी और बीजेपी को बंगाल में ऐसा करने नहीं देगी। उन्होंने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में टीएमसी 294 में से 215 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा में बीजेपी की संख्या घटेगी। हालांकि, कई पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसबार बंगाल में ममता की राह आसान नहीं है।

ममता बनर्जी ने अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को हथकड़ियों में भेजने की भी निंदा की। उन्होंने कहा, बीजेपी हमेशा चुनावों के दौरान घुसपैठ पर बात करती है, लेकिन जब हमारे नागरिकों को अमेरिका से जंजीरों में वापस भेजा जाता है, तो सरकार कुछ नहीं करती। यह देश के लिए शर्म की बात है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 'जब भारत अन्य देशों से लोगों को बचाने के लिए विशेष विमान भेजता है, तो इन भारतीयों के लिए ऐसा क्यों नहीं किया गया?

मणिपुर में मैतेई...

मीडिया से कहा कि अरामबाई टेंगोल की टीम ने मणिपुर के नवनियुक्त राज्यपाल के साथ सार्थक चर्चा की।उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने हमसे अवैध रूप से रखे गए हथियारों को भी सरेंडर करने का अनुरोध किया। हालांकि, हमने कुछ नियम और शर्तें रखीं और उन्हें आश्वासन दिया कि अगर वे शर्तें पूरी होती हैं तो हथियार सरेंडर कर दिए जाएंगे।

राज्यपाल अजय भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के सभी समुदायों के लोगों से लूटे गए अवैध हथियारों को सात दिन के अंदर सरेंडर करने की अपील की थी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि अवैध हथियार सरेंडर करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

राज्यपाल ने कहा, इस संबंध में मैं सभी समुदायों के लोगों, विशेष रूप से घाटी और पहाड़ियों के युवाओं से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी मर्जी से आगे आएं और लूटे अवैध हथियारों, गोला-बारूद को आज से सात दिनों के अंदर निकटतम पुलिस स्टेशन, चौकी या सुरक्षाबलों के शिविर में सरेंडर कर दें।

आपको बता दें कि 3 मई 2023 को हिंसा भड़कने के बाद से बिष्णुपुर और चुराचांदपुर की सीमा से लगे एक गांव तोरबंग में अत्याधुनिक असॉल्ट राइफलों से लैस हथियारबंद बदमाशों को विरोध प्रदर्शन करते देखा गया, तब से बड़ी भीड़ ने राज्य के शस्त्रागार, पुलिस स्टेशनों, चौकियों और अन्य सुविधाओं से हथियार लूट लिए हैं। अब तक 6,000 से अधिक हथियार लूटे जा चुके हैं और लगभग 2,500 बरामद किए गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

उप निदेशक कार्यान्वयन-दक्षिण, राजभाषा विभाग-गृह मंत्रालय द्वारा

पावरग्रिड क्षेत्रीय मुख्यालय सिकंदराबाद का राजभाषा निरीक्षण किया गया

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार, दि. 27 फरवरी, 2025 को अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन-दक्षिण), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पावरग्रिड द.क्षे.-1 क्षेत्रीय मुख्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर कार्यालय द्वारा राजभाषा संबंधी कार्यों को राजभाषा प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। उप निदेशक महोदय ने पावरग्रिड कार्यालय द्वारा राजभाषा प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं गतिविधियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। तत्पश्चात, उप निदेशक महोदय ने राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी की प्रगति हेतु किए जा रहे प्रयासों (कंठस्थ 2.0, शब्द सिंधु, भारतीय भाषा विभाग) एवं अपने ज्ञानवर्धक विचारों को

कार्यालय के सभी कार्मिकों के साथ सांझा किया ।

उक्त अवसर पर पावरग्रिड कार्यालय से अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.), टी.वी.एस. प्रवीण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सं.प्र.), वरिष्ठ अधिकारीगण एवं नराकास हैदराबाद से डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य सचिव जी की गरिमामय उपस्थिति रही।

द हिंदू के पूर्व समाचार संपादक कुरियन का निधन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। द हिंदू के पूर्व समाचार संपादक पीके कुरियन का गुरुवार को निधन हो गया।वह 78 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार श्री कुरियन ने यहां एक अस्पताल में आज अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है।श्री कुरियन ने वर्ष 1984 से 1994 तक न्यूजटाइम में और 1994 से 2008 तक द हिंदू में काम किया। इससे पहले उन्होंने द ट्रिब्यून में काम किया था।कई पत्रकारों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

सोमाराम विलेज, मेडचल स्थित विश्व मंगल गौशाला में फाल्गुन अमावस्या के अवसर पर भजनों कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिवमें दिनेश नाथ योगी, सोहन नाथ एवं अमरनाथ ने समधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भोजन प्रसादी के लाभार्थी श्री आई माता सीरवी सेवा समिति रहे तथा हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी प्रभुराम सुथार एवं लक्ष्मी माजीसा ग्रुप फतेह नगर वाले रहे। कार्यक्रम में लुंबाराम सीरवी, सांवल राम, नारायण राम, राजू राम बर्फ़ा, मांगीलाल, सेलाराम, प्रेमाराम, केसाराम, केनाराम, दलाराम, नारायण लाल, हकाराम, राजूराम प्रजापत एवं गौशाला के अध्यक्ष टीवी सुरेश, उदय भास्कर, वेंकट रेड्डी, शांतिलाल सुथार एवं अन्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर गौसेवा एवं भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में फाल्गुन अमावस्या पर गौसेवा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपुरा, सहसचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष, नारायणलाल परिहार, पवन हाम्बड़, भंवरलाल बर्फा, डायाराम लचेटा,नारायणलाल बर्फा, जयराम, भंवरलाल मुलेवा,गोपाराम मुलेवा, हीरालाल चोयल, पारसमल शर्मा, नारायणलाल बर्फा, ओमप्रकाश पंवार, जगदीश सीरवी, नेमाराम हाम्बड़, ओंकराम हाम्बड़, मांगीलाल सोलंकी आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। भजन संध्या में संत सान्निध्य राम धाम पाटवा से संत श्री रामरतन महाराज, समोखी संत श्री ओंकार दास महाराज अचलाराम हाम्बड़,

मोहनलाल भायल ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया । लाईव प्रसारण बीआर एस राजस्थानी चैनल भगवानराम राठौड़ बबलू द्वारा किया गया। दीपक लाईट हाउस एण्ड ग्रुप वक्तराम सीरवी, दिनेश (डुगाराम सीरवी) कालुराम सीरवी, प्रकाश सीरवी, विनोद सीरवी, गिरधारीलाल सीरवी, प्रकाश सीरवी,राजुराम सीरवी, हरीश सीरवी, सुरेश सीरवी, अशोक सीरवी, भरत सीरवी, पप्पूराम द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

लव फॉर काऊ द्वारा महिला दिवस समारोह का आयोजन 2 मार्च को

हैदराबाद, 27 फरवरी , (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फार काऊ फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी दि. 2 मार्च 2025 को सिकंदराबाद स्थित गुजराती स्कुल में महिला दिवस के उपलक्ष में महिला शक्ति का महाकुंभ एवं महिला दिवस समारोह आयोजन किया जा रहा है।लव फार काऊ फाउंडेशन द्वारा जारी प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि फाउंडेशन की ओर से विभिन्न राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों एवं सम्मानित लोंगो से उपरोक्त संदर्भ में मुलाकात की गयी तथा उन्हें महिला दिवस समारोह में पधारने का निवेदन किया गया।

जसमतभाई पटेल ने आगे कहा कि आगामी 2 मार्च 2025 को नारी शक्ति का संगम गौ कुंभ पर्व मनाने जा रहा है शही सभी मातृ

शक्ति को लव फार काऊ आमंत्रित करता है इस मातृ शक्ति संगम में अपनी उपस्थिति दर्ज कर गौ कुंभ को सफल बनाएं। नगरद्वय की जितनी भी महिला संगठन और संस्थाएं हैं जैसे सुन्दर काण्ड मण्डल, रामायण मण्डल जागरण मण्डल , किटी प्रार्टी ग्रुप और अन्य जो भी संस्थाएं हैं उनसे उक्त कार्यक्रम में अवश्य जुडने का आह्वान किया है।उन्होने आगे कहा कि आगामी महिला दिवस के उपलक्ष मे विभिन्न क्षेत्र सेवारत महिलाओ को इस अवसर पर सम्मानित किया जायेगा इसमें गौ सेवा, सनातन सेवा, स्वास्थय सेवा आदि क्षेत्रो मे कार्यरत महिलाओं को गौरत्न पुरस्कार, महिला रत्न, वैद्यरत्न पुरस्कार, समाज रत्न आदि पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि 2 मार्च को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदर्शनी (एक्सीबिशन) का आयोजन किया जायेगा। जिसमें महिलाओ को निःशुल्क स्टाल प्रदान किये जायेंगे। महिलाओ को उनके द्वारा चलाये जा रहे व्यवसाय आदि को प्रदर्शित करने के लिए स्थान प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर भाग लेने वाली महिलाओ में लक्की ड्रा के माध्यम से पुरस्कृत किया जायेगा। जिसमें 100 विजेताओं को चांदी के सिक्के भेंट किये जायेंगे। प्रदर्शनी मे स्टाल लगाने की इच्छुक महिलायें फाउंडेशन की सदस्या रंजना शाह, परमेश्वरी शर्मा, सदस्य तरूण महेता से संपर्क कर अपने नाम पंजीकृत करावे।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के डॉ. नेट्टम और डॉ. लिंगैया को मिला वैज्ञानिक पुरस्कार

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. नेट्टम वी. चौधरी और सीएसआईआर-आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन. लिंगैया को थापर विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित अपने स्वर्ण जयंती समारोह में कैटलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) द्वारा क्रमशः डॉ. टीएसआर प्रसाद राव और प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

40 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ डॉ. चौधरी 2022 से सीएसआईआर-आईआईसीटी में एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक रहे हैं। उन्होंने पहले एचपीसीएल में आर एंड डी का नेतृत्व किया, उनके कॉर्पोरेट आर एंड डी सेंटर की स्थापना की, और बीपीसीएल के आर एंड डी सेंटर में योगदान दिया। उन्होंने 40 से अधिक पेटेंट प्रक्रियाएँ विकसित की हैं, 260 से अधिक पेटेंट दायर किए हैं और लगभग 100 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स के फेलो, उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें त-डतखघ इंडस्ट्रियल रिसर्च अवार्ड (2019), पेट्रोफेड इनोवेटर ऑफ द ईयर (2015), और कैटेलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया के बैंगलोर चैप्टर (2020) से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड शामिल हैं।सीएसआईआर-आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन. लिंगैया ने बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के माध्यम से कटैलिसीस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका काम फाइन केमिकल सिंथेसिस, बायोमास वैल्यूएशन, उज2 कैप्चर और कचरे से संपत्ति बनाने वाली तकनीकों पर केंद्रित रहा है। डॉ. लिंगैया ने कई देशों के संस्थानों के साथ सहयोग किया है और 200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, दस से अधिक पेटेंट दायर किए हैं और प्रौद्योगिकियों को उद्योग में स्थानांतरित किया है।

आर्य नगर, लालदरवाजा स्थित शिवालयम में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में उपस्थित मातृ शक्ति महिला मंडल के सदस्य उमा गोपीनाथ जोशी, प्रशांति, स्वर्णा, पुष्पांजलि, संध्या, स्वप्ना, राधिका व अन्य।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-329 का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में सारगर्भित ढंग से संपन्न हुआ। श्री ठाकुर दिनेश सिंह ने देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री सोहन लाल द्विवेदी (22 फ़रवरी, 1906 - 1 मार्च, 1988) के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि श्री सोहन लाल द्विवेदी को पहली बार राष्ट्रीय कवि की उपाधि मिली थी। उन्हें पद्मश्री से भी नवाज़ा गया है। वे राष्ट्रीय कवियों

में एक थे। साहित्य की अनेक विधाओं में उन्होंने साहित्य सृजन किया है। उनकी अनेक कृतियाँ लोकप्रिय और प्रसिद्ध हुई हैं, जिनसे साहित्यकारों को जुड़ने और प्रेरणा प्राप्त करने की आवश्यकता है। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और गीत चाँदनी की 44 वर्षों की सतत काव्य यात्रा का परिचय और संस्था की विशेष गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने आगे बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में बीकानेर (राजस्थान) से अजित फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशित और संजय श्रीमाली के संपादन में प्रकाशित होने वाली चहल-पहल पत्रिका के जनवरी, 2025 अंक में प्रकाशित रचनाओं पर गोष्ठी क्रमांक-329 में हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों द्वारा चर्चा की जा रही है, जो एक विशिष्ट उपलब्धि है।

विशेष अतिथि श्री सलाहुदीन नय्यर ने कहा कि श्री नेहपाल सिंह वर्मा ने गीत चाँदनी और हिंदी व उर्दू कवियों के साथ-साथ गंगा-जमुनी संस्कृति की बहुत सेवा की है। श्री नय्यर ने हिंदी के वरिष्ठ कवियों की ख़ूब प्रशंसा की है। श्री श्रुतिकांत भारती ने कहा कि बच्चों के जीवन को बनाने के लिए आज बाल साहित्य की आवश्यकता है। बाल साहित्य से बच्चों के मन और मस्तिष्क खुलते हैं। बाल साहित्य की पत्रिकाएँ प्रकाशित होना चाहिए और साहित्यकार भी बाल साहित्य लिखें।

गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कवि गोष्ठी की अध्यक्षता की। कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य ने अपनी स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गीत चाँदनी के पदाधिकारियों और कवियों अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। अनेक श्रोताओं ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा एवं गौरव बढ़ाया। गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा श्रीमती रत्नकला मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में जलपान की सुंदर व्यवस्था की गयी थी।

इंजापुर स्थित रामचंद्र डोंग्रेजी गौशाला में शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित जागरण व डायरा में उपस्थित गौरत्न जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, बिंगी नरेन्द्र गौड, गुजराती समाज के घनश्याम पटेल, उमिया माता मंदिर के नानजीभाई पटेल, मोहन पटेल, गौप्रेमी रिद्धी, गुजरात के कलाकार किशन रादडिया, अल्पा पटेल, धवल झाला आदि का अभिनंदन करते हुए गौशाला अध्यक्ष मनसुख पटेल, वसंत पटेल, भरत पटेल, प्रभु पटेल, अशोक पटेल, जयंती पटेल, किरण पटेल, जयसुख पटेल, हसमुख पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, अनील पटेल, गुणवंत पटेल एवं अन्य।

अहिंदी प्रांत सांसद हिंदी भाषा का प्रशिक्षण दें : एस. गैबुवली

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय में भारत के सभी लोगों में एकता लाकर भारत को स्वतंत्रा प्राप्त करने में प्रमुख योगदान दिया स्वतंत्र भारत में देश के अधिकार भाषा रुप में संविधान में जोडे गये हिंदी भाषा को अपने स्वार्थ राजनीति के लिए उपयोग न करने के लिए तमिलनाडु मुख्यमंत्री स्टालीन को हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एवं हिंदी सेवासदन के संस्थापक प्रधान सचिव एस. गैबुवली मीडिया द्वारा बताया गया। इसके संदर्भ में एस. गैबुवली बताये कि गत कुछ दिनों से स्टालिन लगातार हिंदी के खिलाफ बोलना हिंदी भाषा का अपमान ही है। हिंदी भाषा को केंद्र सरकार लागू करने के

संबंध में व्यक्तिगत नहीं लेना चाहिए। तमिलनाडु के आम जनता एवं छात्रों के अभिप्राय लेकर निर्णय करना चाहिए। स्टालिन के व्यक्ति अभिप्राय को तमिलनाडु के प्रजा को एवं अहिंदी प्रांत राज्य खास कर दक्षिण भारत के राज्यों को भी सहमत मानने के लिए बुलावा देना कोशिश करना ठीक नहीं है। अगर स्टालीन को नई शिक्षा नीति-2020 पर कोई आपत्ति या समस्या रहे तो केंद्र सरकार या संसद के ध्यान में ले जाना चाहिए समाधान करना चाहिए। आज संसार के कई देशों के विश्व विद्यालयों में हिंदी भाषा के विभाग खुले हैं।

उतना ही नहीं विद्यालयों में हिंदी भाषा को वैकल्पिक विषय के रुप में चुनने का अवसर वहाँ के सरकार प्रदान कर रहे हैं। प्रतिस्पर्धी युग में छात्र विभिन्न भाषाओं में पारंगत होंगे तो उनका भविष्य उज्वल होगा। हिंदी भाषा सीखने से छात्रों को देश एवं विदेश में रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। पूरा विश्व वैश्वीकरण के माध्यम से एक स्थान पर हो रहा है। इस समय इस तरह के राजनीति करना स्टालिन के लिए अच्छा नहीं है। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायुडु को प्रत्यक्ष रुप से भेंटकर एवं तेलंगाना राज्य के मुख्य मंत्री रेवंत रेड्डी को भी विनती पत्र देकर आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य में प्राथमिक स्तर से पी.जी. तक हिंदी भाषा को लागू करने के लिए मांग किये इसको भी याद दिलाया। इससे आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्यों के भविष्य उज्वल होगा। एस. गैबुवली यह भी प्रेस में बताया की अहिंदी प्रांत से संसद में चुने गये लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों को हिंदी भाषा प्रशिक्षण देने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमितशाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा अध्यक्ष एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड को विनती किया। अगर केंद्र सरकार मौका दिये तो अपने संस्था हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की ओर से संसद के सदस्यों को हिंदी भाषा प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए तैयार है। अहिंदी प्रांत के संसद सदस्य हिंदी भाषा सीखने से संसद में उनके प्रांत या राज्य के समस्याओं को संसद में हिंदी भाषा में बताने से सभी संसद के सदस्यों को देश के प्रजा को पूर्ण रुप से समझ में आयेगा। जिस से उनके प्रांतों या राज्यों के संबंधित समस्यायें समाधान या सुलझाकर लाभान्वित होगा।

हिंदी जोड़नेवाली भाषा है तोडनेवाली भाषा नहीं है। अब से कोई देश के किसी भी पार्टी के राजनीय नेता हिंदी भाषा के विरोध बोलना विरोध कार्य करना। देश के लिए बिलकुल अच्छा नहीं है। राष्ट्रीय एकता में बाधायें उत्पन्न होंगी। यह बात राजकीय नेताएँ समझना चाहिए।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 141वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 2 मार्च को

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा आरएचवी एलुमनाई एसोसिएशन राजस्थानी महिला मंडल चौक, रानी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार के सहयोग से 141 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर चौक कसारहट्टा स्थित आरएचवी कांसेप्ट स्कूल (राजस्थान स्कूल) में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस साध-राम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जाएगी एवं योग्य को चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। डॉ. अखिला क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खिरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच करेंगे। अवसर पर किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग वितरण का शिविर लगाया जाएगा और जरूरतमंदों को निशुल्क कृत्रिम अंग, कैलिपर्स आदि का वितरण किया जाएगा। साथ ही निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा दांतों की जांच तथा फिजियोथैरेपी की व्यवस्था, बजाज फिजियोकेयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। शिविर 2 मार्च को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा जबकि रोगियों के नाम का पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा सभी निवासियों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, संपत तोष्णीवाल, पद्मा झंवर, रिंकू गर्ग एवं हेमा अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

फाल्गुन अमावस्या पर नल्ला पोचम्मा मंदिर में भव्य चंडी होमम का आयोजन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फाल्गुन अमावस्या पर नल्ला पोचम्मा मंदिर में किया जाने वाला चंडी होमम एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसमें शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए देवी चंडी का आशीर्वाद मांगा जाता है। यह पवित्र अनुष्ठान हिंदू परंपरा का हिस्सा है, जहां चंडी होमम को एक शक्तिशाली होमम माना जाता है जो जीवन में बाधाओं और दोषों को दूर करके सभी प्रयासों में सफलता ला सकता है।इस अनुष्ठान का नेतृत्व मंदिर समिति के सहयोग से बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने किया और उसके बाद अन्नदानम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सेवा और भक्ति की भावना को दर्शाया गया। समुदाय के नेत-ाओं और मंदिर समितियों को इस तरह के आयोजन के लिए एक साथ आते देखना अद्भुत है।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में भगवान भोलेनाथ के श्रृंगार की आरती के पश्चात दर्शन करते हुए श्री राम सेवा समिति भाग्यनगर के उपाध्यक्ष पंकज वर्मा। साथ में हैं सोनाली वर्मा।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को स्व. श्री मधुसूधन गुप्ता की स्मृति में मधुसूधन जितेंद्र कुमार गुप्ता परिवार (इंदरलाल बालमुकुंद जेम्स एंड जेवेल्स) तथा आशीष-पलक अग्रवाल की 16वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर ममता एजेंसीज एवं रघु, रूपा एवं हर्षा शर्मा परिवार, श्रीमती अर्चना अग्रवाल परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, ई. जगन (चंपापेट), प्रभाकर जी, संजय अग्रवाल, सविता-गरवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, शोक गुप्ता एसजे, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल,विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

श्री राजा राजेश्वर स्वामी देवस्थानम में शिवरात्रि महोत्सव में उपस्थित धर्मकर्ता महेश अग्रवाल एवं पुजारी वेंकटेश्वरलू, साईं एवं अन्य भक्तगण।

भावसार विजन इण्ड़िया हैदराबाद क्षेत्र -104 द्वारा शिवरात्रि के पावन अवसर पर जियागुडा स्थित श्री विट्ठल रुक्मई मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए अध्यक्षा श्रीमती शीतल नीमकर, पूर्व गवर्नर प्रशांत नीमकर, - गवर्नर मोहन राव देवतराज, मंत्री शंकर आसुतकर एवं अन्य परामर्शदाता, कार्यकारिणी मंडल एवं सदस्य।

फाल्गुन अमावस्या पर फ्रेंड्स ग्रुप कामाटीपुरा मंगलहाट द्वारा अन्नदान किया गया। जिसमें मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, महेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अन्ना, दशरथ, नमन अग्रवाल, संस्कार कानोडिया एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि सोमालिंग मंदिर पर शिखर स्थापना

मदनूर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानिक समलिंग महादेव मंदिर के कमेटी ने बताया की स्थानिय भक्तों के सहयोग से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोमालिंग महादेव मंदिर में महा शिवरात्रि पर्व बड़ी भक्ति भाव से मनाया गया।

उन्होंने आगे बताए की महा शिवरात्री की शुभ अवसर पर... मदनूर श्री सोमलिंग महादेव मंदिर में बुधवार 26-02-2025 को, मध्याह्न 12:00 बजे मंदिर शिखर आरोहण एवम शिखर प्रतिष्ठा और श्री शिव-पार्वती विवाह संपन्न किया गया। यह पावन शुभ अवसर पर श्री सोमलिंग महादेव मंदिर परिसर में बुधवार के दिन संध्या के समय 07:00 बजे, दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मंदिर परिसर में इच्छुक भक्तजन अधिक से अधिक भाग लेकर दीपोत्सव को संपन्न किया गया सोमालिंग मंदिर परिसर में महा शिवरात्रि के अवसर पर रात्रि... 09:00 बजे से भजन कार्यक्रम एवं महा जगरण किया गया।

ओंकारेश्वर शिव मंदिर मुस्लिम जंग पुल बेगम बाजार शिवरात्रि पर भोलेनाथ की बारात में सम्मिलित महन्त चेतन गिरी, एसीपी बी, कोटेश्वर राव, अनिल कुमार पाण्डेय, विनय पाण्डेय, जितेन्द्र गिरी, आनन्द गुप्ता, अमित पाण्डेय आदि भक्तगण मौजूद थे।

श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा माहेश्वरी विद्यालय, कबूतरखाना के पास पिछले दो वर्षों से जारी अन्नदान सेवा में भाग लेते हुए ट्रस्ट के नवनियुक्त चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया, वाईस चेयरमैन श्रीगोपाल बंग साथ में मैनेजिंग ट्रस्टी चेयरमैन रमेश कुमार बंग, रामप्रकाश भण्डारी, गोविन्द नावन्दर एवं अन्य ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, VEERAM REDDY SRAVANTHI spouse of Service No. 15814983Y Nk VEERAMREDDY SIVARRDDY, R/o.Vill:Rajupalem, Po:Brahmanapalle, Mandal:Kalasapadu, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh-516217 have changed my name from VEERAM REDDY SRAVANTHI to VEERAMREDDY SRAVANTHI vide affidavit dt:27-2-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15814983Y Nk VEERAMREDDY SIVARRDDY of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my son name is to be changed from VEERAM REDDY SAI SHASHIDHAR REDDY to VEERAMREDDY SHASHIDHAR REDDY and daughter name is to be changed from VEERAM REDDY BHAVANA to VEERAMREDDY BHAVANA

जोस बटलर की कप्तानी पर संकट : इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद उठे सवाल

लाहौर, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर की नेतृत्व भूमिका पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद, जिससे इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया, उनकी कप्तानी पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में इंग्लैंड के पास मौके थे, लेकिन वे उनका लाभ उठाने में असफल रहे। इससे पहले ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 351 रन बनाने के बावजूद रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने में असमर्थता ने भी उनकी स्थिति कमजोर कर दी थी।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बटलर ने स्वीकार किया कि उन्हें अपनी कप्तानी और भविष्य को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे हैं। मुझे इस पर विचार करना होगा कि मैं समस्या का हिस्सा हूं या समाधान का।

इंग्लैंड के संघर्ष और बटलर की फॉर्म पर सवाल – 2019 वनडे और 2022 टी20 विश्व कप जीतने के बाद इंग्लैंड का प्रदर्शन गिरावट पर है। 2023 वनडे विश्व कप में टीम सातवें स्थान पर रही, जबकि 2024 टी20 विश्व कप में भारत से सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टी20ई (4–1) और वनडे (3–0) सीरीज में हार मिली, जिससे टीम की फॉर्म को लेकर चिंता बढ़ गई। बटलर की व्यक्तिगत फॉर्म भी सवालों के घेरे में है। 2023 विश्व कप के बाद से उन्होंने आठ वनडे पारियों में 30.57 की औसत से मात्र 214 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 58 रहा। टी20 में भी उनका प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा है। मैं अपनी पारी को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहा हूं, जो कि निराशाजनक है, बटलर ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा।

क्या इंग्लैंड को नया कप्तान मिलेगा – बटलर ने कहा कि वह जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेंगे और इस पर विचार करने के लिए समय लेंगे। मैं अभी कोई भावनात्मक निर्णय नहीं लेना चाहता। हमें टीम को वहां वापस लाने की जरूरत है जहां उसे होना चाहिए – टूर्नामेंट जीतने की दौड़ में। बटलर की कप्तानी पर अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को फैसला लेना होगा। क्या इंग्लैंड टी20 और वनडे में नया कप्तान तलाशेगा, या बटलर को आगे मौका मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

फखर जमान ने संन्यास की अफवाहों को किया खारिज, कहा- जल्द करेंगे वापसी

कराची। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चोट से उबरने के बाद जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। फखर जमान, जिन्होंने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शतक लगाकर पाकिस्तान को ऐतिहासिक खिताबी जीत दिलाई थी, न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले गए पहले मैच में चोटिल हो गए थे। मैच के पहले ही ओवर में एक गेंद का पीछा करते हुए उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए, हालांकि बाद में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरे और 41 गेंदों में 24 रन बनाए। चोट के कारण वह अपनी लय में नहीं दिखे और पाकिस्तान को 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ऐसी अटकलें लगने लगीं कि अप्रैल में 35 साल के होने जा रहे फखर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों को नकारते हुए कहा कि वह अब भी पाकिस्तान के लिए खेलना चाहते हैं। संन्यास की खबरें अफवाह मात्र पीसीबी डिजिटल से बात करते हुए फखर ने कहा, मैंने रिटायरमेंट की खबरों के बारे में सुना है। यहां तक कि मेरे दोस्तों ने भी इस पर मैसेज किया, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। एकदिवसीय प्रारूप मेरा पसंदीदा है, और मैं टी20, वनडे और यहां तक कि टेस्ट क्रिकेट भी खेलना चाहता हूं। जहां तक मेरी वापसी की बात है, डॉक्टर ने कहा है कि मैं एक महीने में फिर से क्रिकेट खेलना शुरू कर सकता हूं। हालांकि, टूर्नामेंट से पहले फखर जमान को पाकिस्तान के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके अलावा, पिछले साल उन्होंने बाबर आजम को टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के फैसले की आलोचना करते हुए एक ट्वीट किया था, जिसके कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। बाद में, जब पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए कनेक्शन कैंप आयोजित किया, तो फखर ने एक वरिष्ठ अधिकारी की तीखी आलोचना की थी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया : स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया है। स्टार्क ने कहा कि जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया है। स्टार्क को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी पर जब अंतिम टीम घोषित हुई तो उसमें स्टार्क का नाम नहीं था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा था कि स्टार्क ने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है। वहीं अब स्वयं इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तरोताजा रहना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, इसके कुछ अन्य कारण भी हैं। टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें टखने में थोड़ा दर्द हुआ था, जिससे उबरने के लिए उन्हें समय चाहिये था। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा भी करना है।

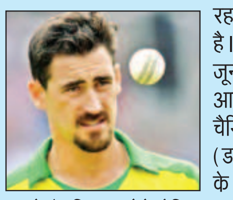

युवा खिलाड़ी सफलता के लिए मेहनत करते हुए निराशा से बचें : सिंधु

मुंबई। महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों को सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत ओर अनुशासन पर ध्यान देना चाहिये। सिंधु ने कहा कि उन्हें निराशा को दूर रखते हुए उत्साही और जुनूनी बनना चाहिये। सिंधु ने कहा कि मेरे अंदर अभी भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों पर एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। दो ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी कहा है कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा जब आपकों सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए पर मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून मेरे अंदर अब भी है इसी कारण मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधु ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ दिन खराब बीते हों पर यह जरुरी है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापसी करें।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को हराकर खिताब की ओर बढ़ाया एक और मजबूत कदम

लंदन, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

लिवरपूल ने बुधवार रात न्यूकैसल यूनाइटेड को 2–0 से हराकर प्रीमियर लीग खिताब की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस जीत के साथ लिवरपूल ने तालिका में 13 अंकों की बढ़त बना ली, क्योंकि आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0–0 से ड्रॉ खेला।

लिवरपूल के लिए डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई ने 11वें मिनट में एक विक्षेपित शॉट के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल, जो चोटिल अलेक्जेंडर इसाक के बिना खेल रही थी, आक्रमण में संघर्ष करता दिखा। 63वें मिनट में मोहम्मद सलाह के साथ पास का आदान–प्रदान करने के बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने दूसरा गोल कर लिवरपूल की जीत सुनिश्चित कर दी।

आर्सेनल को फिर हुआ नुकसान – नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0–0 के ड्रॉ से आर्सेनल को दो और अंक गंवाने पड़े। कोच मिकेल अर्टेटा को इस बात की चिंता होगी कि उनकी टीम लगातार दूसरे मैच में स्कोर करने में विफल रही। आर्सेनल ने 13 शॉट लिए, लेकिन केवल एक ही लक्ष्य पर था।

मैनचेस्टर सिटी शीर्ष चार में वापस लौटी – फिट–एरलिंग हालैंड के एकमात्र गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने टोटेनहम को 1–0 से हराकर शीर्ष चार में वापसी की। मुकाबला कड़ा था, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए और गंवाए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की संघर्षपूर्ण जीत – मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इप्सविच टाउन को 3–2 से हराया, लेकिन उनका प्रदर्शन अब भी सवालों के घेरे में है। यूनाइटेड के तीनों गोल सेट पीस से आए। इप्सविच के लिए जेडन फिलोजेन ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन ब्रूनो फर्नांडीस की फ्री किक पर सैम मोर्सी के डिफ्लेक्टेड गोल ने स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद मैथिज्स डी लिग्ट ने एक ढीली गेंद पर गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। पैट्रिक डोर्गू को रेड कार्ड मिलने से यूनाइटेड 10 खिलाड़ियों के साथ रह गया, और हाफटाइम से पहले फिलोजेन ने बराबरी कर दी। लेकिन दूसरे हाफ में हैरी मगुइरे के ट्रेडमार्क हेडर से यूनाइटेड ने 3–2 से जीत दर्ज की।

भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने में शायद ही कोई परेशानी आये : लालचंद राजपूत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। इस पूर्व कोच के अनुसार भारतीय टीम विरोधियों को जरा भी राहत नहीं देते हुए निर्ममता से प्रहार करती है जिससे कारण ही वह जीत की प्रबल दावेदार बनकर उभरी है। साल 2007 में हुए पहले टी20 विश्व कप में कोच रहे इस पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कोई परेशानी नहीं आयेगी। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम बेहद आक्रामक नजर आ रही है। वह हर मैच में अपना दबाव बना कर आसान जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई अवसर नहीं दे रही। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे यही लगता है कि उसे आसानी से जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ कठिन हालात में शतक लगाकर शानदार तरीके से फॉर्म में वापसी की है। ऐसे में अब टीम कप्तान रोहित शर्मा से भी इसी प्रकार का धमाकेदार प्रदर्शन चाहती है। उन्होंने कहा कि विराट शतक लगा चुके हैं और अब भारत का हर क्षेत्र में मजबूत है। अब केवल रोहित से बड़े शतक की दरकार है। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम के इरादे साफ है। वह अपनी विरोधी टीम को किसी प्रकार का अवसर नहीं देना चाहती है। टीम बड़े मुकाबलों में इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही है।

बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण के कारण नीचे जा रहा पाक क्रिकेट : गावस्कर

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस समय भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी हरा नहीं सकती है।

भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी पाकिस्तान पर भारी पड़ेगी : गावस्कर

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि भारत की बी टीम भी पाक टीम को संघर्ष पर मजबूर कर सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाक टीम का फार्म अभी काफी खराब चल रहा है। पाक टीम अपनी ही धरती पर हो रहे चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भी पाक क्रिकेट लगातार नीचे आता रहा है। टीम पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण हो रहा है। पाक में हमेशा से ही प्राकृतिक प्रतिभा रही है। प्राकृतिक इस तरह कि भले ही वे तकनीकी रूप से सही नहीं थे पर उनके पास बल्ले और गेंद की सहज समझ थी। गावस्कर ने कहा, इंजमाम–उल–हक को देखें। अगर आप उनके रुख को देखें, तो आप किसी युवा बल्लेबाज को ऐसा करने की सलाह नहीं देंगे पर उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। इस तरह के स्वभाव के साथ उन्होंने किसी भी तकनीकी कमी को पूरा किया। गावस्कर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और घरेलू व्हाइट–बॉल टूर्नामेंट के बावजूद गुणवत्ता वाले खिलाड़ी तैयार करने के लिए असफल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में व्हाइट–बॉल क्रिकेट में इतने सारे युवा सितारे आईपीएल की वजह से निकले हैं। वहां से खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और अंतत: भारत के लिए खेलने गए हैं। यह कुछ ऐसा है जिसका पाकिस्तान क्रिकेट को आंकलन करना चाहिए।

तेलंगाना टूरिज्म कप (6–8 गोल) के अंतिम लीग गेम में टीम इंडिया और टीम जर्मनी के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिला। टीम इंडिया ने 1–गोल हैंडीकैप से शुरुआत की, जिससे एक करीबी मुकाबले की शुरुआत हुई जो अंतिम सीटी बजने तक प्रतिस्पर्धी बना रहा। उधर तेलंगाना टूरिज्म कप (6–8 गोल) के लीग गेम के अंतिम दिन की शुरुआत में टीम फ्रांस और टीम यूके के बीच रोमांचक मुकाबले से हुई। यह एक ऐसा मैच देखने को मिला जिसने दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखा। इस अवसर पर एचपीआरसी के अध्यक्ष चैतन्य कुमार खिलाड़ियों के साथ उपस्थित थे।

पोलो में महिलाओं की संख्या कम, प्रोत्साहन की है जरूरत : मोनिका

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे अनुभवी महिला पोलो खिलाड़ी और भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मोनिका सक्सेना का मानना है कि पोलो आज भी पुरुष प्रधान खेल बना हुआ है, और इसमें महिलाओं की संख्या न के बराबर है। यदि महिलाओं को इस खेल में अपनी जगह बनानी है, तो उन्हें घुड़सवारी के साथ–साथ अपनी शारीरिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

रामबाग पोलो ग्राउंड में पीडीकेएफ लेडीज पोलो मुकाबले से पूर्व मोनिका ने कहा कि देश में महिला पोलो खिलाड़ियों की संख्या इतनी कम है कि दो पूरी टीमें भी नहीं बन पातीं। हालांकि, जयपुर पोलो सत्र में लेडीज पोलो मैचों को नियमित रूप से शामिल किया जाना एक सराहनीय कदम है। इससे महिलाओं को इस खेल में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

मोनिका ने बताया कि उन्होंने 26 साल की उम्र में घुड़सवारी शुरू की और कुछ वर्षों बाद दिल्ली में पुरुषों के साथ पहला पोलो मैच खेला।

उनके पिता फौज में थे, और उन्होंने आर्मी के घोड़ों पर ही घुड़सवारी का अभ्यास किया। मोनिका दिल्ली, मुंबई और जोधपुर के पोलो सत्र में खेल चुकी हैं, लेकिन वहां उन्हें पुरुषों की टीम में ही खेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले तीन–चार वर्षों से वे जयपुर के लेडीज पोलो मुकाबलों में नियमित रूप से हिस्सा ले रही हैं और इस आयोजन को महिला पोलो के लिए एक बड़ा अवसर मानती हैं।

मोनिका ने बताया कि मणिपुर में पहले अंतरराष्ट्रीय महिला पोलो टूनामेंट आयोजित किया जाता था, जिसमें अर्जेंटीना, अमेरिका, इंग्लैंड और कनाडा की टीमें भी हिस्सा लेती थीं। लेकिन पहले कोविड और अब मणिपुर मौजूदा हालात के कारण यह टूनार्मेट कई वर्षों से नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि इस टूनामेंट में वे चार–पांच साल तक खेलीं, लेकिन अब कई महिला खिलाड़ी खेल छोड़ चुकी हैं, जिससे महिला पोलो को बड़ा झटका लगा है।

डब्ल्यूपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस की धमाकेदार जीत, यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज की। बुधवार को खेले गए मुकाबले में हेली मैथ्यूज (59 रन, 1 विकेट) और नैटली सिवर-ब्रंट (75 नाबाद, 3 विकेट) के ऑलराउंड खेल की बदौलत मुंबई ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से मात दी।

यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (45) और दिनेश वृंदा (33) की शानदार साझेदारी के दम पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 18 गेंद शेष रहते केवल 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (1) पवेलियन लौट गईं। हालांकि, ग्रेस हैरिस और दिनेश वृंदा ने 79 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी।

एमेलिया कर ने 10वें ओवर में हैरिस (45) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। अगले ही ओवर में संस्कृति गुप्ता ने वृंदा (33) और स्टार बल्लेबाज तालिया मैक्ग्रा (शून्य) को आउट कर मुंबई को बड़ी सफलता दिलाई।

इसके बाद कप्तान दीप्ति शर्मा (4) को हेली मैथ्यूज ने आउट किया। यूपी की रनगति पर ब्रेक लग चुका था। श्वेता सहरावत (13) और शिनेल हेनरी (7) भी जल्द ही सिवर–ब्रंट का शिकार बनीं। अंत में उमा छेत्री (13 नाबाद) ने कुछ रन जोड़ने की कोशिश की, लेकिन यूपी 9 विकेट पर 142 रन तक ही पहुंच सकी।

मुंबई के लिए नैटली सिवर–ब्रंट सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 3 विकेट झटके। संस्कृति गुप्ता और शबनिम इस्माइल ने 2–2 विकेट लिए, जबकि हेली मैथ्यूज और एमेलिया कर को 1–1 सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहतरीन रही। हेली मैथ्यूज (59) और नैटली सिवर–ब्रंट (75 नाबाद) ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए यूपी की गेंदबाजी को ध्वस्त कर दिया।

मैथ्यूज ने सोफी एकल्सटन की गेंद पर आउट होने से पहले 41 गेंदों में 59 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल था। यस्तिका भाटिया (12) भी बड़ी पारी नहीं खेल पाईं। लेकिन इसके बाद नैटली सिवर–ब्रंट ने अकेले दम पर टीम को जीत की ओर पहुंचा दिया।

सिवर–ब्रंट ने 44 गेंदों पर नाबाद 75 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाकर मुंबई को 17 ओवर में ही जीत दिला दी।

इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है और लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम का सेमीफाइनल में स्थान लगभग पक्का माना जा रहा है। वहीं, यूपी वॉरियर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है।

मुंबई की इस जीत में सिवर–ब्रंट की ऑलराउंड परफॉर्मेंस सबसे खास रही, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार खेल दिखाया। अब मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जहां वे अपनी विजयी लय को बरकरार रखना चाहेंगी।

रेवंत रेड्डी ने एचसीएल टेक के नए वैश्विक डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद में एच-सीएल टेक के नए वैश्विक डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन किया । इस अवसर पर तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और एचसीएल टेक के सीईओ और प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार भी मौजूद थे । डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन करते हुए तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा, तेलंगाना और हैदराबाद भारत में सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों और शहरों में से हैं। पिछले एक साल में, हमें सबसे अधिक निवेश प्राप्त हुए हैं और आज देश में सबसे अधिक एआई अपनाया गया है। हम तेलंगाना राइजिंग पहल के तहत तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं । एक वैश्विक कंपनी के रूप में, एचसीएल टेक ने भारत को गौरवान्वित किया है।

आज, इस नई विश्व स्तरीय सुविधा के साथ, एचसीएल टेक तेलंगाना से बहुत बढ़िया काम करेगी, सीएम रेड्डी ने कहा। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा, तेलंगाना तेजी से एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदल रहा है, जो नवाचार, कुशल कार्यबल और मजबूत व्यापार-अनुकूल वातावरण से प्रेरित है। पिछले एक दशक में, हमारा राज्य भारत के सबसे तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी केंद्रों में से एक बन गया है, जो एआई, क्लाउड और डिजिटल परिवर्तन में वैश्विक नेताओं को आकर्षित कर रहा है।उन्होंने कहा, हम इस वृद्धि को गति देने, बुनियादी ढांचे, कौशल और नवाचार को मजबूत करने के लिए तेलंगाना 2.0 ग्रोथ विजन के तहत 15 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहे हैं। हैदराबाद वैश्विक कंपनियों के लिए एक शीर्ष विकल्प बना हुआ है, और एचसीएल टेक का यहाँ अपने वैश्विक वितरण पदचिह्न का विस्तार करने का निर्णय एक अग्रणी तकनीकी गंतव्य के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करता है। यह नया केंद्र तेलंगाना से दुनिया भर में अत्याधुनिक प्रगति को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, एच-सीएल टेक के सीईओ और प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार ने कहा, हम एआई के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी विकास के एक रोमांचक चरण के बीच में हैं।

एचसीएल टेक का पूर्ण स्टैक पोर्टफोलियो और हमारे लोग उद्यमों को इन उभरती प्रौद्योगिकियों की शक्ति को अनलॉक करने में मदद कर रहे हैं। हैदराबाद हमारे वैश्विक नेटवर्क में हमारे ग्राहकों को ये समाधान देने और शहर में वैश्विक क्षमता केंद्रों के विकास का समर्थन करने के लिए एक रणनीतिक स्थान है।अत्याधुनिक डिलीवरी सेंटर हैदराबाद में एचसीएल टेक की पाँचवीं सुविधा है । हाई-टेक सिटी में स्थित, 320,000 वर्ग फुट का यह केंद्र 5,000 कर्मचारियों को समायोजित करेगा और भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से गोल्ड सर्टिफिकेशन के साथ आएगा, जो एचसीएलटेक के टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति समर्पण को दर्शाता है। एच-सीएलटेक 2007 से हैदराबाद में मौजूद है और शहर में 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

तीन एमएलसी सीटों के लिए चुनाव सम्पन्न

नलगोंडा में सबसे ज्यादा मतदान

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में तीन एमएलसी सीटों के लिए हुए स्नातक एमएलसी चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए। अंतिम घंटे में मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों ने चार घंटे तक कतार में खड़े रहने वालों को मतदान का अवसर दिया। पेद्दपल्ली में सबसे अधिक 77.95 प्रतिशत मतदान हुआ। उल्लेखनीय है कि नलगोंडा शिक्षक एमएलसी सीट के लिए 90 प्रतिशत मतदान हुआ। सुबह से ही शिक्षक मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संयुक्त वरंगल जिले में मतदान 80 प्रतिशत को पार कर गया है।संयुक्त खम्मम जिले में भी यह 80 प्रतिशत को पार कर गया है। नलगोंडा, खम्मम और वरंगल में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। मतपेटियों को नलगोंडा में अर्जाला बावी के पास स्थित स्ट्रांग रूम में ले गये। हालांकि, दोपहर तक मतदान की गति धीमी थी, लेकिन दोपहर बाद मतदाता मतदान केंद्रों पर वोटर कतारों में खड़े हो गए। शिक्षक एवं स्नातक कोटे की तीन एमएलसी सीटों के लिए मतदान एक-दो घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।मेदक, निजामाबाद, करीमनगर और आदिलाबाद में स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनावों के लिए चार संयुक्त जिलों के अंतर्गत 15 जिलों में कुल 680 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसमें 406 स्नातक मतदान केन्द्र, 181 शिक्षक मतदान केन्द्र तथा शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं के लिए 93 सामान्य मतदान केन्द्र शामिल हैं। बुधवार को करीमनगर के डॉ बी आर अंबेडकर स्टेडियम में 15 जिलों को चुनाव सामग्री और मतपेटियां वितरित की गईं। मतदान समाप्त होने के बाद, सभी जिलों से मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच करीमनगर के अंबेडकर स्टेडियम स्थित स्वागत केंद्र में ले गये।स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए मतदाता के रूप में पंजीकृत केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों को अपने मत का प्रयोग करने के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश लेने की सुविधा प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि संबंधित प्रबंधनों ने व्यवसाय, वाणिज्यिक, औद्योगिक संस्थानों या अन्य सभी निजी प्रबंधन एवं प्राधिकरणों में कार्यरत स्नातक मताधिकार प्राप्त कर्मचारियों एवं श्रमिकों को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति प्रदान किया है।

एसएलबीसी सुरंग ढहने की घटना : बचाव अभियान तेज

हैदराबाद , 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग में फंसे आठ लोगों को बचाने के लिए बचाव दलों ने अभियान तेज कर दिया है।

सेना, नौसेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और विशेषज्ञ रैट होल माइनर्स की बचाव टीमें गाद और मलबे को हटाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

टीमों का लक्ष्य अगले दो दिनों में ऑपरेशन पूरा करना है। सुरंग के अंतिम हिस्से तक पहुँचने के लिए सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) के क्षतिग्रस्त हिस्सों को अलग करने के लिए गैस प्लाज्मा कटर सहित उन्नत उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, जहाँ श्रमिक फंसे हुए हैं।

अब मुख्य ध्यान मलबे और गाद को साफ करने पर है ताकि

यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोको ट्रेन और कन्वेयर बेल्ट सुरंग के अंतिम बिंदु तक पहुंच सकें। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीअ-रआई) के विशेषज्ञ भी सुरंग के अंदर की स्थिति का आकलन कर रहे हैं, यह अध्ययन कर रहे हैं कि क्या गाद को लगातार हटाने से आगे भी ढहने का खतरा हो सकता है।

एक उच्च स्तरीय बैठक, जिसमें सैन्य सुरंग विशेषज्ञ और राज्य मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी शामिल थे, बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए एक ठोस कार्य योजना अपनाने के निर्णय के साथ संपन्न हुई।

अभियान अब पूर्ण रूप से जल निकासी और गाद निकालने की प्रक्रिया में बदल गया है।सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने आशा व्यक्त की कि फंसे हुए श्रमिकों को बहुत जल्द बचा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार बचाव अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है, जिसमें सहायता के लिए नए उच्च तकनीक वाले हस्तक्षेप और विशिष्ट बल तैनात किए गए हैं।उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हमें उम्मीद है कि जल्द ही कोई सफलता मिलेगी, क्योंकि सुरंग के रास्ते को स्थिर करने के लिए नई रणनीतियां और मजबूत समर्थन संरचनाएं बनाई गई हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को मलबा हटाने में तेजी लाने और सुरंग के कमजोर हिस्सों को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी भी तरह के दूसरे पतन को रोका जा सके।

दुर्घटना सुरंग में 14 किलोमीटर की दूरी पर हुई, और बचाव दल 13.5 किलोमीटर तक पहुंच गया है, लेकिन अंतिम 40 मीटर हिस्से में 7-9 मीटर गाद जमा होने के कारण वे आगे नहीं बढ़ पाए हैं। टीबीएम के मलबे और पानी के रिसाव के साथ-साथ इस वजह से पिछले दो दिनों में प्रगति में बाधा आ रही है।

चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरंग निर्माण में विशेषज्ञता रखने वाले विशेषज्ञों के साथ-साथ देश भर में इसी प्रकार की सुरंग दुर्घटनाओं में बचाव कार्य में पूर्व अनुभव रखने वाले विशेषज्ञों को भी शामिल किया है। इन बढ़े हुए प्रयासों से अधिकारियों को उम्मीद है कि वे जल्द ही फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंच सकेंगे और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा सकेंगे।

सीएम को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय काम करना चाहिए : केटीआर

बेंगलुरु, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामा राव ने गुरुवार को एसएलबीसी सुरंग ढहने को लेकर तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की , उन पर विशेषज्ञों से परामर्श किए बिना परियोजना को जल्दबाजी में पूरा करने और विफलता के लिए दूसरों को दोषी ठहराने का आरोप लगाया।तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के इस आरोप पर कि पूर्व सीएम केसीआर की वजह से हुई देरी एसएलबीसी सुरंग ढहने का कारण है, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामा राव ने कहा, अगर उन्हें काम करना नहीं आता है, तो उनके लिए दूसरों पर आरोप लगाना आसान है। उन्होंने लालच के कारण विशेषज्ञों और इंजीनियरों से परामर्श किए बिना 10 साल पुरानी परियोजना शुरू कर दी और यही वजह है कि 8 श्रमिक वहां फंस गए हैं - कोई नहीं जानता कि वे जीवित हैं या मरे... मैं उन्हें दूसरों पर दोष मढ़ने के बजाय काम करने का सुझाव दूंगा।राव ने कहा, सीएम को एक मुख्यमंत्री की तरह व्यवहार करना चाहिए और बात करनी चाहिए, न कि एक 'सस्ते मंत्री' की तरह।तेलंगाना के पूर्व मंत्री ने टेक एंड इनोवेशन समिट 2025 में प्रौद्योगिकी और नवाचार में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.